THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 223 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.5 2082 रविवार, 9 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

फिल्मनगर पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल ने उप्पल में की आत्महत्या

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के फिल्मनगर पुलिस स्टेशन में कार्यरत कांस्टेबल के. श्रीकांत (42) ने शनिवार को उप्पल स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह मल्लिकार्जुन नगर के निवासी थे। परिवार के सदस्यों ने बताया कि श्रीकांत कुछ समय से आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे और संभव है कि इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया हो। पुलिस ने बताया कि श्रीकांत 23 अक्टूबर से ड्यूटी पर नहीं आ रहे थे। मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है।

न्याय की भाषा पाने वाले को समझ आए : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि न्याय की भाषा वही होनी चाहिए, जो न्याय पाने वाले को समझ आए। उन्होंने कहा कि कानूनी मसौदा बनाते समय इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने 80 हजार से अधिक फैसलों का 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने की सुप्रीम कोर्ट की पहल की सराहना भी की और भरोसा जताया कि यह आगे हाईकोर्ट और जिला स्तर पर भी होगा। पीएम मोदी राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'वाणिज्य न्यायालयों के स्थायी अंतर्राष्ट्रीय मंच' की छठी पूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में क्या कहा :

उन्होंने कहा, हम कानूनी जानकारी को हर दरवाजे तक पहुंचा सकते हैं। साथियों, कानूनी मदद से जुड़ा एक और पहलू है, जिसकी मैं अक्सर चर्चा करता हूं। न्याय की भाषा वही हो, जो न्याय पाने वाले को समझ आए। जब कानून का मसौदा तैयार किया जाता है, तब इसका ध्यान रखना बहुत जरूरी है। जब लोग कानून को अपनी भाषा में समझते हैं, तो इससे (कानून का) बेहतर अनुपालन होता है और मुकदमेबाजी कम होती है। इसके साथ ही, यह भी आवश्यक है कि फैसले और कानूनी दस्तावेज को स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराया जाए। यह वाकई बहुत सराहनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 80 से अधिक फैसलों को 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने की पहल की है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह प्रयास आगे हाईकोर्ट और जिला स्तर पर भी जारी रहेगा।

कानूनी जागरूकता को बढ़ाना हमारी प्राथमिकता :

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हम सभी यह भी जानते हैं कि कानूनी जागरूकता का क्या महत्व होता है। एक गरीब व्यक्ति तब तक न्याय नहीं पा सकता, जब तक उसे अपने अधिकारों का ज्ञान न हो। वह कानून को नहीं समझता है और प्रणाली (सिस्टम) की जटिलता से डर महसूस करता है। इसलिए, कमजोर वर्ग, महिलाओं और बुजुर्गों में कानूनी जागरूकता को बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है। आप सभी और हमारी अदालतें इस दिशा में निरंतर प्रयास करते रहें। मैं समझता हूं, हमारे युवा, खासकर कानून के छात्र इसमें बदलावकारी भूमिका निभा सकते हैं। कानून के युवा छात्रों को प्रोत्साहित किया जाए कि वे गरीबों और गांव में रहने वाले लोगों से जुड़ें, उन्हें उनके कानूनी अधिकार और कानूनी प्रक्रिया समझाएं, तो इससे उन्हें समाज की नस को सीधे महसूस करने का अवसर मिलेगा।

सुनिश्चित किया जाए 'ईज ऑफ जस्टिस' :

उन्होंने कहा, जब न्याय सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि देखे बिना हर व्यक्ति तक पहुंचता है, तभी वह सामाजिक न्याय की नींव बनता है। कानूनी सहायता इस बात में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि न्याय तक सबकी पहुंच हो। राष्ट्रीय स्तर से लेकर तालुका स्तर तक कानूनी सेवाओं वाले अधिकारी, न्यायपालिका और आम आदमी के बीच सेतु का काम करते हैं। मुझे संतोष है कि आज लोक अदालतों और मुकदमेबाजी से पहले विवादों के समाधान से लाखों विवाद जल्दी, सौहार्दपूर्ण और कम खर्च में सुलझाए जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली' के तहत केवल तीन साल में लगभग आठ लाख आपराधिक मामलों का निपटारा किया गया। सरकार के प्रयासों ने देश के गरीब, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित को 'ईज ऑफ जस्टिस' सुनिश्चित किया।

पीएम मोदी ने कहा, साथियों, पिछले 11 वर्षों में हम लगातार 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ लीविंग' पर मजबूती के साथ हम कुछ न कुछ कदम उठा रहे हैं। कारोबार के लिए चालीस से अधिक अनावश्यक अनुपालनों को हटाया गया। जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से 3,400 कानूनी धाराओं का गैर-अपराधीकरण किया गया है। 15 हजार से अधिक अप्रासांगिक और पुराने कानून रद्द किए गए हैं।

दशकों से चली आ रही पुरानी धाराओं को अब भारतीय न्याय संहिता से बदला गया है। साथियों जैसा मैंने पहले भी कहा कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ लीविंग' तभी संभव है, जब 'ईज ऑफ जस्टिस' भी सुनिश्चित हो।

एक से 19 दिसंबर तक चलेगा संसद का शीतकालीन सत्र

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के शीतकालीन सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह सत्र 1 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 19 दिसंबर 2025 तक चलेगा।

किरेन रिजिजू ने ट्वीट में लिखा, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने 1 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन)। एक रचनात्मक और सार्थक सत्र की आशा है जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगा और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

मानसून सत्र में बर्बाद हुए थे 166 घंटे

इससे पहले संसद का मानसून सत्र 21 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। मानसून सत्र में एसआईआर पर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के 166 घंटे बर्बाद हो गए थे। इससे जनता

के टैक्स के करीब 248 करोड़ रुपये डूब गए। विशेष चर्चा के बाद ऑपरेशन सिंदूर मामले में टकराव टला, मगर एसआईआर को लेकर सियासी संग्राम अंतिम दिन तक जारी रहा। हंगामे के कारण लोकसभा के 84.5 घंटे, जबकि उच्च सदन राज्यसभा के 81.12 घंटे बर्बाद हो गए। राज्यसभा की कार्यवाही 38.88 घंटे ही चल सकी।

किसी भी सदन की एक मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपये खर्च होते हैं। यानी एक घंटे का खर्च लगभग 1.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे लोकसभा में कार्यवाही न चलने से 126 करोड़ रुपये और राज्यसभा में करीब 122 करोड़ बर्बाद हुए। हालांकि, अंतिम नौ कार्य दिवसों में ताबड़तोड़ विधायी कामकाज निपटाए गए। राज्यसभा में 15 तो लोकसभा में 12 विधेयक पारित किए गए।

संसद के कितने सत्र होते हैं :

सामान्यत: एक वर्ष में लोक सभा के तीन सत्र आयोजित किए जाते हैं। संसद का बजट सत्र फरवरी के महीने से मई महीने के दौरान चलता है। इस अवधि के दौरान बजट पर विचार करने तथा मतदान और अनुमोदन के लिए बजट को संसद में प्रस्तुत किया जाता है। विभागों से संबंधित समितियां मंत्रालयों और विभागों की अनुदानों की मांगों पर विचार करती हैं और इसके बाद संसद को अपने प्रतिवेदन सौंपती हैं।

सड़क पर मिलीं वीवीपैट की पर्चियां तो एआरओ सस्पेंड

समस्तीपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चढ़े सियासी पारे के बीच चुनाव आयोग पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। समस्तीपुर के एक स्कूल के पास सड़क किनारे मिली वीवीपैट की पर्चियों को लेकर आरजेडी ने चुनाव आयोग और प्रक्रिया पर प्रश्न चिन्ह खड़े किए। इस पर अब आयोग एक्शन में आया है और एआरओ को सस्पेंड कर दिया गया है।

ये मामला बिहार के समस्तीपुर जिले के सरायगंज विधानसभा क्षेत्र के केएसआर कॉलेज के पास का है, जहां सड़क किनारे भारी मात्रा में ईवीएम से निकलने वाली वीवीपैट की पर्चियां पड़ी हुई मिली थीं। इसको लेकर विपक्ष में बैठी राष्ट्रीय जनता दल ने चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए थे। इसके बाद अब चुनाव आयोग ने इस मामले में कार्रवाई की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने जारी किए आदेश :

इस घटना के सामने आने के बाद चुनाव आयोग ने शनिवार को जांच के आदेश दिए। बता दें कि इन पर्चियों की पहचान की बात करें तो आयोग का कहना है कि ये वो पर्चियां हैं, जो कि मॉक पोल के लिए इस्तेमाल की गई थी।

घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने समस्तीपुर के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) को घटनास्थल का दौरा करने और जांच करने का निर्देश दिया है।

इस मामले में चुनाव आयोग ने कहा कि जिलाधिकारी समस्तीपुर को घटनास्थल पर जाकर जांच करने का निर्देश दिया गया है। ये मॉक पोल की वीवीपैट पर्चियां हैं, इसलिए मतदान प्रक्रिया की शुचिता बरकरार है। जिलाधिकारी ने चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को भी सूचित कर दिया है। हालांकि, संबंधित सहायक निर्वाचन अधिकारी (एआरओ) को लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है।

क्या 200 करोड़ की जमीन तीन करोड़ में बिकी?

कांग्रेस के आरोप पर मंत्री सरनाईक ने दी सफाई

मुंबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक और जमीन सौदे को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने शनिवार को राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका दावा है कि सरनाईक ने मीरा भायंदर में करीब 200 करोड़ रुपये मूल्य की 4 एकड़ जमीन मात्र 3 करोड़ रुपये में खरीदी है, ताकि वहां अपना शैक्षणिक संस्थान शुरू कर सकें।

वडेट्टीवार ने पत्रकारों से कहा क्या कोई मंत्री अपने निजी शैक्षणिक संस्थान के लिए इतनी कीमती सरकारी जमीन खरीद सकता है? अगर ये सब कुछ नियमों के मुताबिक है, तो फिर यही है 'नया महाराष्ट्र'। अब तो हमें आंख मूंद लेनी चाहिए।

मंत्री प्रताप सरनाईक ने आरोपों को सिरे से नकार :

हालांकि, मंत्री प्रताप सरनाईक ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस तरह के दावे बार-बार करता रहता है, लेकिन कभी सबूत पेश नहीं करता। सरनाईक ने कहा वडेट्टीवार वरिष्ठ कांग्रेस नेता हैं। अगर उनके पास कोई दस्तावेज हैं तो सामने लाएं। मैं खुद जानना चाहता हूं कि वह कौन-सी जमीन है और मेरा उससे क्या लेना-देना है। मंत्री होने के नाते हम पर आरोप लगते रहते हैं, लेकिन ये सब बेबुनियाद हैं।

इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कई बार लोग मीडिया के जरिए आरोप लगाते हैं, लेकिन कोई लिखित शिकायत नहीं देते। अगर शिकायत आती है, तो सरकार जांच जरूर करवाएगी। जैसा कि पुणे की जमीन डील के मामले में किया गया।

गौरतलब है कि यह आरोप ऐसे समय में आया है जब उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार से जुड़ी पुणे की 40 एकड़ सरकारी जमीन की डील पहले से ही विवादों में है। इस सौदे में अनियमितताओं के आरोप उठे हैं, जिसके चलते सरकार ने एक सब-रजिस्ट्रार को निलंबित किया है और उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, लेन-देन से जुड़े तीन लोगों पर एफआईआर भी दर्ज की गई है।

'आर्थिक नीतियों में सुप्रीम कोर्ट दखल नहीं देता' : चीफ जस्टिस

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका हमेशा कानून के शासन की रक्षक रही है और सुप्रीम कोर्ट यह सुनिश्चित करता है कि वह आर्थिक नीतियों से जुड़े मामलों में तब तक दखल न दे, जब तक कि मौलिक अधिकारों या संविधान के अन्य प्रावधानों का उल्लंघन न हो। सीजेआई वाणिज्य न्यायालयों के स्थायी अंतर्राष्ट्रीय मंच की छठी पूर्ण बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक और कॉर्पोरेट मामलों में पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने को लेकर सुप्रीम कोर्ट सतर्क रहा है और उसने कानूनी या कॉर्पोरेट ढांचे के दुरूपयोग के हर प्रयास को खारिज किया है।

सीजेआई ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनिश्चित किया है कि वह आर्थिक नीतियों से जुड़े मामलों में तभी दखल दे, जब मौलिक अधिकारों या संविधान के अन्य प्रावधानों का उल्लंघन हो। इसी तरह, अदालत ने यह भी दोहराया है कि किसी भी वाणिज्यिक कानून की व्याख्या विधायिका की मंशा के अनुरूप होनी चाहिए, साथ ही न्याय और जनहित को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

जस्टिस गवई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमेशा आर्थिक स्वतंत्रता, नियामक अनुशासन और निष्पक्षता के बीच संतुलन बनाए रखा है। उन्होंने कहा, अदालत ने स्पष्ट किया है कि राज्य की शक्तियां, खासकर कराधान और विनियमन के मामलों में, स्पष्ट कानूनी आधार पर टिकनी चाहिए और संविधान की सीमाओं के भीतर काम करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नियामक निकायों को वित्तीय स्थिरता और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखना चाहिए, लेकिन उनके कदम हमेशा उचित और अनुपातिक होने चाहिए।

चांद पर माइनिंग की राह खुलने वाली है?

इसरो की इस तस्वीर ने जगा दी 'गेमचेंजर' उम्मीद

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को चंद्रयान-2 से जुड़ी अहम जानकारी दी। इसरो ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' से एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में दो गोलाकार आकृतियां नजर आ रही हैं। इसके साथ ही इसरो ने लिखा कि इसरो ने चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों को और अच्छे से समझने के लिए चंद्रयान-2 लूनर ऑर्बिटर से एडवांस्ड डेटा प्रोडक्ट्स बनाए हैं। इनमें चांद की सतह की फिजिकल और डाइइलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज बताने वाले जरूरी पैरामीटर्स शामिल हैं। यह चांद की भविष्य में होने वाली ग्लोबल खोज में भारत का एक बड़ा योगदान है। इसरो की पोस्ट के बाद लोगों ने चंद्रमा पर

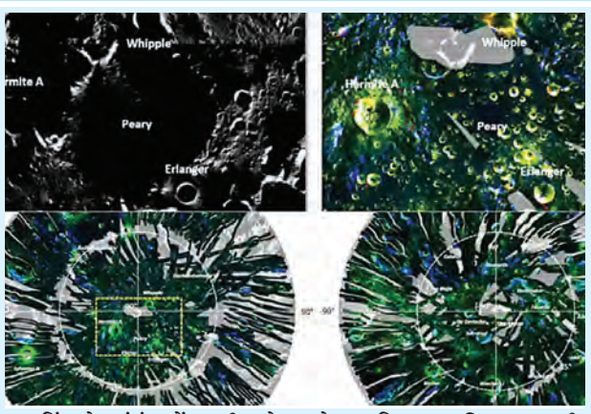

माइनिंग के संबंध में उम्मीद से भरे कई सवाल पूछने शुरू कर दिए।

ये एडवांस्ड डेटा प्रोडक्ट्स चांद के ध्रुवीय क्षेत्रों के बारे में पहली जानकारी इकट्ठा करने के लिहाज से बहुत जरूरी हैं। माना जाता है कि इन इलाकों में सोलर सिस्टम की शुरूआती केमिकल कंडीशन सुरक्षित हैं, जो ग्रहों की बॉडीज के इवोल्यूशन के कई पहलुओं को समझाने के लिए अहम सुराग हैं।

इसरो ने इस संबंध में कहा है कि चांद के ध्रुवीय क्षेत्रों पर इस तरह के रेडी-टू-यूज डेटा प्रोडक्ट्स की हमेशा से जरूरत रही है, क्योंकि यह भविष्य में चांद की खोज के लिए पोलर इलाकों की खासियत बताने के लिए पूरी जानकारी देगा। ये प्रोडक्ट्स चांद पर मिनरल्स के डिस्ट्रीब्यूशन की स्टडी करने में हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा के पूरक हैं।

इसरो की पोस्ट पर लोगों ने कई तरह के सवाल करने शुरू कर दिए। एक यूजर ने लिखा कि क्या इससे किसी भी तरह से चांद पर माइनिंग का रास्ता खुलेगा? क्या यह इसरो के रडार पर है? एक अन्य यूजर ने लिखा कि यह बहुत बढ़िया है इसरो! चांद के दक्षिणी ध्रुव के डाइइलेक्ट्रिक कांस्टेंट और खुरदरेपन की मैपिंग करने से छिपी हुई पानी की बर्फ के बारे में राज खुल सकते हैं, यह भविष्य के रहने की जगहों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है!

जैसलमेर में सेना की मिसाइल टारगेट से चूकी

गांव से 500 मीटर पहले गिरी, तेज धमाके से दहशत, सैन्य अभ्यास के दौरान हुई घटना

जैसलमेर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर में सैन्य अभ्यास के दौरान मिसाइल मिस फायर हो गई। टारगेट से मिस हुई मिसाइल रेंज के पास ही भादरिया गांव के पास गिरी। मिसाइल गिरते ही तेज धमाका हुआ। इससे आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

घटना शनिवार शाम 4 बजे पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज की है। सूचना पर स्थानीय पुलिस और सेना की टीम मौके पर पहुंची। मिसाइल के पिछले हिस्से के मलबे को पिकअप गाड़ी में लादकर फील्ड फायरिंग रेंज में ले गए। बाकी के टुकड़ों की तलाश की जा रही है।

सैन्य सूत्रों के अनुसार जैसलमेर के लाठी क्षेत्र में पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शनिवार को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का नियमित अभ्यास चल रहा था।

बंगाल में 3 करोड़ से ज्यादा एसआईआर फॉर्म बंटे

एन्क्लेव महिलाओं को नाम गायब होने का खतरा, सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु सरकार की याचिका सुनने को तैयार

नई दिल्ली/कोलकाता, 8 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट का रिवीजन एसआईआर 4 नवंबर से शुरू हो चुकी है। पश्चिम बंगाल में विरोध के बावजूद बूथ लेवल अधिकारियों ने 3.04 करोड़ से ज्यादा फॉर्म बांट दिए हैं।

हालांकि, कूचबिहार के पूर्व एन्क्लेव निवासियों ने लगभग 450 महिलाओं के नाम जिला प्रशासन को सौंपे हैं। उन्हें डर है कि 9 दिसंबर को पब्लिश होने वाली ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से उनका नाम छूट सकता है। इधर, सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर से वोटर लिस्ट की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सीजेआई बीआर गवई की बेंच में यह मामला लिस्टेड किया गया है। तमिलनाडु सरकार की याचिका में पूरे देश में एसआईआर प्रक्रिया शुरू करने को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट पहले से ही बिहार में एसआईआर की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।

अगस्त 2015 में भारतीय मुख्य भूमि में 51 बांग्लादेशी एन्क्लेवों शामिल किए गए थे। यहां रहने वाली इन महिलाओं के नाम उस साल एन्क्लेव एक्सचेंज से पहले जनगणना के लिए नहीं रखे गए थे क्योंकि उनकी पहले ही शादी हो चुकी थी। वे देश के विभिन्न कोनों में अपने ससुराल वालों के साथ रहने चली गई थीं। भारत-बांग्लादेश के बीच 1974 के भूमि सीमा समझौते के तहत परिक्षेत्रों का ऐतिहासिक आदान-प्रदान हुआ। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, भारतीय बॉर्डर में रहने वाले बांग्लादेशी परिक्षेत्रों के 15,856 निवासियों को नागरिकता दी गई। वहीं, बांग्लादेश में भारतीय परिक्षेत्रों में रहने वाले 921 अतिरिक्त निवासियों को भी नागरिकता दी गई, ये सीमा पार कर बांग्लादेश आए थे।

डीएमके के संगठन सचिव आरएस भारती ने एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 3 नवंबर को याचिका दायर की थी। जिसमें प्रक्रिया को असंवैधानिक, मनमाना और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए खतरा बताया गया है। एसआईआर को अनुच्छेद 14, 19 और 21 में दिए समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जीवन के अधिकार का उल्लंघन बताया गया है।

याचिका में यह भी दावा किया गया है कि कम समय होने के कारण लाखों असली मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हट जाएंगे, जिससे वे वोटिंग से वंचित हो जाएंगे।

तमिलनाडु में अक्टूबर 2024 और 6 जनवरी 2025 के बीच एक विशेष संशोधन (एसएसआर) किया गया था, जिसमें प्रवास, मृत्यु और अयोग्य मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। इसकी रिपोर्ट को 6 जनवरी को पब्लिश किया गया था, तब से इसे अपडेट किया जा रहा है।

कश्मीर में चलती ट्रेन से टकराया बाज और टूट गया कांच, लोको पायलट घायल

श्रीनगर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर संभाग में उस दौरान रेल हादसा होने से बच गया जब ट्रेन से एक पक्षी टकरा गया। आज सुबह बारामूला-बनिहाल मार्ग पर एक ट्रेन से एक बाज के टकराने से लोको पायलट घायल हो गया। जिसके बाद ट्रेन को रोक दिया गया।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना बिजबेहरा और अनंतनाग सेक्शन के बीच उस समय हुई जब ट्रेन बनिहाल जा रही थी। उन्होंने बताया कि एक चील ट्रेन के विंडशील्ड से टकरा गई, जिससे विंडशील्ड क्षतिग्रस्त हो गई और लोको पायलट घायल हो गया। घायल की पहचान विशाल के रूप में हुई है और उसे अनंतनाग रेलवे स्टेशन पर प्राथमिक उपचार दिया गया।

कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकी ढेर

कुपवाड़ा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस दौरान 2 आतंकी मारे गए हैं और इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। आतंकवाद को लेकर हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। सतर्क जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और आतंकियों को चुनौती दी, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में 2 आतंकी मारे गए।

हालही में गिरफ्तार हुए थे 3 आतंकी

हालही में श्रीनगर पुलिस ने देर रात ममता चौक, कोनाखान, डलगेट के पास से 3 आतंकियों को गिरफ्तार किया था। ये गिरफ्तारी गुरुवार देर रात हुई थी। इनकी पहचान शाह मुतैयब (निवासी कुलीपोरा खानयार), कामरान हसन शाह (निवासी कुलीपोरा खानयार) और मोहम्मद नदीम (निवासी मेरठ, वर्तमान में खानयार के कावा मोहल्ला) के रूप में हुई थी और इनके पास से एक देसी कट्टा और नौ जिंदा कारतूस बरामद हुए थे।

किश्तवाड़ में भी हुई थी मुठभेड़

इसी महीने किश्तवाड़ में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान एक जवान घायल हो गया था। मुठभेड़ तड़के किश्तवाड़ जिले के छत्रू इलाके में हुई थी।

खुफिया रिपोर्ट में हुआ था चौंकाने वाला खुलासा

नवंबर के शुरुआती हफ्ते में ये रिपोर्ट सामने आई थी कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह खासतौर से लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), जम्मू और कश्मीर में आतंकी हमलों की साजिश रच रहे हैं। भारतीय जवानों द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' मिशन के छह महीने बाद आतंकी एक बार फिर सिर उठाने की कोशिश में हैं।

हालांकि सुरक्षाबल अलर्ट मोड पर हैं और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर के बाद से आतंकियों के बीच डर का माहौल है और वह किसी भी तरह का हमला करने से पहले फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं।

लश्कर और जैश फिर सक्रिय सात साल में 18 फिदायीन हमले

जम्मू, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान पोषित फिदायीन हमले बड़ी चुनौती साबित होते रहे हैं। बीते 17 साल में 18 फिदायीन हमले हुए हैं। कश्मीर संभाग के सीमावर्ती जिले के कुपवाड़ा, बारामुला और गांदरबल में आतंकवादी बर्फ की मोटी परतों और दुर्गम रास्तों का फायदा उठाते हैं, जबकि जम्मू संभाग के राजोरी, पुंछ और सांबा सेक्टर में धुंध का सहारा लेकर घुसपैठ की साजिश रचते हैं। जैसे-जैसे तापमान गिरता है, घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन फिर से हमले की योजना बना रहे हैं। ये संगठन ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं और नियंत्रण रेखा पर कमजोर जगहों की पहचान कर रहे हैं। आतंकी संगठन ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं और नियंत्रण रेखा पर कमजोर जगहों की पहचान कर रहे हैं। पाकिस्तान की आईएसआई और सेना की एसएसजी आतंकी संगठनों की मदद कर रही है। सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

स्कूल यूनिफॉर्म में शराब खरीदता दिखा नाबालिग

दमोह, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में एक बार फिर शराब को लेकर हड़कंप मच गया है। पहले से ही अवैध शराब के कारोबार को लेकर घिरे स्थानीय प्रशासन पर अब नया विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक नाबालिग छात्र स्कूल यूनिफॉर्म में शराब दुकान से बोतल खरीदता दिखाई दे रहा है।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि छात्र कंधे पर स्कूल बैग टांगे हुए शराब दुकान पर पहुंचता है और ठेके पर मौजूद व्यक्ति उससे पैसे लेता है। फिर वह शराब की बोतल उसे थमा देता है। मामले के सामने आते ही प्रशासन हरकत में आ गया। दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर ने वीडियो को गंभीरता से लेते हुए आबकारी अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शनिवार शाम तक रिपोर्ट मांगी गई है, जिसके बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रीनगर-कुपवाड़ा जेलों में सीआईके का सख्त सुरक्षा एक्शन

कारागार से मोबाइल और बैन आइटम्स बरामद

जम्मू, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) टीम ने एक सुनियोजित और समन्वित ऑपरेशन के तहत घाटी की कई जेलों में अचानक छापेमारी की। इस अभियान में श्रीनगर की सेंट्रल जेल और कुपवाड़ा की डिस्ट्रिक्ट जेल सहित कई अन्य जेलें शामिल थीं। अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी जेलों के अंदर हो रही गतिविधियों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई। टीम का मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना था कि कैदियों द्वारा किसी भी प्रतिबंधित वस्तु का उपयोग या लेन-देन न किया जा रहा हो। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हाल ही में खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली थी कि कुछ जेलों के अंदर से गैरकानूनी और देशविरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी इनपुट के आधार पर सीआईके की टीमें सक्रिय हुईं और जेल प्रशासन के सहयोग से यह ऑपरेशन चलाया गया। बताया जा रहा है कि तलाशी के दौरान कैदियों के बैरक, दस्तावेजों और निजी सामानों की बारीकी से जांच की गई।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर की टीमों ने आज सेंट्रल जेल श्रीनगर और डिस्ट्रिक्ट जेल कुपवाड़ा में तलाशी अभियान चलाया। इस कार्रवाई का उद्देश्य जेलों की आंतरिक सुरक्षा को और सुदृढ़ करना तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की पहचान करना है। इस सर्च ऑपरेशन में जेल प्रशासन भी शामिल था। अधिकारी ने आगे बताया कि जांच के दौरान कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, दस्तावेज और अन्य वस्तुएं बरामद की गई हैं, हालांकि अभी तक जब्त किए गए सामान के बारे में आधिकारिक रूप से कोई खुलासा नहीं किया गया है।

सूत्रों का कहना है कि तलाशी अभियान के बाद सभी जेलों की सुरक्षा समीक्षा की जा रही है और यह जांचा जा रहा है कि कहीं जेल कर्मियों की लापरवाही तो नहीं हुई। अगर किसी कर्मचारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीआईके के इस ऑपरेशन को घाटी में कानून व्यवस्था और सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ा कदम माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे ताकि जेलों के अंदर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या नेटवर्क को पूरी तरह खत्म किया जा सके। कुल मिलाकर, जम्मू-कश्मीर पुलिस का यह अभियान घाटी में बढ़ती सुरक्षा सतर्कता और आतंकी नेटवर्क पर लगाम लगाने की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है।

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में कार फिसलकर खाई में गिरी

तीन घायल अस्पताल में भर्ती

कुपवाड़ा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के सीमांत जिले कुपवाड़ा के मच्छिल सेक्टर में एक कार के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने से तीन लोग घायल हो गए। घायलों को उपजिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार एक पिकअप वाहन जिसे रिंग बाला माच्छिल निवासी बशीर अहमद लोन चला रहे था, अचानक हादसे का शिकार हुई जब वाहन माच्छिल से कुपवाड़ा की ओर जा रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि चालक के वाहन से नियंत्रण खोने के कारण यह हादसा हुआ जिसमें वाहन गहरी खाई में जा गिरा।

उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में चालक और दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए जिनकी पहचान अब्बास अजीज शाह और शोएब अहमद के रूप में हुई है। दोनों रिंग बाला माच्छिल निवासी हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस और सेना तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

स्थानीय लोगों की सहायता से तीनों घायलों को निकाला गया और इलाज के लिए कुपवाड़ा के उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) ले जाया गया।गौरतलब है कि मिली जानकारी के अनुसार तीनो की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। इस बीच पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

केरल हाईकोर्ट बोला-अविवाहित बेटी पिता से गुजारा-भत्ता नहीं ले सकती

क्रिश्चियन पर्सनल लॉ भी इसकी इजाजत नहीं देता

तिरुवनंतपुरम, 8 नवंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने कहा ईसाई धर्म मानने वाली अविवाहित बेटी अपने पिता से गुजारा-भत्ता लेने का दावा नहीं कर सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि क्रिश्चियन पर्सनल लॉ में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है। जबकि मुस्लिम पर्सनल लॉ और हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम (हामा) में ऐसा हक मौजूद है। केरल हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ। कौसर एडप्पागथ की बेंच ने 29 अक्टूबर की एक याचिका पर सुनवाई की, जिसमें 65 वर्षीय ईसाई व्यक्ति ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी जिसमें उसे अलग रह रही पत्नी को हर महीने 20,000 रुपए और 27 साल की अविवाहित बेटी को 10,000 रुपए भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि उसकी बेटी याचिका दायर होने के समय बालिग थी, इसलिए वह भरण-पोषण पाने की हकदार नहीं है। साथ ही उसने कहा कि उसकी पत्नी उसे छोड़कर अलग रहती है और आर्थिक रूप से सक्षम है।

हाईकोर्ट ने याचिका को आंशिक मंजूरी देते हुए बेटी को दिए जाने वाले 10,000 रुपए मासिक भरण-पोषण के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर बेटी बालिग है तो वह तभी भरण-पोषण मांग सकती है जब किसी शारीरिक या मानसिक समस्या के कारण खुद का खर्च न उठा सके। कोर्ट ने आगे कहा कि हामा की धारा 20(3) और मुस्लिम व्यक्तिगत कानून में पिता को अविवाहित बेटी का भरण-पोषण करना होता है, लेकिन ईसाई व्यक्तिगत कानून में ऐसा कोई नियम नहीं है।

इसलिए पारिवारिक अदालत का फैसला सही नहीं था। सुनवाई में पत्नी की ओर से कहा गया कि वह मुंबई में अपने बीमार बेटे की पढ़ाई और इलाज के लिए रह रही है। हाईकोर्ट ने इसे उचित माना और कहा कि मां की माता-पिता वाली जिम्मेदारी उसकी वैवाहिक जिम्मेदारी से बड़ी होती है। हाईकोर्ट ने पत्नी को हर महीने 20,000 रुपए भरण-पोषण और बेटे के शिक्षा के लिए 30,000 रुपए खर्च देने के आदेश में कोई बदलाव नहीं किया।

कार में निहंग बाणा पहन कर चिकन खा रहा व्यक्ति काबू पिस्टल कवर से मिला चाकू

फगवाड़ा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। (पंजाब) फगवाड़ा में जीटी रोड पर चिकन की दुकान के बाहर गाड़ी में बैठकर एक व्यक्ति निहंग सिंह का बाणा पहन कर शराब पी रहा था। पता लगने पर फगवाड़ा के निहंग सिंहों द्वारा जमकर हंगामा किया गया। देर रात फर्जी निंहग सिंह एक महिला के साथ चिकन खा रहा था और शराब पी रहा था। इस मामले की जानकारी जैसे ही फगवाड़ा सिख जत्थेबंदियों को मिली तो वह तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे।

इस दौरान कथित निहंग सिंह ने उनके साथ हाथापाई की और किरपान निकाल पर उन पर हमला करने की कोशिश की। मामले की जानकारी देते हुए सिख जत्थेबंदी के हैप्पी ने बताया कि उन्हें किसी ने फोन पर सूचित किया कि फगवाड़ा जीटी रोड पर एक चिकन दुकान के बाहर एक स्कार्पियो गाड़ी खड़ी है। जिसके ऊपर तरना दल दोआबा निहंग सिंह जत्थेबंदी का नाम लिखा हुआ है। उस गाड़ी में एक बाणाधारी आदमी एक महिला के साथ मीट और शराब का सेवन कर रहा है।

मुंबई टू लंदन एयर इंडिया की फ्लाइट एआई129 हुई 7 घंटे लेट

विमान से उतारकर फिर चेक किया गया सामान

मुंबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई से लंदन हीथ्रो एयरपोर्ट जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई129 की उड़ान में देरी हो गई है। आज सुबह साढ़े 6 बजे टेक ऑफ होने वाली फ्लाइट अब तक मुंबई एयरपोर्ट पर ही है। एयर इंडिया की उसी फ्लाइट में यात्रा करने जा रही एक पैसेंजर ने बताया कि पहले उन्हें कहा गया कि बोर्डिंग टाइम आधा घंटा देरी से होगा, जिसके बाद 5 बजकर 20 मिनट की जगह उन्हें फ्लाइट में 6 बजे बोर्ड कराया गया। सभी यात्री फ्लाइट में करीबन एक से डेढ़ घंटे तक बैठे रहे और फिर अनाउंसमेंट हुआ कि कुछ तकनीकी दिक्कत के चलते उन्हें फ्लाइट से उतरना होगा। फिर करीबन 8 बजकर 15 मिनट पर उन्हें फ्लाइट से नीचे उतारा गया उनके हैंड बैग की दोबारा से जांच की गई।

मुंबई से कब टेकऑफ करेगी फ्लाइट ?

हालांकि, बाद में उन्हें बताया गया कि 12 बजे उनकी फ्लाइट टेकऑफ करेगी। खबर है कि सुबह की फ्लाइट पकड़ने के लिए कई यात्री रात में सो नहीं पाए थे अब फ्लाइट में देरी की चलते यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एयर इंडिया के ऑफिशियल का कहना है कि तकनीकी दिक्कतों के चलते अब फ्लाइट दोपहर 1 बजे टेकऑफ करेगी। यात्रियों को रिफ्रेशमेंट दिया गया है। एयर इंडिया तरफ से मिली औपचारिक जानकारी के मुताबिक, यह मामला एएमएसएस की समस्या से जुड़ा नहीं है, बल्कि एयरक्राफ्ट में तकनीकी समस्या की वजह से देरी हुई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि क्रू मेंडेटरी फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) प्रोटोकॉल के तहत आ गया है,

जिसके कारण उन्हें तुरंत विमान उड़ाने की अनुमति नहीं है। इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। मुंबई में हमारी ग्राउंड टीम यात्रियों को तत्काल सहायता दे रही है, जिसमें भोजन देना भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि यात्रियों को जल्द से जल्द उनकी मंजिल तक पहुंचाने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही हैं। एयर इंडिया में यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वोट चोरी मामले पर कांग्रेस की बैठक आज राहुल गांधी के उठाए मुद्दों पर होगी चर्चा

चंडीगढ़, 8 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में वोट चोरी और मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने बड़ा कदम उठाया है। इसी मुद्दे पर अब हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने 9 नवंबर को शाम 3 बजे, एआईसीसी मुख्यालय, इंदिरा गांधी भवन, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। बैठक में हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा, एआईसीसी सचिव एवं सह-प्रभारी जितेंद्र बघेल और प्रफुल्ल गुडधे विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। बैठक में राहुल गांधी द्वारा उठाए गए मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने सभी पूर्व सांसदों, विधायकों, जिला अध्यक्षों, एआईसीसी सदस्यों और अग्रणी संगठनों के प्रतिनिधियों से समय पर बैठक में पहुँचने का अनुरोध किया है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 5 नवंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हुई गड़बड़ियों का खुलासा किया था।

किशोरी के मां बनने पर होगी गंभीर पीड़ा

बॉम्बे हाईकोर्ट ने रेप विक्टिम को दी गर्भपात की अनुमति

मुंबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 15 साल की रेप पीड़िता को गर्भ गिराने की अनुमति दी है। पीड़िता का गर्भ 27 हफ्ते का है। 10 कक्षा में पढ़ रही पीड़िता ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका लगाकर गर्भपात की अनुमति देने को कहा था। पीड़िता ने इसमें कहा है कि उसे मार्च में 10वीं कक्षा की एसएससी बोर्ड परीक्षा देनी है। पीड़िता ने कोर्ट में यह याचिका अपने पिता के माध्यम से दाखिल की थी। कानूनी तौर पर 24 सप्ताह से अधिक के गर्भ को गिराने के लिए कोर्ट की अनुमति जरूरी है। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और संदेश पाटिल ने गुरुवार को लड़की की याचिका पर सुनवाई की।

कोर्ट की अवकाशकालीन अदालत ने इससे पहले 31 अक्टूबर को ने जेजे अस्पताल के डीन को उसकी जांच करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया। अन्य निर्देशों में बच्चे के जीवित जन्म लेने की स्थिति में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना और राज्य सरकार को मनोधैर्य योजना के तहत मुआवज़ा देने का निर्देश शामिल था। बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया था कि पीड़िता का गर्भ 27 सप्ताह और चार दिन का है।

बोर्ड ने अपने एक्सपर्ट ओपिनियन में कहा कि गर्भावस्था जारी रखने से लड़की को गंभीर पीड़ा होगी और साथ ही अवांछित गर्भावस्था भी जारी रहेगी। पीड़िता की वकील स्वप्ना कोडे ने पीठ को बताया कि लड़की मार्च 2026 में अपनी परीक्षा देना चाहती है। उन्होंने मनोचिकित्सक की इस राय पर भी ध्यान दिया कि उसके पड़ोसी ने उसके साथ बिना सहमति के यौन संबंध बनाए थे और वह भावनात्मक, आर्थिक और सामाजिक रूप से बच्चे की देखभाल नहीं कर पाएगी।

रिपोर्ट में कहा गया था कि उसकी बौद्धिक क्षमता सीमांत है और गर्भावस्था जारी रहने से अवसाद, चिंता, अभिघातज के बाद का तनाव और मनोवैज्ञानिक विकास में व्यवधान का बड़ा खतरा होगा। न्यायाधीशों को बताया गया कि लड़की के माता-पिता मजदूर हैं। हाईकोर्ट ने जेजे अस्पताल के अधिकारियों को आवश्यक चिकित्सा जांच करने का निर्देश दिया।

त्रिपुरा में संदिग्ध पशु तस्करों के हमले में पांच बीएसएफ जवान घायल, वाहन में तोड़फोड़

अगरतला, 8 नवंबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले में संदिग्ध पशु तस्करों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला कर दिया, जिसमें पांच जवान घायल हो गए। हमलावरों ने बीएसएफ की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। यह घटना भारत-बांग्लादेश सीमा के पास बिशालगढ़-कामठाना रोड पर हुई। पुलिस के अनुसार, बीएसएफ के जवान कामठाना बॉर्डर चौकी पर तैनात थे। उन्होंने एक संदिग्ध वाहन को रुकने का संकेत दिया, लेकिन वाहन तेजी से आगे बढ़ गया और एक स्थानीय पशु हाट की ओर भाग गया। मामले में बिशालगढ़ थाने के प्रभारी अधिकारी बिकाश दास ने बताया, 'बीएसएफ कर्मियों ने वाहन का पीछा करते हुए हाट तक पहुंचने की कोशिश की। वहां जवानों और पशु तस्करों के बीच बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। इसी दौरान तस्करों ने जवानों पर हमला कर दिया और उनकी गाड़ी को तोड़ दिया।' पशु तस्करों के हमले में पांच बीएसएफ जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि इस मामले में शिकायत दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। वहीं सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक वरिष्ठ बीएसएफ अधिकारी को यह कहते सुना गया कि 'हमले के दौरान कोई भी स्थानीय व्यक्ति बीच-बचाव के लिए आगे नहीं आया।'

सुप्रीम कोर्ट का आदेश धुआं, ताजमहल के आसपास रोजाना जलाया जा रहा कचरा

आगरा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। ताजमहल पीला न पड़े इसके लिए तीन दशक से शहर का औद्योगिक विकास रूका है। इसके बाद भी नगर निगम की अनदेखी या मिलीभगत से रोज प्रदूषण हो रहा है। ताज ट्रेपेजियम जोन में ताजमहल के 50 किलोमीटर परिधि तक प्रदूषण करने वाली गतिविधियां प्रतिबंधित है, लेकिन ताजमहल के आसपास के क्षेत्र में रोज कूड़ा जलाया जा रहा है। ताजनगरी, बसई सहित आसापास के क्षेत्र में रोज धुआं उठता देखा जा सकता है। ताजनगरी फेज-दो में सीएनजी पेट्रोल पंप के सामने रोज कूड़ा

जलाया जाता है। सुबह सात बजे क्षेत्रीय लोग जब टहलने निकले तो धुंध के साथ ही भीषण धुआं देख रास्ता बदल दिया। क्षेत्र के रहने वाले हरिओम गुप्ता ने बताया कि ये एक दिन की नहीं रोज की समस्या हो गई है। कूड़े को एक जगह एकत्रित कर उठाने से बचने के लिए ऐसा किया जाता है। ताजमहल के नाम पर कोयला जलाने वाले उद्योग विस्थापित हो गए। जनरेटर, फाउंड्री उद्योग एक चौथई नही रह गया और नगर निगम की लापरवाही से समस्या झेलनी पड़ रही है। विनीता शर्मा ने बताया कि रोज टहलने जाती हूं और रास्ते में कई स्थानों पर कूड़ा जलते हुए मिलता है। ताजमहल के इतने पास कूड़ा जल रहा है और जिम्मेदारों ने आंखें मूंद रखी हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 9 नवंबर, 2025

सु वि चा र

सदगुण, सदाचार और सद्वृत्तियों का प्रवेश ही जीवन में दैवत्व घटित हो जाना है।

सोने की चेन छीनने के आरोप में दंपत्ति गिरफ्तार

यूट्यूब चैनलों को देखकर सोने की चेन छीनने का तरीका

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिक्कडपल्ली थाने की पुलिस ने सोने की चेन छीनने के आरोप में एक दंपत्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने छीनी की गई चेन और ब्लेड आदि बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के मूल निवासी गुडीपति ब्रमैया पुत्र स्वर्गीय कनकैया (51 वर्ष), निवासी, बोराबंडा, हैदराबाद, गुडीपति अंजलि पत्नी गुडीपति ब्रमैया (48 वर्ष), निवासी बोराबंडा, हैदराबाद शामिल है। पुलिस के अनुसार बीते 31 अक्टूबर को रात्रि के समय सुरेखा औरदकर पत्नी ए. राजेंद्र कुमार,(69 वर्ष), निवासी, देवी थिएटर के पास, चिक्कड़पल्ली, हैदराबाद से एक शिकायत प्राप्त हुई।

उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा है कि जब वह खरीदारी से अपने घर आ रही थीं, तो एक अज्ञात व्यक्ति (मास्क पहने हुए) ने उनके अपार्टमेंट की लिफ्ट में उनसे जबरदस्ती सोने की चेन लूट ली, जिससे उनकी गर्दन पर खरोंच आ गई। शनिवार को सुबह के समय, विश्वसनीय सूचना के आधार पर अशोक नगर के पास से आरोपी व्यक्ति (गुडीपति ब्रमैय्या) को पकड़ा गया और पूछताछ करने पर उसने कबूल किया कि व्यापार में नुकसान, वित्तीय समस्या और हाल ही में अपनी छोटी बेटी की शादी करने के लिए लिए गए कर्ज के कारण, आरोपी व्यक्ति ने झपटमारी की योजना बनाई। अपनी योजना के अनुसार, उसने यूट्यूब और कुछ अन्य समाचार चैनलों को देखकर बुजुर्ग महिलाओं से सोने की चेन छीनने का तरीका सीखा। वह यूसुफगुडा, बोराबंडा आदि इलाकों में घूमकर 15 दिनों से लूटपाट करने की कोशिश कर रहा था। लेकिन उसे ऐसा करने का मौका नहीं मिला। इसके लिए वह चेहरे पर मास्क और लोगों को भयभीत करने के लिए एक पेपर कटिंग ब्लेड रखता था। डीसीपी, सेंट्रल जोन के. शिल्पावल्ली ने बताया कि गुडीपति ब्रमैया 31 अक्टूबर को सुबह में एर्रागडा मेट्रो स्टेशन से नारायणगुडा मेट्रो में उतरने के लिए चढ़ा, फिर उसने शिकायतकर्ता को निशाना बनाया और रामकोटी बस स्टॉप से चिक्कड़पल्ली बस स्टॉप तक उसका पीछा किया, बाद में उसके घर तक उसका पीछा किया। महिला जब वह नीचे आने के लिए लिफ्ट का इंतजार कर रही थी, इसी बीच उसने शिकायतकर्ता को धमकाकर उसका हाथ पकड़ लिया, उसके गले से सोने की चेन लूट ली, जिससे उसके गले पर खरोंच आ गई और वह मौके से भाग गया। बाद में आरोपी अपने घर (बोराबंड में) गया और चोरी की गई सोने की चेन को पत्नी को देकर गिरवी रखने को कहा। एक नवबंर को दोनों मण्णपुरम (कुकटपल्ली शाखा) सोने की चेन गिरवी रख दी और उन्हें 113000 रुपये (एक लाख तेरह हजार) मिले। उसके बाद उसने अपना कुछ कर्ज चुकाया।

गिरफ्तारी के. शिल्पावल्ली डीसीपी, सेंट्रल ज़ोन, बी. आनंद कुमार, एडिशनल डीसीपी, सेंट्रल ज़ोन की देखरेख में की गई। एल. रमेश कुमार, एसीपी चिक्कड़पल्ली डिवीजन, बी. राजू नाइक, पुलिस निरीक्षक, एम. शंकर, पुलिस उपनिरीक्षक, थाना चिक्कड़पल्ली और मोहम्मद करीम, थाना चिक्कड़पल्ली के उपनिरीक्षक ने मामले का शीघ्रता से पता लगाया। इस कार्य में हैदराबाद मेट्रो अधिकारियों की भी पुलिस ने सहयोह के लिए सराहना की है।

हैदराबाद में तीन दिवसीय कला स्पंदन मेला शुरू

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कला संवर्धकों की पहल पर तीन दिवसीय कला स्पंदन मेला शुक्रवार को कलिंगा सांस्कृतिक केंद्र में शुरू हुआ। यह मेला कला प्रेमियों को देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आई अनोखी समकालीन कलाकृतियों को देखने और समझने का अवसर प्रदान कर रहा है।

आयोजकों के अनुसार, शनिवार तक चलने वाले इस मेले में विभिन्न माध्यमों की कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही हैं, जिनमें आलंकारिक और अमूर्त चित्रकारी, अल्कोहल स्याही कला, तेल, जल और एक्रिलिक रंगों से बनी पेंटिंग्स, मिश्रित माध्यम कला, राल कला, कांच कला, मधुबनी, मंडला, स्वर्ण कला, मूर्तिकला, सिरेमिक और पारंपरिक कला शामिल हैं। देशभर से आए 100 से अधिक कलाकार और कला दीर्घाएं लगभग 2,000 कलाकृतियां प्रदर्शित कर रही हैं। इनमें से लगभग 70 प्रतिशत कलाकार तेलंगाना से हैं। आयोजकों ने बताया कि मेले में प्रवेश निःशुल्क है और इसका उद्देश्य कला के प्रति लोगों में रुचि बढ़ाना और नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है।

अतिक्रमण जांच के दौरान तहसीलदार पर हमले की कोशिश

अमीनपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

संगारेड्डी, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के अमीनपुर में शुक्रवार को जमीन अतिक्रमण की जांच के दौरान तहसीलदार वेंकटेश्वरलू पर कुछ अतिक्रमणकारियों ने कथित तौर पर हमला करने की कोशिश की। तहसीलदार ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए अमीनपुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस के अनुसार, वेंकटेश्वरलू सर्वे नंबर 630 पर अतिक्रमण का निरीक्षण करने गए थे। इस दौरान कुछ लोगों ने उन्हें धक्का देकर गिराने और उन पर हमला करने का प्रयास किया। तहसीलदार के साथ मौजूद अन्य राजस्व अधिकारियों ने घटना की तस्वीरें लीं और उन्हें सबूत के रूप में पुलिस को सौंपा। अमीनपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अतिक्रमणकारियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

केपीएचबी में लाठी और लोहे की छड़ों से हमला, एक व्यक्ति की मौत

मामूली विवाद ने लिया खौफनाक रूप, पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के केपीएचबी में शुक्रवार रात एक मामूली विवाद के बाद कुछ लोगों के समूह ने एक व्यक्ति पर लाठी और लोहे की छड़ों से बेरहमी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पहचान नेट्टिकल (57) के रूप में हुई है, जो अपने दो बेटों हनुमंतु और तिरुमाला नायुडू (दोनों नगरपालिका कर्मचारी) के साथ धमरिड्डी कॉलोनी फेज-1 में नेक्सस मॉल के पीछे एक झोपड़ी में रहता था।

जानकारी के अनुसार, उसी इलाके में रहने वाला राजू नामक नगरपालिका कर्मचारी छह अन्य लोगों के साथ शुक्रवार रात नेट्टिकल के घर पहुंचा। समूह ने दोनों बेटों को बाहर बुलाया और उन पर लाठियों तथा लोहे की छड़ों से हमला कर दिया। जब नेट्टिकल ने बीच-बचाव की कोशिश की तो हमलावरों ने उस पर भी हमला कर दिया, जिससे उसे सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही केपीएचबी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य फरार हैं। पुलिस बाकी आरोपियों की तलाश में जुटी है।

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की असमान तैनाती से पढ़ाई प्रभावित

राज्य के 8,000 स्कूलों में 16,000 अतिरिक्त शिक्षक

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के आधे सत्र बीत जाने के बाद भी तेलंगाना के सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में शिक्षकों की असमान तैनाती की समस्या बनी हुई है। कई स्कूलों में जरूरत से ज्यादा शिक्षक हैं, जबकि कुछ स्कूल अब भी शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। यह स्थिति पढ़ाई की गुणवत्ता पर असर डाल रही है। स्कूल शिक्षा विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के लगभग 8,000 स्कूलों में करीब 16,000 अतिरिक्त शिक्षक हैं, जबकि 3,000 स्कूल ऐसे हैं जहां करीब 4,000 शिक्षकों की कमी है।

अधिकारियों का कहना है कि छात्रों के नामांकन में कमी और शिक्षकों के गलत वितरण के कारण यह असंतुलन पैदा हुआ है। उदाहरण के तौर पर, हैदराबाद के अंबरपेट मंडल के एक स्कूल में 453 छात्र हैं और 17 शिक्षक तैनात हैं, जबकि नियम के अनुसार केवल 11 शिक्षकों की जरूरत है।

इसी तरह, आसिफनगर के एक स्कूल में 459 छात्रों के लिए 19 शिक्षक हैं। दूसरी ओर, संगारेड्डी जिले के अमीनपुर स्थित एक स्कूल में 449 छात्रों के लिए सिर्फ आठ शिक्षक हैं, जबकि आवश्यकता 11 की है। सूत्रों के मुताबिक, राजनीतिक दबाव और प्रशासनिक लापरवाही के चलते शिक्षकों के पुनर्विनियोजन की प्रक्रिया अटकी हुई है। जिला कलेक्टरों को जिम्मेदारी सौंपे जाने के बावजूद इस दिशा में कोई खास प्रगति नहीं हुई है।

हाल ही में की गई समीक्षा में पाया गया कि कई जिलों में अतिरिक्त शिक्षक उपलब्ध होने के बावजूद कुछ स्कूलों में शिक्षण कार्य बाधित है। इस पर विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जिन स्कूलों में शिक्षक सेवानिवृत्त हो गए हैं या लंबी छुट्टी पर हैं, वहां अस्थायी रूप से अतिरिक्त शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाए। स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ.ई. नवीन निकोलस ने कहा कि विभाग जल्द ही इस असंतुलन को दूर करने के लिए शिक्षकों के पुनरआवंटन की प्रक्रिया तेज करेगा।

होटल मैनेजमेंट कॉलेज के छह छात्र नशीली दवाओं के सेवन में पकड़े गए

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर छात्रों को पुनर्वास केंद्र भेजा

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 'ईगल' फोर्स और हैदराबाद नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन (एचएनपीएस) ने बेगमपेट स्थित एक प्रतिष्ठित होटल मैनेजमेंट कॉलेज में छापा मारकर कई छात्रों को नशीली दवाओं के सेवन के आरोप में पकड़ा। विश्वसनीय सूचना के आधार पर हुई इस कार्रवाई में छह छात्रों के मूत्र परीक्षण में प्रतिबंधित पदार्थ टीएचसी (टेट्राहाइड्रोकैनाबिनॉल) पाया गया। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए सभी छात्र-जिनमें दो युवतियां भी शामिल हैं-बी.एससी. (कैटरिंग टेक्नोलॉजी और पाककला कला) अंतिम वर्ष के विद्यार्थी हैं। जांच में पता चला कि उन्होंने एक सहपाठी के जन्मदिन समारोह के दौरान मारिजुआना का सेवन किया था।

पूछताछ के दौरान 11 छात्रों ने ड्रग्स लेने की बात स्वीकार की, जिनमें से छह का मेडिकल परीक्षण पॉजिटिव पाया गया। पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत मामला दर्ज कर लिया और सभी को उनके अभिभावकों व कॉलेज प्रबंधन की मौजूदगी में काउंसलिंग के बाद एक सरकारी नशामुक्ति केंद्र भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि छात्रों के अभिभावकों ने अभियोजन से छूट का अनुरोध किया और बच्चों के पुनर्वास में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। यदि वे पुनर्वास प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर लेते हैं, तो उनके खिलाफ मामला वापस लिया जा सकता है।

जांच में यह भी सामने आया कि एसआर नगर निवासी जेसन नामक व्यक्ति छात्रों को गांजा सप्लाई करता था। पुलिस ने बताया कि यह पहला मामला नहीं है जब कॉलेज परिसर में ड्रग्स का मामला सामने आया है। पहले भी काउंसलिंग के बावजूद कुछ छात्र दोबारा नशे की ओर लौट आए थे। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आगे से किसी भी छात्र के नशे में लिप्त पाए जाने पर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और अनिवार्य पुनर्वास के बाद ही उसका नाम पुलिस रिकॉर्ड से हटाया जाएगा। अभिभावकों ने कॉलेज प्रशासन से छात्रों की गतिविधियों और सामाजिक दायरे पर सख्त निगरानी रखने तथा परिसर में नियमित रूप से औचक ड्रग टेस्ट करने की मांग की है।

नरसापुर में बंदरों को भगाने के लिए गोरिल्ला का सहारा

पूर्व पार्षद की अनोखी पहल, नगर आयुक्त भी बना रहे हैं टीम

मेदक, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसापुर कस्बे में बढ़ते बंदरों के आतंक से निपटने के लिए एक पूर्व पार्षद ने अनोखा तरीका अपनाया है। पूर्व पार्षद मोहम्मद नईमुद्दीन ने एक गोरिल्ला पोशाक खरीदी और एक सफाई कर्मचारी को वह पहनाकर सड़कों पर गश्त लगाने के लिए भेजा, ताकि बंदरों को डराकर भगाया जा सके। वन क्षेत्र के पास बसे नरसापुर में बंदरों के झुंड अक्सर भोजन और पानी की तलाश में रिहायशी इलाकों में घुस आते हैं। पिछले कुछ महीनों में बंदरों के हमलों में दो लोगों की मौत और कई घायल होने की घटनाएँ सामने आई हैं।

नईमुद्दीन ने बताया कि उन्होंने यूट्यूब पर ऐसा ही एक वीडियो देखकर यह उपाय अपनाया। उन्होंने 1,650 रुपये खर्च कर ऑनलाइन गोरिल्ला पोशाक मंगवाई और शुक्रवार से वार्ड 6 और 7 में गश्त शुरू करवाई। उन्होंने बताया कि जैसे ही 'गोरिल्ला' सड़कों पर दिखाई दिया, बंदर तुरंत भाग गए। इस बीच, नरसापुर नगर आयुक्त बांदा श्रीराम चरण रेड्डी ने बताया कि गोरिल्ला वेशभूषा का यह प्रयोग सफल रहा है। उन्होंने कहा कि बंदरों को भगाने के लिए छह लोगों की टीम बनाई जाएगी, जो गोरिल्ला जैसी पोशाक पहनकर पूरे कस्बे में चरणबद्ध तरीके से गश्त करेगी। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह स्थायी समाधान नहीं हो सकता, क्योंकि संभव है कि कुछ समय बाद बंदर इस 'गोरिल्ला' से भी डरना छोड़ दें।

पलोंचा में ऑटो नगर की स्थापना पर रोक से मैकेनिकों में नाराजगी

कई वर्षों से लंबित प्रस्ताव पर अब तक नहीं हुई कोई प्रगति

कोत्तागुडेम, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम जिले के पलोंचा क्षेत्र में दोपहिया और चारपहिया वाहनों के मैकेनिकों के लिए प्रस्तावित ऑटो नगर परियोजना लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी है, जिससे स्थानीय मैकेनिक समुदाय में गहरी निराशा है। जानकारी के अनुसार, कोत्तागुडेम और पलोंचा के सैकड़ों ऑटोमोबाइल मैकेनिक कई वर्षों से एक व्यवस्थित ऑटो नगर की मांग कर रहे हैं। इस प्रस्ताव का उद्देश्य सभी गैराज, ऑटो पार्ट्स डीलरों, ट्रक और ट्रैक्टर बॉडी बिल्डरों, पेंटरों और टिंकरिंग वर्कशॉप को एक ही स्थान पर लाकर सुविधाजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराना था।

पहले चरण में इस परियोजना के लिए श्रीनिवास कॉलोनी और कुंतिनागुलागुडेम में स्टील प्लांट के पीछे की जमीन चिन्हित की गई थी, लेकिन इसके बाद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। परिणामस्वरूप, राजमार्ग किनारे बिखरे हुए मैकेनिक अस्थायी दुकानों से अपना काम चला रहे हैं। टू-व्हीलर मैकेनिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रवण कुमार ने बताया कि इस मुद्दे को कई बार निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों के समक्ष उठाया गया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अगर स्थानीय विधायक पहल करें, तो यह परियोजना हजारों श्रमिकों के लिए स्थायी आजीविका का साधन बन सकती है।

उन्होंने कहा कि पलोंचा और आसपास के क्षेत्रों में करीब 1,500 मैकेनिक हैं, जिन्हें किराए की दुकानों के लिए भारी रकम चुकानी पड़ती है। अगर ऑटो नगर बन जाता है, तो वे एक ही जगह पर उचित दरों पर अपनी दुकानें खोल सकेंगे और वाहन मालिकों को भी सभी सेवाएं एक स्थान पर मिलेंगी। मैकेनिक समुदाय ने सरकार से जल्द से जल्द इस परियोजना को शुरू करने की मांग की है, ताकि वर्षों से लंबित यह योजना धरातल पर उतर सके।

साइबर पुलिस ने पेंशनभोगी को 10 लाख की ऑनलाइन ठगी से बचाया

फर्जी बैंक हेल्पलाइन नंबर से भेजी गई दुर्भावनापूर्ण एपीके फाइल से हुआ था हमला

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस की त्वरित कार्रवाई से एक पेंशनभोगी अपनी जीवनभर की बचत खोने से बच गया। वह हाल ही में एक फर्जी बैंक हेल्पलाइन नंबर के जरिए किए गए दुर्भावनापूर्ण एपीके धोखाधड़ी का शिकार हुआ था। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए ऑनलाइन पंजाब नेशनल बैंक हेल्पलाइन नंबर खोजा, लेकिन गलती से साइबर ठगों द्वारा बनाए गए फर्जी नंबर पर कॉल कर बैठा।

ठगों ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर उसे व्हाट्सएप के जरिए भेजी गई एक एपीके फाइल इंस्टॉल करने के लिए कहा। फाइल इंस्टॉल होते ही मैलवेयर ने फोन का रिमोट एक्सेस ठगों को दे दिया, जिससे उसके खाते से लगभग 10 लाख रुपये का अनधिकृत लेन-देन हो गया। पीड़ित ने तुरंत साइबर अपराध इकाई से संपर्क किया। पुलिस कांस्टेबल एन श्रीकांत नाइक ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई और फोन से मैलवेयर हटाने में मदद की। पुलिस के त्वरित समन्वय से डिजिटल वॉलेट के नोडल अधिकारी ने 5 लाख रुपये ब्लॉक करवा दिए, जो अब पीड़ित को वापस किए जा रहे हैं।

कपास किसान ऐप को चौबीसों घंटे उपलब्ध कराएं : मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ललित कुमार गुप्ता को सुझाव दिया है कि कपास किसान ऐप को चौबीसों घंटे उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि यह प्लेटफॉर्म रात 10 बजे ही खुलता है। कृषि निदेशक गोपी और सीसीआई अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में, तुम्माला ने किसानों और जिनिंग मिल मालिकों की चिंताओं पर चर्चा की, जिनमें एल1, एल2, एल3 मिलों को जल्दी खोलना, 20 प्रतिशत नमी वाले कपास की खरीद की अनुमति देना और प्रति एकड़ 12 क्विंटल की सीमा पर पुनर्विचार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही केंद्र को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग कर चुकी है और कृषि उत्पादन निगम के सचिव सुरेंद्र मोहन को दिल्ली में इन मुद्दों को उठाने का निर्देश दिया है। मंत्री ने बताया कि तेलंगाना के पास वर्तमान में बफर स्टॉक में 1.5 लाख मीट्रिक टन यूरिया है, जिसमें इस महीने और अगले महीने के लिए दो-दो लाख मीट्रिक टन का आवंटन है। उन्होंने अधिकारियों को आपूर्ति में तेजी लाने और यूरिया उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले "एड ब्लू" की सड़क किनारे अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए। तुम्मला ने चक्रवात मोन्था से हुए फसल नुकसान की रिपोर्ट तुरंत प्रस्तुत करने को भी कहा। कृषि निदेशक गोपी ने कहा कि क्षतिग्रस्त फसलों की तस्वीरें क्रॉप बुकिंग ऐप पर अपलोड की जा रही हैं।

गोदावरी नदी में डूबने से युवक की मौत

मंचेरियल, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन्नारम मंडल के बादामपेल्ली गांव में शनिवार को गोदावरी नदी में नहाने गए एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पोंकल गांव निवासी श्रवण (33) के रूप में हुई है, जो एक किराना दुकान चलाता था।

पुलिस के अनुसार, श्रवण अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। तैरना न जानने के बावजूद वह नदी के गहरे हिस्से में चला गया और डूब गया। उसके दोस्तों ने यह घटना देखी और तुरंत उसके माता-पिता को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव की तलाश शुरू की, लेकिन शाम तक उसका पता नहीं चल सका। तलाश अभियान रविवार सुबह फिर से शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का भाजपा से गुप्त गठबंधन

बीआरएस नेता बाल्का सुमन का आरोप

जुबली हिल्स उपचुनाव में मिलीभगत का लगाया आरोप

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के साथ कथित गुप्त समझौते को लेकर बीआरएस नेता और पूर्व विधायक बाल्का सुमन ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव को प्रभावित करने के लिए भाजपा के साथ मिलकर सौदेबाजी की है। शनिवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुमन ने कहा कि राज्य की पुलिस अब कांग्रेस की निजी सेना बन गई है, जो विपक्षी कार्यकर्ताओं को डराने का काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और भाजपा के बीच गहरी समझ बनी हुई है और दोनों दल पर्दे के पीछे मिलकर काम कर रहे हैं। सुमन ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी और भाजपा नेताओं के बीच पुराने पारिवारिक रिश्ते हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री जिन्हें दिल्ली में नियुक्तियां नहीं मिल पातीं, वे रेवंत रेड्डी को तुरंत मिल जाती हैं।

बीआरएस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने भाजपा सांसदों को आकर्षक अनुबंध दिए हैं और टीडीपी के समय से ही उनके साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद रेवंत रेड्डी के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं और बंदी संजय उनके सहायक मंत्री की तरह भूमिका निभा रहे हैं।

सुमन ने किशन रेड्डी और रेवंत रेड्डी के रिश्ते को रैमको सीमेंट से भी ज़्यादा मज़बूत बताते हुए कहा कि भाजपा सांसद रेवंत पर एक मक्खी भी नहीं बैठने देंगे। जुबली हिल्स उपचुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने नौ दिनों तक लगातार गली-गली प्रचार कर यह साबित कर दिया है कि उन्हें हार का डर है। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की कि 140 संदिग्ध व्यक्तियों को मतदान केंद्रों में प्रवेश से रोका जाए और पक्षपाती अधिकारियों की जांच की जाए।

जुबली हिल्स उपचुनाव के नतीजे तेलंगाना में 'राजनीतिक बदलाव' के बीज बोएंगे : शेखावत

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि 11 नवंबर को जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव कोई 'साधारण चुनाव' नहीं था, बल्कि यह तेलंगाना में राजनीतिक बदलाव के बीज बो रहा है। उन्होंने दावा किया कि उपचुनाव के नतीजे 2028 में तेलंगाना में 'सरकार बदलने' और 'राष्ट्रवादी ताकतों' को सत्ता में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। जुबली हिल्स में अन्य राज्यों के मतदाताओं की एक बैठक को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की हालिया टिप्पणी, 'कांग्रेस का मतलब मुसलमान और मुसलमान का मतलब कांग्रेस' का अप्रत्यक्ष रूप से उल्लेख करते हुए, शेखावत ने कहा कि ऐसी टिप्पणी करने वाले नेताओं को याद दिलाना चाहिए कि देश विभाजनकारी ताकतों के आगे नहीं झुकेगा।

बांके बिहारी मंदिर में दिल्ली के श्रद्धालु की मौत

दर्शन के समय घबराहट हुई, बेहोश होकर गिरे फिर उठे नहीं

मथुरा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। शनिवार सुबह ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करने आए दिल्ली के श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ने से मृत्यु हो गई। शनिवार सुबह करीब 9:45 बजे बी-ई ब्लाक, गली नंबर 07, हरी नगर, दिल्ली निवासी 67 वर्षीय अखिल केशव शरण माथुर स्वजन के साथ बांकेबिहारी मंदिर दर्शन करने पहुंचे थे। जैसे ही वे गेट नंबर-2 से मंदिर परिसर में प्रवेश कर रहे थे, तभी उन्हें घबराहट और बेचैनी महसूस हुई और वे बेहोश होकर गिर पड़े।

मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों और श्रद्धालुओं ने तुरंत डाक्टरों की टीम को सूचना दी। अखिल को सौ शैया अस्पताल रेफर किया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्वजन के अनुसार, अखिल पिछले पांच वर्षों से हृदय रोग से पीड़ित थे। बताया गया कि मंदिर में उस समय काफी भीड़ थी और गेट नंबर-2 के पास दबाव अधिक होने से स्थिति और भी कठिन हो गई थी।

वाराणसी को पीएम मोदी ने दिया तोहफा

मिली एक और वंदे भारत ट्रेन, बनारस-खजुराहो मार्ग पर चलेगी

वाराणसी, 8 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी पहुंचे, जहां से उन्होंने देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें एक वंदे भारत ट्रेन बनारस-खजुराहो और एक लखनऊ-सहारनपुर के बीच चलेगी। इसके अलावा दो अन्य ट्रेन फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु मार्ग पर भी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने वाराणसी को एक ओर वंदे भारत ट्रेन का तोहफा दिया है। इससे पहले दिल्ली से वाराणसी के बीच वंदे भारत ट्रेन का संचालन हो रहा था और अब वाराणसी से खजुराहों मार्ग पर भी एक नई वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत हो गई हैं। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे।

बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों जैसे वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट और खजुराहो को जोड़ेगी। यह ट्रेन न सिर्फ धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देगा बल्कि तीर्थयात्रियों और यात्रियों को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो तक त्वरित, आधुनिक और आरामदायक यात्रा भी प्रदान करेगी।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया भर के विकसित देशों में आर्थिक विकास का बहुत बड़ा कारण वहां का इंफ्रास्ट्रक्चर रहा है। जिन भी देशों में बड़ी प्रगति, बड़ा विकास हुआ है, उनके आगे बढ़ने के पीछे बहुत बड़ी शक्ति वहां के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की है। पीएम मोदी ने कहा कि आज जिस तरह से भारत ने विकसित भारत के लिए अपने साधनों को श्रेष्ठ बनाने का अभियान शुरू किया है, ये ट्रेनें उसमें एक मील का पत्थर बनने जा रही हैं। इसी कड़ी में आज देश के अलग-अलग हिस्सों में नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत हो रही है।

160 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनों को संचालन

काशी से खजुराहो वंदे भारत समेत चार नई ट्रेनों के साथ ही अब देश में 160 से ज्यादा नई वंदे भारत ट्रेनों का संचालन होने लगा है। पीएम ने कहा कि मैं सभी देशवासियों को इन ट्रेनों की बधाई देता हूं। आज वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें भारतीय रेलवे की नई पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज काशी में अच्छे अस्पताल और अच्छी सड़कें और तमाम विकास कार्यों पर काम हो रहा हैं, हमारा प्रयास है बनारस आना, यहां रहना और बनारस की सुविधाओं को जीना एक खास अनुभव बने। हमारी सरकार का प्रयास है कि काशी में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का भी है।

बनारस से चलने वाली आठवीं वंदेभारत

ट्रेन नंबर 02582/02581
वाराणसी-खजुराहो-वाराणसी

ट्रेन नंबर 22415/22416-
वाराणसी-नई दिल्ली-वाराणसी

ट्रेन नंबर 22435/22436
वाराणसी-नई दिल्ली-वाराणसी

ट्रेन नंबर 22500/22499
वाराणसी-देवघर-वाराणसी

ट्रेन नंबर 22489/22490
वाराणसी-मेरठ-वाराणसी

ट्रेन नंबर 22345/22346
गोमतीनगर-वाराणसी-पटना

ट्रेन नंबर 20887/20888
वाराणसी-रांची-वाराणसी

ट्रेन नंबर 20175/20176
वाराणसी-आगरा कैंट-वाराणसी

लाखों रुपये के अमेरिकन गांजा के साथ दो युवक गिरफ्तार लखनऊ पुलिस ने पकड़ा

प्रतापगढ़, 8 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने कधंई थाना क्षेत्र के करमाही गांव के दो युवकों को लाखों रुपये के आर्गेनिक अमेरिकन गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया है। के बाद जेल भेज दिया गया। लखनऊ के मड़ियांव थाना पुलिस को मुखबिर की सूचना पर पुलिस को जानकारी दी गई कि प्रतापगढ़ जनपद के चिलबिला से दो युवक गुजरात के सूरत शहर के एक कार में सवार दो युवक आर्गेनिक अमेरिकन गांजा बेचने लखनऊ आ रहे हैं। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बताए गए स्थान पर पहुंची, लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली।

नौ बजे लखनऊ पुलिस को दोबारा मुखबिर ने बताया कि गोरखपुर जिले के एक गाजा तस्कर जिसका नाम प्रनीत तिवारी उर्फ प्रसन्न व अभिषेक यादव को बेचने वाले हैं। बाराबंकी पुलिस व लखनऊ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दोनों गांजा तस्कर दबोच लिए गए। पूछताछ में दोनों ने बताया कि गोरखपुर जिले का प्रनीत उर्फ प्रवीण तिवारी उर्फ प्रसन्न अपनी चार पहिया वाहन पर दरोगा की कैप आगे रखकर फर्जी पुलिस बनकर अवैध तरीके से विदेशी गांजा के साथ अन्य मादक पदार्थों की तस्करी करता है।

शादी से पहले दूल्हे समेत 4 चचेरे भाइयों की मौत

शामली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। शामली में बेकाबू स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़े कैंटर में घुस गई। हादसे में चार चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें से एक की कल शादी होनी थी। चारों ने शादी से पहले हरिद्वार जाकर गंगा नहाने का प्लान बनाया था। लेकिन, रास्ते में हादसा हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चकनाचूर हो गई। टुकड़े सड़क पर 100 मीटर तक बिखर गए। छत गायब हो गई। कार चला रहे युवक के सीने में स्टेयरिंग घुस गई। चारों भाई कार में बुरी तरह से फंस गए।

पुलिस ने कार को काटकर उनके शवों को निकाला। कैंटर के भी टुकड़े हो गए। केबिन क्षतिग्रस्त हो गया। पिछले पहिए अलग हो गए। 1 बजे पानीपत-खटीमा हाईवे पर बुटराडा फ्लाईओवर के बुटराड़ा गांव के पास हुआ। मरने वाले चारों हरियाणा के सोनीपत के बरोदा गांव रहने वाले थे। सभी अपने-अपने परिवार में इकलौते थे।

सांसद शांभवी चौधरी की दो उंगलियों पर कैसे लगी स्याही

पटना प्रशासन ने साफ की तस्वीर

समस्तीपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। चिराग पासवान की पार्टी की लोकसभा सांसद शांभवी चौधरी पर डबल वोटिंग का आरोप लगा। क्योंकि समस्तीपुर की सांसद ने वोटिंग के बाद खुद अपने दोनों हाथों की उंगली पर स्याही लगी फोटो खिंचवाई। इस तस्वीर के सामने आने के बाद सियासी माहौल गरमा गया। अब शांभवी चौधरी के दोनों इंडेक्स फिंगर पर लगी स्याही को लेकर पटना प्रशासन का बयान सामने आया है। पटना प्रशासन ने पोस्ट में कहा गया है कि स्याही लगाने वाले मतदान कर्मी के द्वारा गलती से दाहिने हाथ के उंगली पर स्याही लगा दिया गया था। प्रशासन ने कहा कि पीठासीन पदाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद बांये हाथ के उंगली पर भी स्याही लगायी गयी।

आरजेडी की प्रवक्ता ने शेयर किया था वीडियो

पटना प्रशासन ने आरजेडी की प्रवक्ता कंचन यादव की तरफ से की गई पोस्ट पर जवाब दिया। कंचन यादव ने शांभवी चौधरी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, यह तो एक अलग ही स्तर का फ्रॉड चल रहा है। ये हैं एलजेपी सांसद शांभवी चौधरी। दोनों हाथों पर स्याही लगी हुई है। मतलब इन्होंने 2 बार वोट किया। जब यह बात सामने आ गई तो इनके पिता अशोक चौधरी इन्हें आंखों के इशारे से संकेत कर रहे हैं। चुनाव आयोग, यह सब कैसे हो रहा है? इसकी जांच कौन करेगा?

मतदाता अगर नहीं मिला तो बीएलओ उठाएंगे ये कदम नोटिस भी होगी जारी

फतेहपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में प्रत्येक मतदाता की पुष्टि के लिए प्रशासन ने पूरा जाल बिछा दिया है। जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ के माध्यम से घर-घर फार्म भेजवाने का काम शुरू हो गया है। आयोग ने व्यवस्था यह दी है कि मतदाता के घर पर न मिलने की स्थिति में बीएलओ तीन बार उनके घर जाएंगे।

तीसरी बार भी न मिलने पर उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट प्रेषित करना होगा। जिला अधिकारी रविंद्र सिंह ने कहा कि अभियान में लगे अधिकारी व कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी से कार्य का निर्वहन करें। जिला निर्वाचन कार्यालय से नामित बीएलओ घर जाकर मतदाताओं को फार्म वितरित कर रहे हैं। बीएलओ जब घर जाते हैं, तो कई बार मतदाता उपलब्ध नहीं होते या बाहर रहते हैं। आनलाइन की व्यवस्था दी गई है। बीएलओ की जिम्मेदारी होगी कि जब वह एन्यूमरेशन (वोट गणना) फार्म दें तो मतदाता उसमें हस्ताक्षर करके वापस कर दें।

चुनाव के बीच तेजस्वी यादव को 'सीएम कुर्सी का तोहफा'

जन्मदिन पर आरजेडी कार्यकर्ताओं ने लगाए पोस्टर

पटना, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए रविवार 9 नवंबर को दूसरे चरण के चुनाव प्रचार का अंतिम दिन है। ख़ास बात ये है कि इस दिन ही महा गठबंधन के सीएम पद के उम्मीदवार और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव का जन्मदिन भी है। ऐसे में पार्टी के नेता पोस्टर के जरिए उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी का तोहफा देने लगे हैं। तेजस्वी यादव का 9 नवंबर को जन्मदिन है और इसी दिन बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार का अंतिम दिन भी है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा अभी से बधाईयों को दौर शुरू हो गया है।

आरजेडी कार्यकर्ताओं ने लगाए पोस्टर

आरजेडी दफ़्तर के आगे तेजस्वी यादव को सीएम की कुर्सी का तोहफा देने के पोस्टर लगाए गए हैं। जिसमें मुख्यमंत्री की कुर्सी दिखाई है जिसे कार्यकर्ता उनके जन्मदिन स्वरूप तोहफे में दे रहे हैं। इस पोस्टर में सबसे ऊपर लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती, रोहिणी आचार्य और प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल की तस्वीर लगाई गई है। जबकि पोस्टर के दाईं और तेजस्वी यादव की बड़ी तस्वीर लगाई गई है। और बीच में बिहार के सीएम की कुर्सी दिखाई है।

इस पोस्टर में कार्यकर्ता अपनी तस्वीर के साथ उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी जन्मदिन के तोहफे के रूप में देते हुए दिख रहे हैं। पोस्ट में ऊपर लिखा गया है गरीबों, महिलाओं, अतिपिछड़ों, अल्पसंख्यकों एवं दलितों को आर्थिक न्याय दिलाने के कृतसंकल्पित तेजस्वी यादव को जन्मदिन का उपहार और सिंहासन की तरह बनी कुर्सी पर लिखा गया है 'सीएम ऑफ बिहार'। इस पोस्टर में तेजस्वी यादव द्वारा बिहार चुनाव में की गई घोषणाओं का भी जिक्र किया गया है

और लिखा है कि 'हर घर नौकरी देने को कृत संकल्पित तेजस्वी को बिहार के जनता की ओर से जन्मदिन की हार्दिक बधाई'। पोस्टर लगाने वाले राजद के प्रदेश महासचिव भाई अरुण ने कहा कि प्रथम चरण के मतदान में बढ़ोतरी यह संकेत दे रहा है कि बिहार बदलाव की ओर है और तेजस्वी यादव को जन्मदिन की उपहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाने के लिए सिर्फ आरजेडी कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि पूरा बिहार की जनता संकल्पित हो चुका है।

'बीएसएफ किसके पास है, घुसपैठियों को कौन रोकेगा?'

बिहार चुनाव के दूसरे चरण से पहले नीतीश पर भड़के ओवैसी, लालू पर भी साधा निशाना

पटना, 8 नवंबर (एजेंसियां)। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण को लेकर बीजेपी और महागठबंधन दोनों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सीमांचल क्षेत्र में बीस साल से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास के अभाव, जंगलराज और स्थानीय मुद्दों की अनदेखी पर सवाल उठाए।

ओवैसी ने कहा कि जनता ने पहले चरण में किसे वोट दिया यह तो स्पष्ट नहीं, लेकिन जनता ने इशारा जरूर कर दिया है। उन्होंने सीमांचल के विकास पर सवाल उठाते हुए कहा, "बीस साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं, लेकिन सीमांचल के लिए उन्होंने कोई एम्स नहीं बनाया, कोई इंडस्ट्री नहीं लगाई और कोई ठोस विकास कार्य नहीं किया। बीस साल में उन्होंने सीमांचल के लोगों के लिए क्या किया?"

जंगलराज पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम चीफ ने कहा, "पहले बिहार के लोगों ने लालू राज में जंगलराज देखा, अब उनकी सरकार है और आज भी जंगलराज जारी है।" वहीं, घुसपैठियों के मुद्दे पर उन्होंने बीजेपी को घेरा और कहा, "बीएसएफ किसके पास है, सरकार किसकी है, घुसपैठियों को कौन रोकेगा? इन सवालों का जवाब ये लोग क्यों नहीं देते?" ओवैसी ने बुर्के और भूराबाल जैसे विवादित बयानों पर कहा कि यह सिर्फ जनता को गुमराह करने की कोशिश है। उन्होंने सीमांचल में स्थानीय प्रतिनिधित्व की कमी पर भी सवाल उठाया और कहा, "सीमांचल का कोई बेटा या बेटी राज्यपाल या मुख्यमंत्री नहीं है। सीमांचल के लोग समझदार हैं और इस बार जनता का प्यार हमें जरूर मिलेगा।"

राहुल गांधी के बयान पर दी प्रतिक्रिया

राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, "वे सिर्फ मुसलमानों को दरी बिछाने वाला समझते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। बिहार के लोग अब समझ चुके हैं कि चुनाव में स्थानीय मुद्दों और विकास की ओर ध्यान देना जरूरी है।"

बीजेपी को वोट देने के शक में दलित परिवार पर टूट पड़े दबंग, सरेआम कर दी पिटाई, आरजेडी समर्थकों पर लगा आरोप

गोपालगंज, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव के बाद मारपीट की बड़ी खबर सामने आई है। आरोप है कि किसको वोट दिया ना बताने पर सिधवलिया थाना क्षेत्र के बुचेया गांव में एक दलित परिवार के साथ मारपीट की गई। पीड़ितों के अनुसार, वोट देकर घर लौटने के दौरान कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और बीजेपी को वोट देने का आरोप लगाते हुए पिटाई कर दी। घटना में 3 लोग जख्मी हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों में अखिलेश यादव, विशाल यादव समेत अन्य लोग शामिल थे। इस घटना के बाद पूरा परिवार दहशत में है।

ईरानी दुल्हन का हंगामा

सास पर प्राइवेट वीडियो लीक करने का आरोप

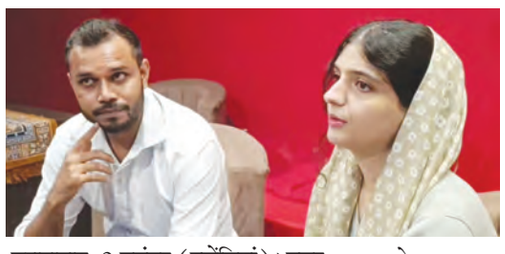

मुरादाबाद, 8 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के सिविल लाइंस थाना निवासी यूट्यूबर पंकज कुमार दिवाकर और उनकी ईरानी मूल की पत्नी फ़ाएजे अर्वांदी उर्फ़ फायज़ा ने परिजनों पर दहेज़ उत्पीड़न और निजी तस्वीरों से ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। दोनों की डेढ़ साल पहले हिन्दू रीति-रिवाज़ से शादी हुई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाया और फायज़ा की सुरक्षा के निर्देश दिए हैं। फायज़ा अब पंकज के साथ वापस अपने मुल्क ईरान जाने की बात कर रही है। दोनों यहां ईरानी कैफे और रेस्टोरेंट चला रहे थे। उधर सास ने फायज़ा के आरोपों को गलत ठहराते हुए धमकी और अंग्रेजी में गालियां देने का आरोप लगाया है। लगभग डेढ़ साल पहले मुरादाबाद के यूट्यूबर युवक दिवाकर से लव मैरिज करने वाली ईरान की फ़ायजा ने अपनी ससुरालवालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। फ़ायजा अपने पति के साथ पहले महिला थाने और फिर एसपी सिटी ऑफिस पहुंचीं।

यहां उन्होंने अपनी सास, ननदों और ननदोई पर गंभीर आरोप लगाए और बताया कि सास ने मेरे पति के साथ के कुछ अंतरंग पलों की तस्वीरें और वीडियो शूट कर लिए हैं। वो अब इनके बल पर मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रही। मुझे ब्लैकमेल कर रही। दिवाकर और फ़ायजा ने बताया कि शादी के बाद से ही दिवाकर की मां विदेशी बहू लाने से नाराज़ थीं और अपनी तीन शादी शुदा बेटियों के कहने पर लगातार वह फ़ायजा का उत्पीरण कर रही थीं।

जब घर में दिवाकर और फायज़ा का पुराना मोबाईल चुरा लिया गया, जिसमे दोनों के बेहद निजी वीडियो और चैट थे। फिर एक दिन दिवाकर की मां ने एक लड़की से फायज़ा के कम कपड़ो में वीडियो बनवा लिए और चोरी-छिपे आपत्तिजनक तस्वीरें खींच कर उसे व्हाट्स अप के ज़रिये रिश्तेदारों में वायरल कर दिए, तो दिवाकर से रहा नहीं गया और उसने फायज़ा के साथ पुलिस में जाकर शिकायत दे दी। जिसकी अब पुलिस जांच कर रही है।

सोते वक्त भाजपा नेता की हत्या

सहारनपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनका शव घर के पीछे चारपाई पर मिला। शनिवार सुबह जब बहू चाय देने के लिए पहुंची तो उसने सबसे पहले शव देखा। खून से लथपथ शव देखकर वह चीख पड़ी। परिजन और ग्रामीण भागकर मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। मृतक का नाम धर्म सिंह (65) था। वह अंबेहटा में भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष थे। वारदात नकुड़ के डिडौली गांव की है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उनके माथे पर गोली मारकर हत्या की गई है।

धर्मसिंह का बेटा सुशील भी भाजपा में अंबेहटा मंडल का महामंत्री है। बेटे ने बताया कि रात करीब 9 बजे वो अपने पिता को चाय देकर गए थे। तब तक वे ठीक थे। उसके बाद वे भी सोने चले गए थे। उन्होंने बताया कि उनकी किसी से भी दुश्मनी नहीं है। परिवार 2014 में भाजपा में शामिल हुए थे। धर्म सिंह (65) रात घर के पीछे बने घेर में सोए हुए थे। बहू जब सुबह करीब 6.45 बजे अपने ससुर को चाय देने पहुंची तो उसने लाश देखी। चारपाई और आसपास खून देखकर बहू ने शोर मचाया। जिसके बाद परिजन और ग्रामीण इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

बिहार चुनाव: सत्ता की चाभी मेरे पास

44 सीटों पर लड़ने वाले तेजप्रताप क्या बनेंगे किंगमेकर?

पटना, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में महा गठबंधन की सरकार बनाने की बारी आई तो चाभी मेरे पास होगी। जनशक्ति जनता दल राज्य में 44 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। यदि धर्म बचा रहेगा तो हम राजनीति कर सकते है। ये बातें जन शक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने सिरदला में जन सभा को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि अगर कोई अच्छा काम करता है तो उसकी प्रशंसा होनी चाहिए। अगर कोई गलत काम करता है, तो उससे सवाल पूछे जाने चाहिए। तेज प्रताप ने कहा कि हम अच्छे काम में विश्वास करते हैं और जनता उसकी कद्र करेगी। उन्होंने बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए की बिहार में शिक्षा का स्तर बहुत गिर चुका है। उन्होंने कहा कि लालू जी का सामाजिक न्याय रहा कहां। सामाजिक न्याय खत्म हो चुका है।

अपने भाई पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा की जो भाई का नहीं हुआ। वह जनता का क्या होगा? स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद मैंने अपने विधान सभा क्षेत्र महुआ में मेडिकल कॉलेज बनवाया है। आप लोग बहुरूपिया और बहकावे के चक्कर में मत पड़ना बहुत सारे फर्जी पार्टी वाले अनपढ़ गंवार लोग घूम रहे हैं।

इस साल की शुरुआत में तेज प्रताप को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से निकाल दिया गया था। उनके पिता लालू प्रसाद यादव ने एक महिला के साथ उनके 12 साल के रिश्ते को लेकर उनसे अपने सभी पारिवारिक संबंध तोड़ लिए थे। हालांकि, उन्होंने इस आरोप का खंडन किया था। बाद में उन्होंने जनता दल (जद) का गठन किया।

महुआ विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ रहे जनता दल (जद) प्रमुख ने यह भी कहा है कि वह आरजेडी में वापस नहीं लौटेंगे और इसके बजाय मृत्यु को चुनेंगे। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि मैंने शुरू से ही कहा है कि मैं उसी के साथ हूं जो बेरोजगारी दूर करेगा और रोज़गार देगा।

अफ्रीका में फंसा भारतीय परिवार, लूट का आरोप लगा कंपनी ने पासपोर्ट छीना; सरकार से मांगी मदद

आगरा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। दयालबाग का एक परिवार अफ्रीका में फंस गया है। जिस भारतीय कंपनी में युवक काम कर रहा था, उसकी कंपनी ने उस पर लूट का आरोप लगाते हुए पासपोर्ट छीन लिया है। नौकरी से निकाले जाने के बाद आर्थिक संकट से परिवार जूझ रहा है। कंपनी के अधिकारी मकान खाली करने के लिए दबाव बना रहे हैं। पीड़ित ने भारतीय दूतावास में शिकायत की, लेकिन वहां से भी मदद नहीं मिली है। पीड़ित ने फोन कर घटना की जानकारी स्वजन को देने के साथ ही भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। दयालबाग के बसेरा वसंत रेजीडेंसी खासपुर में रहने वाले धीरज जैन पुणे की सदगुरु टूर एंड ट्रैवल्स सर्विसेज कंपनी में एकाउंट एंड फाइनेंस मैनेजर के पद पर तैनात थे। उनकी वेस्ट अफ्रीका के डुआला कैमरून में तैनाती थी।

यहां वह पत्नी सुप्रिया जैन व डेढ़ वर्षीय बेटी राघवी के साथ रह रहे हैं। धीरज जैन ने फोन पर बताया कि सात सितंबर 2024 को वह कंपनी का 25 लाख रुपये लेकर कार से ड्राइवर के साथ आफिस जा रहे थे। रास्ते में उनका कैश लूट लिया गया। उस समय उन्होंने और ड्राइवर ने कैश लूट का बयान लोकल पुलिस के पास दर्ज कराया था। नवंबर 2024 में वह दो महीने के लिए छुट्टी पर आगरा आ गए। जनवरी 2025 में जब वापस वेस्ट अफ्रीका स्थित कंपनी के आफिस पहुंचे तब तक ड्राइवर ने अपना बयान बदल दिया था। लूट का आरोप उन पर लगाया गया है।

खालिस्तान लिब्रेशन फोर्स का आतंकी गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा बरामद

अमृतसर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कुछ दिन पहले राजासांसी में इटली से लौटे मलकीत सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को काबू किया है। आरोपितों के कब्जे से चार ग्लाक पिस्तौल, चार मैगजीन और गोली सिक्का बरामद किया गया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपितों की पहचान धालीवाल गांव निवासी बिक्रमजीत सिंह और राजासांसी निवासी करण के रूप में बताई है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि बिक्रमजीत ने साल 2018 में निरंकारी भवन पर ग्रेनेड से हमला किया था।और आरोपित घटना के दो साल बाद ही जमातन से जेल लौट आया था। बिक्रमजीत खालिस्तान लिब्रेशन फोर्स का आतंकी था। निरंकार भवन पर धमाके के दौरान उसे ग्रेनेड पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए काम कर रहे आतंकी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा ने मुहैया करवाया था। शनिवार की सुबह गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने दोनों के कब्जे से तीन पिस्तौल, एक रिवाल्वर, चार मैगजीन और गोलियां बरामद की हैं।

रेलवे ट्रैक पर आ गया जंगली हाथी, 30 मिनट के लिए रोकनी पड़ी ट्रेन

मयूरभंज, 8 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के मयूरभंज से एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया। दरअसल यहां एक जंगली हाथी रेलवे ट्रैक पर आ गया। गनीमत ये रही कि हाथी की वजह से ट्रेन को रोक दिया गया, जिसकी वजह से एक बड़ा हादसा टलने से बच गया। हाथियों के साथ हो रही दर्दनाक घटनाओं के बीच वन विभाग और रेलवे विभाग दोनों ने अपनी सतर्कता काफी बढ़ा दी है। इसी सख्त निगरानी का असर रात साफ तौर पर देखने को मिला। दरअसल, बांगिरीपोसी-रूपसा मेमू ट्रेन को मयूरभंज के हाटिझुरी स्टेशन के पास करीब आधे घंटे तक रोकना पड़ा, क्योंकि एक अकेला हाथी रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। यह घटना रात करीब 8 बजकर 30 मिनट पर हुई। जैसे ही हाथी को ट्रैक पर देखा गया, वन विभाग और रेलवे विभाग ने तुरंत कार्रवाई की।

ट्रेन पायलट को सूचना दी गई और ट्रेन को समय रहते रोक लिया गया। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठाया गया। करीब 30 मिनट तक हाथी धीरे-धीरे ट्रैक पार करता रहा, और दोनों विभागों के अधिकारी मौके पर सतर्क रहे ताकि कोई हादसा न हो। जैसे ही हाथी सुरक्षित तरीके से पटरी पार कर जंगल की ओर चला गया, रेलवे अधिकारियों ने ट्रेन को आगे बढ़ने की अनुमति दी।

विधवा बहू को जेठ ने दिया शादी का प्रपोजल, नहीं मानी तो बौखला कर तेजाब से किया हमला

ग्वालियर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक शख्स ने विधवा महिला पर मायके में घुसकर एसिड अटैक से हमला कर दिया। आरोपी कोई और नहीं बल्कि महिला का जेठ है। वो उससे शादी करना चाहता था। महिला ने जब शादी के प्रस्ताव को ठुकराया तो वो बौखला गया। देर रात पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। मामला कंपू थाना अंतर्गत अवाड़पुरा इलाका मुस्लिम बाहुल्य बस्ती है। शुक्रवार शाम मायके में रही एक विधवा पर उसी के जेठ ने घर में घुसकर एसिड अटैक कर दिया। इस घटना में महिला गंभीर रूप से झुलस गई, जिसे इलाज के लिए ज्यारोग्य अस्पताल की बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया है। आरोपी का नाम मुशीर खान बताया गया है।

नॉनवेज शॉप खोलने पर पीटा :भगवा गमछा पहने युवक ने थप्पड़ मारकर जय श्रीराम के नारे लगवाए

हिसार, 8 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार स्थित कैंप चौक पर नॉनवेज की शॉप खोलने पर दुकानदार मनु के साथ मारपीट की गई। दुकानदार का कसूर इतना था कि उसने नॉनवेज की शॉप खोली हुई थी। इस घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि भगवा रंग का गमछा पहने एक व्यक्ति नॉन वेज की शॉप आता है और आते ही दुकानदार को थप्पड़ मार देता है। थप्पड़ मारने के बाद युवक अपना परिचय देते हुए कहता है कि मैं बजरंग दल का मेंबर हूं। इसके बाद दुकानदार पूछता है कि मेरा कसूर क्या है। इसके बाद गाली देते हुए युवक दुकानदार के सिर पर पानी की बोतल देकर मारता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- प्रॉपर्टी खरीदने-बेचने का सिस्टम 300 साल पुराना

इससे प्रापर्टी खरीदना सदमे जैसा, हमें नए ढंग से सोचना होगा, विकल्प तलाशने होंगे

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जमीन की रजिस्ट्री और जमीन के मालिकाने के ढांचे में बुनियादी सुधार की जरूरत बताई है। कोर्ट ने कहा कि ब्रिटिश राज के समय के कानूनों पर टिके मौजूदा ढांचे ने भ्रम, अकुशलता और बड़े स्तर पर मुकदमे पैदा किए हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सुझाव दिया कि ये समस्याएं खत्म करने के लिए सरकार ब्लॉकचेन जैसी टेक्नॉलॉजी इस्तेमाल करने पर विचार करे। साथ ही, विधि आयोग को इस पर विस्तृत अध्ययन करने को कहा। आयोग से केंद्र, राज्य सरकारों, विशेषज्ञों और अन्य संबंधित पक्षों से रायशुमारी करके रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। प्रॉपर्टी खरीदने-बेचने का सिस्टम तीन सौ साल पुराने कानूनों से संचालित है। ये अलग दौर में बने थे। लेकिन, आज भी रीढ़ बने हुए हैं। इन कानूनों ने स्वामित्व और रजिस्ट्रेशन के बीच असमानता बना रखी है। कोर्ट ने बिहार रजिस्ट्रेशन रूल्स, 2008 का नियम 19 रद्द करते हुए ये टिप्पणियां कीं। दीवानी मामलों में करीब 66% विवाद संपत्ति से जुड़े हैं। भारी मात्रा में भूमि विवादों के लिए मौजूदा सिस्टम मुख्य जिम्मेदार है। पुराना कानूनी ढांचा नकली दस्तावेज, अतिक्रमण, देरी, बिचौलियों की भूमिका और राज्यों में बिखरे नियमों जैसी खामियों से भरा है। उप-पंजीयक दफ्तरों में प्रशासनिक प्रक्रिया बोझिल और समय लेने वाली है। कोर्ट ने डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम और नेशनल जेनरिक डॉक्यूमेंट रजिस्ट्रेशन सिस्टम की सराहना की। कहा- सिर्फ डिजिटलीकरण से समस्या हल नहीं होगी। रिकॉर्ड गलत है तो डिजिटल संस्करण भी वही गलती बढ़ाएगा।

टेक्नॉलॉजी अपनाएं, पुराने कानून बदलें

कोर्ट ने सुझाव दिया कि केंद्र, राज्यों के साथ पहल करे। ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 1882; रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1908; इंडियन स्टैम्प एक्ट, 1899; एविडेंस एक्ट, 1872; सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000; और डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 की समीक्षा और संशोधन करें।

साइबर ठगी का शिकार हुए टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी

कोलकाता, 8 नवंबर (एजेंसियां)। देश में साइबर धोखाधड़ी के मामला थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, मुंबई या कोलकाता कोई भी राज्य साइबर अपराधियों से बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। इसीलिए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। ठग ठगी करने के नए-नए रास्ते खोज ही लेते हैं। इस बार ठगी का शिकरा टीएमसी सांसद हुए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी के एक कथित मामले में 56 लाख रुपये से ज़्यादा की धोखाधड़ी उनके साथ की गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और सेरामपुर से सांसद कल्याण बनर्जी के साथ ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी हुई है। उनको ठगों ने लाखों का चूना लगा दिया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, साइबर ठग पहले तो सांसद के एसबीआई के एक इनएक्टिव अकांउंट तक पहुंचे, फिर अनधिकृत लेनदेन कर बड़ी रकम साफ कर ली। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का आरोप है कि उनके साथ कथित तौर पर साइबर धोखाधड़ी की गई है। उनके बैंक खाते से करीब 56 लाख रुपये निकाल लिए गए, ये खाता सालों पहले का है, जब वह विधायक हुआ करते थे। सूत्रों के अनुसार, कल्याण बनर्जी का एसबीआई अकाउंट तक का है, जब 2001 से 2006 के बीच वह आसनसोल दक्षिण से विधायक थे। उस दौरान, अन्य विधायकों के साथ, उनके नाम पर एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की विधान सभा उप-शाखा में एक खाता खोला गया था। सूत्रों के मुताबिक, जालसाजों ने इस अपराध के लिए जाली पैन और आधार कार्ड का इस्तेमाल किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या

मेरठ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के मेरठ से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर बेरहमी से पति की हत्या कर दी। इस घटना से एसपी देहात ने पर्दा उठाया और मामले की पूरी जानकारी दी। मेरठ में बेवफा पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मार डाला।

पिछले आठ महीनों के अंदर अब तक 4 पतियों की पत्नी की बेवफाई की वजह से मौत हो चुकी है। ताजा मामला रोहटा थाना क्षेत्र का है। यहां एक पत्नी ने अपने ही पति को प्रेमी के साथ मिलकर मौत के घाट उतार दिया। पत्नी ने पहले पति को नशीला पदार्थ खिलाया और फिर चुन्नी से गला घोंटकर बेहोश कर दिया। इसके बाद महिला ने प्रेमी की मदद से पति को नहर में फेंक दिया, जहां पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। एसपी देहात अभिजीत कुमार ने इस सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक की पहचान अनिल के रूप में हुई थी। कुछ दिन पहले उसकी नहर में डूबने से मौत की सूचना मिली थी, लेकिन जांच के दौरान पुलिस को मामला संदिग्ध लगा। गहराई से जांच करने पर यह स्पष्ट हुआ कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि सोची-समझी हत्या थी।

पुलिस ने जब मृतक की पत्नी काजल से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। काजल ने बताया कि उसकी शादी को आठ साल हो चुके थे, लेकिन कुछ समय पहले उसका अपने पुराने प्रेमी से फिर संपर्क हो गया। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने अनिल को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।

वकील ने मांगी पड़ोसी की पिटाई की इजाजत

चंडीगढ़, 8 नवंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ के एक वकील ने पुलिस को एप्लिकेशन देकर पड़ोसी की पिटाई की इजाजत मांगी है। पुलिस के अलावा पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस, गृह सचिव, डीजीपी, एसएसपी और बार काउंसिल चेयरमैन को भी यह एप्लिकेशन भेजी गई है। वकील का कहना है कि पड़ोसी ने जानबूझकर उनकी नई थार रॉक्स पर खरोंचें मारकर उनका 1 लाख रुपए का नुकसान किया है।

इस बारे में उन्होंने पुलिस को शिकायत दी थी लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई। वकील ने यह भी तर्क दिया कि भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस के तहत उन्हें अधिकार प्राप्त है कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती तो वह सार्वजनिक रूप से व्यक्ति की पिटाई कर सकते हैं। हालांकि सेक्टर 34 पुलिस ने इस तरह की शिकायत मिलने से इनकार किया है लेकिन अधिकारी अभी इस मुद्दे पर खुलकर कुछ कहने को तैयार नहीं है।

बीड से व्हेल मछली की उल्टी बरामद

करीब 1.5 करोड़ रुपए है कीमत, 2 लोग गिरफ्तार

बीड, 8 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से व्हेल मछली की उल्टी बरामद की गई है। इस उल्टी की कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पकड़े गए लोग इस उल्टी को बेचने के लिए बीड में आए थे। बीड पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए व्हेल मछली की डेढ़ करोड़ रुपए की उल्टी जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके नाम शैलेश शिंदे और विकास मुले बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी व्हेल मछली की उल्टी बेचने के लिए बीड में आए थे। पुलिस ने छापा मारकर उन्हें गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से करीब डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की। बताया जाता है कि व्हेल मछली की उल्टी, जिसे "एम्बरग्रीस" कहा जाता है, का उपयोग महंगे इत्र और औषधि निर्माण में किया जाता है।

इसकी ऊंची कीमत के कारण इसकी तस्करी बड़े पैमाने पर की जाती है। फिलहाल बीड के शिवाजीनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी इस अवैध व्यापार से कितने समय से जुड़े हुए हैं और इसका नेटवर्क कितना बड़ा है।

व्हेल मछली की उल्टी, जिसे एंबरग्रीस कहा जाता है, बेहद दुर्लभ और मूल्यवान पदार्थ है। यह मुख्य रूप से स्पर्म व्हेल की आंतों में बनता है। यह एक मोम जैसा, राखी-स्लेटी या पीले रंग का ठोस पदार्थ होता है। यह स्पर्म व्हेल की पाचन प्रणाली में उत्पन्न होता है। लहरों और धूप से इसका स्वरूप और सुगंध बदलती रहती है।

इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपये प्रति किलोग्राम तक होती है। इसका कारण है इसकी दुर्लभता और विशिष्ट सुगंध, जो समय के साथ और भी परिष्कृत होती जाती है। कुछ पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में इसे कामोत्तेजक या तनाव-निवारक माना गया है। भारत में व्हेल को संरक्षित प्रजाति माना जाता है, इसलिए एंबरग्रीस का संग्रह या बिक्री प्रतिबंधित है।

आवारा कुत्तों पर एससी के आदेश पर भड़के अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव

लखनऊ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों स्कूल-अस्पतालों से हटाकर उन्हें शेल्टर होम में शिफ्ट करने का आदेश दिया है जिस पर मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और बीजेपी नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस फैसले को बेहद क्रूर और इंसानियत से परे बताया। प्रतीक यादव ने लोगों से अपील की इस फैसले को वापस लिया जाए, जिस पहले सुप्रीम कोर्ट को पिछली बार अपने फैसले को रिवर्स करना पड़ा था।

उन्होंने कहा कि कुत्तों को लेकर कोई भी फैसला देने से पहले इस पर रिसर्च करना चाहिए था कि कुत्ते कैसे रहते हैं? अगर इन कुत्तों को नई जगह शिफ्ट किया जाएगा तो वो मर जाएंगे। प्रतीक यादव ने एक वीडियो जारी कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। इसमें वो बीमार दिख रहे हैं और अस्पताल में भर्ती है। प्रतीक ने कहा कि स्ट्रे डॉग्स को लेकर आज फिर से एक फैसला आ गया है सुप्रीम कोर्ट का जो जज विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया ने दिया है और ये ऑनरेबल फैसला नहीं है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को हमेशा ऑनरेबल कहकर एड्रेस किया जाता है लेकिन ये फैसला ऑनरेबल नहीं है। क्योंकि, इन्होंने फिर से एक बहुत ही गलत फैसला दे दिया है। इन्होंने फैसला दिया है कि जितने भी हाई एंड लोकेशन हैं वहां से स्ट्रे डॉग्स को उठाकर न्यूट्रल करके या तो किसी शेल्टर में डाला जाए और शेल्टर नहीं है तो वहां तो किसी लोकल एरिया में ऐसे ही छोड़ दिया जाए।

आईपीएस सुसाइड: धीमी जांच से परिवार नाराज

चंडीगढ़, 8 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा आईपीएस वाई पूरन कुमार सुसाइड केस में चंडीगढ़ पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) की धीमी जांच को लेकर परिवार में नाराजगी है। परिवार की लीगल टीम ने इसे लेकर नाराजगी भी जताई है। हालांकि, एसआईटी की ओर से बताया गया है कि यह पूरा मामला हाई प्रोफाइल है। यही वजह है कि जांच हर एंगल पर की जा रही है।

अभी केस से जुड़े कई अहम गवाहों के बयान दर्ज होने हैं। फोरेंसिक रिपोर्ट आनी बाकी हैं। इसके अलावा केस से जुड़े कई ऐसे दस्तावेज हैं जो हरियाणा सरकार की ओर से आने हैं। एसआईटी ने बताया कि जल्द ही चंडीगढ़ पुलिस रोहतक के पूर्व एसपी नरेंद्र बिजारणियां और दिवंगत आईपीएस वाई पूरन कुमार की बेटी से भी पूछताछ के लिए नोटिस जारी करेगी। जांच में चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी की जांच में सामने आया है कि पूरन कुमार ने अपने पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) सुशील कुमार की रिवॉल्वर से नहीं, बल्कि गनमैन सुनीत

कुमार की रिवॉल्वर से खुद को गोली मारी थी। घटना वाले दिन यानी 7 अक्टूबर को सुनीत कुमार की ड्यूटी पूरन कुमार के सेक्टर-11 स्थित आवास पर ही थी।

अब पुलिस डिपार्टमेंटल जांच कर रही है कि सुनीत कुमार की रिवॉल्वर आईपीएस अफसर के पास कैसे पहुंची? बताया जा रहा है कि वाई पूरन कुमार की जब अंबाला रेंज में पोस्टिंग थी, तभी से सुनीत कुमार उनके गनमैन के तौर पर साथ हैं। घटना के बाद जांच टीम ने वो पिस्टल अपने कब्जे में ली हुई है, जिसको फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, लेकिन अभी तक रिपोर्ट नहीं आई है।

मदरसे में मौलाना का कांड

चेक करने पहुंची बीजेपी की महिला विधायक ने किया 50000 नगद देने का ऐलान

खंडवा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। नकली नोट प्रकरण में पेठिया गांव का नाम सामने आने के बाद खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे स्वयं मौके पर पहुंचीं। उन्होंने यहां उस कमरे का निरीक्षण किया, जहां पर मौलाना जुबैर अंसारी द्वारा नकली नोटों की कटिंग कर गड्डियां तैयार की जाती थीं। यह वही मौलाना है, जिसे कुछ दिन पूर्व मालेगांव पुलिस ने 10 लाख के नकली नोटों के साथ पकड़ा था। इस पूरे मामले में विधायक तनवे ने प्रशासन को सख्त जांच के निर्देश दिए हैं और कहा कि किसी भी सूरत में ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

विधायक तनवे के साथ इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, पार्टी पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद विधायक ने गांव वासियों से

संवाद करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां देशद्रोह के समान हैं। इनके पीछे की पूरी साजिश को उजागर करना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो भी व्यक्ति उनके विधानसभा क्षेत्र में आतंकवाद, देशविरोधी या नकली नोट जैसी अवैध गतिविधियों की पुख्ता जानकारी देगा, उसे वे स्वयं 50,000 का इनाम देंगी।

असम में सरकारी फंड घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन

6.40 करोड़ की संपत्ति जब्त

गुवाहाटी, 8 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असम में एक बड़े सरकारी फंड घोटाले के मामले में बड़ा एक्शन लिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कार्रवाई करते हुए असम सरकार की अधिकारी सिवाली देवी शर्मा और उनके करीबियों की चल और अचल संपत्तियां जब्त की हैं। जब्त संपत्तियों की कीमत करीब 6.40 करोड़ रुपये बताई जा रही है। ईडी ने ये कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की है। बता दें कि ये पूरा मामला सिवाली देवी शर्मा के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर आधारित है, जिसे विजिलेंस पुलिस स्टेशन असम ने दर्ज किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने सरकारी फंड का गलत इस्तेमाल कर करीब 105.76 करोड़ रुपये का गबन किया।

ईडी की जांच में क्या-क्या पता चला

ईडी की जांच में सामने आया कि 2017 से 2021 के बीच जब सिवाली देवी शर्मा ओडीएल सेल, एससीईआरटी, असम की कार्यकारी अध्यक्ष और निदेशक थीं, तब उन्होंने सरकार की मंजूरी के बिना 347 स्टडी सेंटर खोल दिए और 1,06,828 प्रशिक्षुओं को एडमिशन दे दिया। जबकि सरकार ने केवल 59 स्टडी सेंटर और 27,897 प्रशिक्षुओं की ही मंजूरी दी थी। ईडी की जांच के मुताबिक इन फर्जी दाखिलों से सिवाली देवी और उनके सहयोगियों ने लगभग 115 करोड़ रुपये फीस के रूप में वसूले। आरोप है कि उन्होंने ओडीएल सेल के नाम पर पांच बैंक खाते खोले और उस रकम को सरकारी खजाने में जमा नहीं किया।

ईडी ने कई संपत्तियां की जब्त

ईडी की जांच में ये भी सामने आया कि सिवाली देवी शर्मा ने वित्तीय अधिकार न होने के बावजूद खुद ही सारे फंड ट्रांसफर कर दिए। सिवाली देवी शर्मा ने ये पैसा अपने और अपने परिवार के खातों में ट्रांसफर किया और फिर इन्हीं पैसों से जमीन-जायदाद और अन्य संपत्तियां खरीदी गईं। अब ईडी ने इन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच यानी जब्त कर लिया है।

आइजीआइ एयरपोर्ट से फरार ब्रिटिश नागरिक का अब तक पता नहीं

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। आइजीआई एयरपोर्ट के ट्रांजिट एरिया से फरार होने वाले ब्रिटिश नागरिक का अभी तक पता नहीं चला है। आइजीआई थाना पुलिस ने इस मामले में इमिग्रेशन की शिकायत पर प्राथमिकी कर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपित की तलाश में कई टीमें गठित की गई हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि फिट्ज पैट्रिक की तलाश के लिए पुलिस एयरपोर्ट से आगे अब उन लोकेशनों पर जाकर सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है जहां विदेशी नागरिक होटल में आमतौर पर ठहरते हैं।

खासकर सस्ते होटलों में। इनमें पहाड़गंज व महिपालपुर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पुलिस ने ब्रिटिश दूतावास से संपर्क कर फिट्ज से जुड़ी जानकारी में सहयोग का भी आग्रह किया है। पुलिस चाहती है कि दूतावास उसके स्वजन से संपर्क कर यह पता करने की कोशिश करे कि यदि फिट्ज ने उनसे संपर्क किया है तो वह अभी कहां है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में एयरपोर्ट के कुछ कर्मियों से पूछताछ की जा सकती है कि आखिर उनकी निगरानी में कहां चूक हुई।

पूर्व डीआईजी भुल्लर केस के बाद पुराने भ्रष्टाचार के केस फिर खुले

कांग्रेस विधायक ने पूछे ये सवाल

चंडीगढ़, 8 नवंबर (एजेंसियां)। निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर पर चल रही जांच के बीच अब राज्य सरकार के पुराने भ्रष्टाचार मामलों की फाइलें फिर खुलने लगी हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा की ओर से कुछ माह पहले उठाया गया मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। खैहरा ने आरोप लगाया है कि सड़क सुरक्षा बल के लिए खरीदी गई 144 टोयोटा हिलक्स गाड़ियों की खरीद में करीब 14.50 करोड़ रुपये का गबन हुआ है।

खैहरा ने यह मामला पहले डीजीपी गौरव यादव के पास लिखित रूप में भेजा था। अब गृह विभाग ने राज्यपाल को भेजी गई इसी शिकायत के आधार पर डीजीपी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पत्र 31 अक्टूबर को जारी हुआ है, जिसमें कहा गया है कि 15 दिन में जांच रिपोर्ट भेजी जाए और कार्रवाई की जानकारी सरकार को दी जाए। खैहरा ने आरोप लगाया था की 2024 में सड़क सुरक्षा बल के लिए 144 टोयोटा हिलक्स वाहन खरीदे गए थे। व्यक्तिगत ग्राहक को इन गाड़ियों पर 10 लाख रुपये की छूट दी जाती है, पर सरकार ने यह छूट नहीं ली।

अगर यह लाभ लिया जाता तो लगभग 14.50 करोड़ रुपये की बचत होती। उन्होंने आगे सवाल उठाया कि क्या इस खरीद प्रक्रिया में किसी अधिकारी या मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े व्यक्ति को लाभ पहुंचाया गया। गौरतलब है कि सड़क सुरक्षा फोर्स योजना जनवरी 2024 में शुरू की गई थी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुद इन 144 गाड़ियों को हरी झंडी देकर रवाना किया था। सरकार का दावा है कि इस फोर्स की मदद से अब तक लगभग 40 हजार लोगों को आपातकालीन सहायता मिल चुकी है। लेकिन अब इन वाहनों की खरीद पर उठे सवालों ने सरकार को असहज स्थिति में ला दिया है।

संघर्ष से शिखर तक : वूमेंस क्रिकेट की ऐतिहासिक जीत

अतुल कुमार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आई सी सी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 मे बीते रविवार 2 नवंबर को जिस ऐतिहासिक कारनामे को कर दिखाया वह मील का पत्थर बना . इस विजय ने 52 वर्षों के महिला क्रिकेट में छायी जेंडर की बाधाओं को चूर चूर किया . वूमेंस क्रिकेट की इस शानदार जीत ने उस मिथ को तोड़ा कि वूमेंस क्रिकेट में पुरुष क्रिकेट की तरह ख्याति ,लोकप्रियता , और प्रसिद्धि को पाना मुश्किल है . इस टूर्नामेंट की ऐतिहासिक जीत ने दोनों को एक दूसरे के समकक्ष खडा किया . जितनी चर्चा कोहली ,शर्मा और गिल आदि की होती हैं उतनी ही अब हरमन प्रीत , शेफाली वर्मा , जेमिमाह राड्रिक्स , दीप्ती शर्मा और अमनजोत कौर की घर –घर में हो रही है नवी मुंबई के डी वाय पाटील स्टेडीयम में 50 हज़ार दर्शकों व करोडों क्रिकेट प्रेमियों ने टी वी चैनलों और स्मार्ट फोनों पर स्वर्णिम इतिहास को बनते देखा यह वूमेंस क्रिकेट में वर्लड चैपियन बनने की टीम इंडिया की यादगार उपलब्धि है जिसे भुलाया नहीं जा सकता .

सधी हुई रणनीति ,बैटिंग ,बोलिंग और फील्डिंग ने टीम इंडिया को " श्रेष्ठता " की स्थिति में रखा . फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध 299 रन का लक्ष्य रख उनको मानसिक दबाव में लाया . रन बटोरने के लिये दक्षिण अफ्रीकी टीम को हर तरह की जुगत करनी पडी लेकिन अंततः उसे घुटने टेकने पडे फाइनल मुकाबला जीतने के लिये

दौडते हुए अमनजोत कौर ने जिस मुश्किल कैच को लपका उसने रातों रात वूमेंस क्रिकेट के सुनहरे इतिहास के अध्यायों को रच दिया .किसी शायर ने खूब लिखा " बदल जाओ वक्त के साथ या वक्त बदलना सीखो / मजबूरियों को मत कोसो हर हाल में चलना सीखो // " टीम इंडिया ने यही किया.

भारत ने इस शानदार जीत से जिस सक्सेस स्टोरी को लिखा वह ऐतिहासिक है . याद कीजिये पहली बार सन 1983 में वर्ल्ड कप जीतने के बाद देश में क्रिकेट का तेज़ी से प्रसार हुआ जिसने खेल का दिव्य रूप धारण किया . आज के क्रिकेट की नींव उसी भव्य जीत ने रखी और जेन ज़ेड ने इसे जुनून की तरह अपनाया . वास्तव में भारतीय क्रिकेट का रूप स्वरूप तभी से बदला . खेल को नवजीवन मिला जिससे वह गली – गली में खेला जाने लगा . वूमेंस क्रिकेट 2025 की जीत भी उसी रंगत को आगे बढ़ायेगी . क्यों कि भारत विश्व चैंपियन है .इस कीर्ती को बनाये रखना उदीयमान वूमेंस खिलाडियों का उद्देश्य होगा .आशाएं ,अपेक्षाएं और आकांक्षाओं को नयी उडान मिलेगी .

जिन प्रतिकूल परिस्थितियों में महिला क्रिकेट का विस्तार हुआ उसकी पृष्ठभूमि उत्साह जनक नहीं थी . खिलाडी के पिता को ताने सुनने पडते कि लडकी को लडकों के साथ खेलने क्यों भेज रहे हो ? कई बंदिशों और सोशल थिंकिंग के सामने उनको निराश होना पडता . लेकिन इच्छा शक्ति ने सभी बाधाओं को तोडा . पारिवारिक रूप से जिन फैमिलीस की आर्थिक स्थिति कमज़ोर होती उनको और चार बातें ज़्यादा सुननी पडती . विश्व विजयी वूमेंस टीम में अधिकतर खिलाडियों की दास्तां और परिवेश की गाथा हैरान और बेचैन करती हैं . सोचिये ! कितने विरोधों ,परेशानियों ,भेदभावों और तंगियों के बाद इस टीम ने वर्ल्ड चैंपियन बनने के खिताब को हासिल किया .अतः इस जीत ने न केवल इतिहास लिखा बल्कि इस क्षेत्र में उम्दा खिलाडी बनने का सपना देख रही खिलाडियों के हौंसलों को भी बुलंद किया है .

कुछ समय पहले महिला क्रिकेट की प्रसिद्ध खिलाडी मिताली राज के जीवन पर आयी बायोपिक में एक भावुक दृश्य था जिसमें हवाई अड्डे पर भारी भीड भारतीय टीम के आगमन पर अपने प्रिय खिलाडियों को देखने के लिये बेताब खडी है . उसी दौरान महिला खिलाडियों की टीम वहां से प्रस्थान के लिये तैयार

है , तब उनको यह कह हटाया जाता है कि हटो ,बडे खिलाडी आ रहे हैं . तब नायिका मन से कहती है. तो ..! हम इनसे कौन से कम हैं . फर्क सिर्फ जेंडर का है . इसलिये न ! इस जीत ने उन सारी धारणाओं को धराशायी कर दिया . फाइनल मैच में शेफाली वर्मा ने और आस्ट्रेलिया के विरुद्ध सेमीफाइनल में जेमिमाह राड्रिक्स ने जिस धुंआधार बैटिंग का , दीप्ती शर्मा ने बोलिंग का प्रदर्शन किया क्या वह किसी भी नामी बल्लेबाज़ या गेंदबाज़ से कम है ?

इसे समझना होगा बंधु ! वक्त ने करवट बदली है . जिन महिला खिलाडी की पीठ पर क्रिकेट की किट लटकी होती तो लोग उसे लाइटली लेते और इस नज़रिये से देखते कि इनका क्या फ्यूचर है. जब कि यही वूमेंस टीम वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो बार रनर बनने का श्रेय पा चुकी है . इस लाजवाब जीत ने वूमेंस क्रिकेट के प्रति पूरे सीनेरियो को बदल कर रख दिया है . इस चेंज को 21 वी सदी के 25 वे साल में देखना और समझना होगा यह भारतीय खेलों का बदलता फेस है .जहां ड्रीम और डेडिकेशन साथ खडे हैं .

कप्तान हरमन प्रीत कौर के रण कौशल ने जिस बेहतरीन टीम वर्क का प्रदर्शन किया आज सभी क्रिकेट प्रेमी उसका गुण गान कर रहे हैं . कार्पोरेट्स जिस टीम वर्क का वर्णन करते हैं . यह उसीका एक्सेलेंट उदाहरण ही तो है गुरु शिष्य परंपरा को भी इस जीत ने ऊंची उडान दी है .टीम के कोच अमोल मज़ूमदार पिछले दो सालों से वूमेंस टीम को इस खिताब को जीतने के लिये कोचिंग दे रहे थे . मजूमदार घरेलू क्रिकेट का एक बडा नाम हैं लेकिन उन्हें कभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिला. पर उन्होंने अपनी कोचिंग के ज़रिये भारतीय महिला टीम को वन डे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचाया . घरेलू क्रिकेट में 11000 से अधिक रन बनाने वाले इस कोच को पता है कि बिना किसी पहचान या सम्मान के बावजूद कडी मेहनत के क्या मायने हैं . शायद यही कारण है कि उनकी सोच दबदबा बनाने के बजाये परिणाम दिखाने की रही .जिसे उन्होंने कर दिखाया .विजयी महिला टीम अपने कोच से प्रभावित है क्यों कि संघर्ष के जो गुर मज़ूमदार ने टीम को सिखाये उसका लोहा आज पूरी दुनिया मान रही हैं . कहा भी गया है कि " गुरु बिन ज्ञान न होत है , गुरु बिन दिशा अजान / गुरु बिन इंद्रिय न सधे ,गुरु बिन बढे न शान // " अमोल मजूमदार ने यही किया .

इस ऐतिहासिक जीत ने सभी भारतीयों को गौरान्वित किया है . यह जीत आने वाली पीढियों को इंस्पायर करेगी क्यों कि यह भारतीय महिला क्रिकेट की सर्वोत्तम कीर्ती गाथा है .

काव्य कुंज

अयोध्या के रामलला

कुमुद बाला, हैदराबाद

सरयू नदी के पवित्र नीर से ,
जब हुई अयोध्या तृप्त
रामलला के नयनों की ज्योति,
फिर से हो गयी दीप्त
बह रही बयार है धीरे - धीरे ,
सरयू नदी के तीरे
मंत्रोच्चार की ध्वनियाँ ,
होने लगीं तरंगित धीरे-धीरे
त्रेतायुग का हर्षोल्लास कलियुग में दर्शनीय साक्षात
अब जाकर पावन मिट्टी की खुशबू बिखरी तीरे-तीरे
बारंबार हर्षोल्लसित और प्रफुल्लित दिल हुए प्रदीप्त
सरयू नदी के पवित्र नीर से , जब हुई अयोध्या तृप्त
रामलला के नयनों की ज्योति , फिर से हो गयी दीप्त
बहुत दिनों से सूना पड़ा था , रामलला का सुमधुरांगण
कृपा हुई जब कलियुग में तो हर्षाया प्यारा मिथिलांगण
संकटमोचन के हृदय से त्वरित हो भक्ति की सरयू बोली
चख ले जो राम-रसायन बूटी , हृदय है उसका सर्वांगण
दासतत्व के उपासक कहते,ना कर तू हृदय को सुप्त
सरयू नदी के पवित्र नीर से , जब हुई अयोध्या तृप्त
रामलला के नयनों की ज्योति , फिर से हो गयी दीप्त
रामलला के दर्शन करके , साधु - मुनिगण कभी न अघाते
तुलसीदास की युक्ति-भक्ति से , मोक्ष प्राप्त कर मुक्ति पाते
जाकी रही भावना जैसी , प्रभु मूरति देखी तिन तैसी
मोक्षजयी तृप्तिफल को चखकर,स्वतः भवसागर पार होते
रामलला के सुंदर मुखड़े पर , शुभ मुस्कान का सुदीप्त
सरयू नदी के पवित्र नीर से , जब हुई अयोध्या तृप्त
रामलला के नयनों की ज्योति , फिर से हो गयी दीप्त

याद आती है

संजीव ठाकुर, रायपुर

याद आती जैसे कोई अज्ञात गंध
साँसों में उतर जाए,
और नस-नस में फैल जाए
धूप की तरह मौन,
अदृश्य, पर अनुभूत।
याद आती वह रतिया,
जो मेरी पलकों में ठहर गई ,
जैसे कोई शांत झील जिसमें आकाश भी सो जाता ।
उसकी परछाईं में अब भी हिलते
तेरे अधरों के मधुर स्वर,
जिनका रस मेरे प्राणों में
धीरे-धीरे घुलता जैसे कोई अनकहा मंत्र।
याद आते तेरे पदकमल,
कोमल, मृदुल, जो बोलते थे बिना शब्दों के,
उनकी पदचाप की लय आज भी मेरे एकांत को
संगीत बना देती
मैं सुनता अपने भीतर की गहराई में,
उन पगचिह्नों का प्रतिध्वनि-संवाद।
चुपके-चुपके मैं अब भी बाट जोहता
उन अदृश्य पथों की ओर
जहाँ तेरी आभा गुम धारा में, गगन में,
या शायद उस अनंत में
जहाँ आत्मा और परमात्मा एक हो जाते ।
मनुहार करता है मन कहाँ छिपे हो तुम?
किस आलोक में, किस दिशा में?
हर क्षण में तुम्हारा एक अंश उतर आता ,
और मैं भिगोता अपने अस्तित्व को
उस अनुभूति से —जो न देखी जाती है,
न छुई जा सकती है, बस जिया जा सकता है।
ओ प्रिय — या शायद ओ परम —
तुम्हारे दर्शन की प्यास
मेरे भीतर की साधना है।
तुम आओ, जैसे मौन में अर्थ उतरता है,
जैसे प्रार्थना में शांति मिलती है।
तुम आओ —
सामने,
या भीतर,
या उस शून्य में
जहाँ मेरा "मैं" मिट जाए,
और बस "तुम" रहो।
तब ही शायद
यह जीवन सफल हो,
यह सांस पूर्ण हो,
और यह याद
मोक्ष का द्वार बन जाए।

चलो कुछ दिमाग लगाते हैं

डॉ विजय पांढरीपांडे हैदराबाद

हाथो मे हाथ मिलाए
चलो साथ चलते हैं
सूर मे सूर मिलाए
चलो साथ गाते है
लंबा सफर है
रास्ता काठीन है
सागर पार करना तो
लहर बन जाते है
जात धर्म वर्ण भिन्न
है तो हम मनुष्य गण
मंजिल हो कितनी कठिन
चलो कुछ दिमाग लगाते है

सवेरे का सूरज

गजानन पाण्डेय

कल फिर आयेगा
सवेरे का सूरज
नया पैगाम लाएगा ।
कितनी भी बाधाएं आए
राही तू बढ़ता चल
जीवन के अंधियारे से न डर
अपनी राह बनाता चल ।

सड़क, तुम अब आई हो गाँव

प्रियंका सौरभ

जब सारा गाँव शहर जा चुका है।
जिन गलियों में बचपन की चीखें गूँजती थीं,
अब वहाँ सन्नाटा बैठा है।
खेत सूने हैं, मेड़ों पर बस घास उगी है,
न अँगीठी की आँच है, न चूल्हे की गंध।
बुज़ुर्ग अब भी चौपाल पर बैठे हैं,
पर सुनने वाला कोई नहीं बचा।
तुम्हारे डामर पर
अब कौन चलेगा?
यहाँ अब न मेले लगते हैं,
न बारातें निकलती हैं।
बस कभी-कभी डाकिया आता है,
और लौट जाता है बिना किसी ख़त के।
कभी तुम आतीं तो गाँव रुक जाता,
युवाओं के सपनों को पंख लग जाते,
मिट्टी की खुशबू शहर तक जाती।
पर अब जब तुम आई हो सड़क,
तो मिट्टी की महक भी थक चुकी है।
सड़क, तुम अब आई हो गाँव,
जब गाँव का दिल शहर बस चुका है।
अब तुम्हारे दोनों छोरों पर
सिर्फ़ "वापसी की प्रतीक्षा" बाकी है।

सज़ल

रेणुका अग्रवाल हैदराबाद

मुक़द्दर दे ख़ुदा तब तक़दीर साथ हो।
उल्फ़त में इश्क की तासीर साथ हो।
ग़ज़ल मे रहे ज़िक्र उनका हरदम
लिखूँ जब ख़्यालों मे मीर साथ हो।
जब जब सजदा करुँ ख़ुदा का
गवाह मे मेरे अनासीर साथ हो।
भला करे ख़ुदा सभी का यहाँ
जब तक जियूँ जागीर साथ हो।
रक़ीबों को ख़त्म करने को
हमेशा अपने तीर साथ हो।
बुरा न हो किसी का किसी से
हमेशा सबके ज़मीर साथ हो।
बेक़ूफ़ दोस्त मत बनाओ कभी
हो दुश्मन पर शातीर साथ हो।
मन बेचैन क्यों होता है हर वक्त
राह में ख़ुदा राहगीर साथ हो।
बेसबब कुछ नहीं होता जहान में
राजा है तो जेहन में फ़क़ीर साथ हो।
रेणू का सोचा कब हुआ है ख़ुदा
जिंदा है तो नसीब की लकीर साथ हो।

इच्छाएं मनुष्य को...

एक इच्छा बामुश्किल पूरी की थी
दूसरी तन के सामने खड़ी थी
चौबीसों घंटे दो पाटों में पिसता चला जाता है
आत्मसंतुष्टि से जीना नहीं आता है
आ बैल मुझे मार की घंटी गले में बंधी
चैन से संभलने नहीं देता
इच्छाएं मनुष्य को जीने नहीं देती और
मनुष्य इच्छाओं को मरने नहीं देता
कभी कभार आदमी दबाव में इतना आ जाता है
भारी भरकम दबाव सहने के लिए अड़ जाता है
गोली वरगे जाओ खोटे सिक्के वकन आओ
का हाथ थाम लेता है
दीप्त उजाले में अंधेरों में धस जाता है
गुंजलां वीच ऐना उलझेया
बने लगन नहीं देंदा
इच्छाएं मनुष्य को...
अवगत ए तसीहां दा,
फिर वी छिंके वकन टंग जांदा है
छोड़ो कल की, सूली पर चढ़ जांदा है
दिन वीच चांद सितारे दिखदे ने
अखां वीचों हंझु किरदे बथेरे ने
ओखा सोखा विष पी जांदा
आखदा ,सुलझने नहीं देता
इच्छाएं मनुष्य को...

दर्शन सिंह हैदराबाद

वक़्त

टी तारासिंह हैदराबाद

गुजर गया जो वक़्त वो हमारा नही
अब जो बचा वक़्त वो हमारा है
यही है सच्चाई यही है जिंदगी
संभलकर कदम रखना है
इक भरोसा था इक आस थी
खुश रहने की , हसने की
जिंदगी की खरी सच्चाई यही है
कभी खुशी कभी गम का जिंदगी का साथ है
हर पल हर रोज कशमकश है
आंसू है दर्द है जिंदगी इक संघर्ष है
इक कदम आगे तो दो कदम पीछे है
कर ले समझौता , कर ले दोस्ती
अपने दर्द से , अपने आंसूओ से
टूट जायेगा , बिखर जायेगा
अपना विश्वास, अपना अस्तित्व
फिर भी तू अपने कदम पीछे न कर
तेरा विश्वास तुझे सही रास्ता दिखायेगा ।।

खामोशी में बहती चीखें

मनीषा मंजरी दरभंगा

कुछ दर्द बिना दस्तक दिए, चले आते हैं,
आंसुओं का सैलाब नहीं,
खामोशी की चादर ओढ़ाते हैं।
मुस्कराहट छल बनकर चली आती है,
एहसास मगर खुद को भरमाते हैं,
उम्मीदों की चिंगारियां उड़ाकर,
सपनों की चिताएं जलाते हैं।
यूँ तो नसीबों की थी बेबफाई,
अब हाथों से लकीरें भी चुराते हैं,
अपनी उदास झोलियों के,
चिथड़े भटककर उठाते हैं।
जिसे सूरज ने अँधेरा दिया,
उससे सितारे भी कतराते हैं,
दुआएं उठती नहीं हैं अधरों पर,
जिन्हें धड़कनों की गहराईओं में छिपाते हैं।
पहाड़ों पर ठहरी निःशब्दिता से,
भीगी शामों को सजाते हैं,
तन्हाइयों को यादें सौंप कर,
बेहोशियों के हो जाते हैं।
अधूरी ख्वाहिशों के कारवां को,
कोरे पन्नों का सफर कराते हैं,
एक चीख़ जो अनसुनी रही,
उसे रगों में हीं अभी तक बहाते हैं।
शायद कहानी हीं अलग सी थी,
जो किरदारों की कीमत लगाते हैं,
वो रंगमंच की साजिशें रही,
जो जीवन का हर रंग चुराते हैं।
लहरों को लगी जिद की चलो,
अब तो कश्ती डुबाते हैं,
किनारों से टकराकर मरना हीं तो है,
कुछ गुनाह भी करके इतराते हैं।

संजोना है नयी ख्वाहिशों को

डॉ शोभा भंडारी हैदराबाद

अधूरी ख्वाहिशों का पुलिंदा ढोते -ढोते,
ग़र झुक गये हैं कंधे,
थक गये हैं कदम,
विचलित है मन हर क्षण,
चैन और सुकून हो गये हैं कम,
ग़र मंजिल से दूर होने का है ग़म।
तो उतार दो इस बोझ को,
और नयी ख्वाहिशों को दिल में संजोकर,
आशा और उम्मीदों के पैगाम लेकर,
ऐ मुसाफिर, नयी मंजिल की तरफ कूच है, कर।
याद आता है गुजरा हुआ वो ज़माना ,
जब ख्वाहिशों का कम था भार,
संतोष का था खजाना अपरम्पार,
मन में विश्वास का था भंडार।।
अब तो नयी पीढ़ी का नया है जोश,
नई उमर की है नयी फसल,
मन में बजती है नयी धुन हर पल,
कानों में गूंजती है एक नयी ग़ज़ल।
अब इसी तर्ज और तरन्नुम को लेकर,
आगे बढ़ते रहें युवा पीढ़ी के कदम,
संजोकर नयी ख्वाहिशों को,
आगे बढ़ते रहें बेझिझक, हरदम।।

हौसले से भरी पतंग

गीता अग्रवाल हैदराबाद

हौसले से भरी पतंग ,
निखरी निखरी उड़ चली।
बेखौफ दूर, बहुत दूर,
उड़ चली, उड़ चली ।
ढील तो देनी थी,
दे ही दी,आसमाँ छूने लगी,
विजय का विश्वास लिए,
उँचाईयों को छूने लगी,
जमाने की निगाहें भी तो,खास उसे टकने लगी
कुटिल चालों से बचते बचाते मात दे उड़ चली।
हौसले से भरी पतंग,निखरी निखरी उड़ चली ।
हौसलों की उड़ान को क्या,कोई समझ पाएगा,
हौसले के दम पर तो, जमाना बदल जाएगा,
पवन के विपरीत भी उड़ना सीखा हो जिसने
आएँ चाहें कितने तूफान, वो तो संभल जाएगा,
दूरदर्शिता का दर्पण लिए, सही मार्ग पर मुड़ चली।
हौसले से भरी पतंग ,निखरी निखरी उड़ चली ।
बेखौफ दूर, बहुत दूर, उड़ चली, उड़ चली ।

अक्सर लोग पूछते हैं

डॉ डी डी देसाई

अक्सर लोग पूछते हैं मुझे...
तुम क्या करते हो....?
स्टेथोस्कोप गले में लटकाए,
लोग डॉक्टर बने बैठे हैं
और तुम श्यामपट्ट पोंछ रहे हो
किसी की नब्ज़ पकड़ी....
किसी के खून की ताप्तीश की....
सुइयों से छलनी की भुजाएँ गरीबों की,
पैसों की गड्डियाँ बनवा रहें हैं
अक्सर लोग पूछते हैं मुझे...
तुम क्या करते हो....?
कोई वकील कोई मैकैनिकल..
कोई सिविल इंजिनियर बने बैठे हैं
और तुम खड़िया घीस रहे हो
जिराफ की गरदन सी नुकिली इमरातें,
कहीं हवा में झूलता पुल बनाया
गाँव की ड़गर बनी नगर सी सड़कें,
समंदर पर भी गाड़ियाँ दौड़ाने लगे हैं
खेल,खिलौने, इंजन.. कंप्यूटर बना कर,
नई नई कारों में घूमने लगे हैं
अक्सर लोग पूछते हैं मुझे...
तुम क्या करते हो....?
लोग न जाने क्या क्या बने बैठे हैं...
और तुम किताबों के पन्ने पलट रहे हो
अक्सर लोग पूछते हैं मुझे...
कोसते हैं .. मज़ाक उड़ाते रहते हैं
पर मुझे गर्व है...
खुद के शिक्षक होने पर
खुद का घर नहीं सजाया.. पर
अनगिनत छात्रों का जीवन संवारा हूँ,
सफल जीवन की बुनियाद रखता हूँ
न सड़क बनी मुझसे न पुल बना कभी,
पर युवाओं की फ़ौज देश को दी है
आदर्श जीवन की सीख दी है
मुट्ठीभर धन संचय नहीं कर पाया...पर
अनगिनत छात्रों के दिलों में जगह बनाई है
और हाँ..
जिन डॉक्टर, इंजिनियरों का बखान करते
तुम थकते तक नहीं हो
उनको भी पाठ मैंने ही पढ़ाया है 1

लालच और रिश्तों की त्रासदी

सत्यवान सौरभ

लालच आँखें मूँद दे,
भेद न देखे प्रीत।
भाई भाई शत्रु बने,
टूटे अपने मीत।।
धन के पीछे दौड़कर,
भूले यूँ सम्मान।
घर आँगन में छा गया,
कलह और अपमान।।
ममता होकर लालची, रिश्ते करे उदास।
स्वार्थ की इस आँच में, जले सगे विश्वास।।
लोभ अंधेरा बन गया, बुझा स्नेह का दीप।
अपने ही अब भूलते, प्रेम सुधा की नीप।।
रिश्ते टूटे लोभ से, मन में पड़ी दरार।
सोना चाँदी क्या करे, बुझी प्यार की धार।।
मायाजाल में फँस गए, मोह भरे सब लोग।
सच्चे मन की बात अब, लगती जैसे रोग।।
सिर पर चढ़ी स्वार्थ की, ऐसी काली छाँव।
बाप–पुत्र में भी रहा, आज न प्रेम न ठाँव।।
सुख का सपना देखकर, सबने तोड़ी रीत।
धन के खातिर बिक गई, सौरभ सबकी प्रीत।।
जहाँ भरोसा था कभी, आज संदेह राज।
निगले रोज मनुष्यता, शैतानी अंदाज।।
लालच की इस आग में, जलते रिश्ते रोज़।
पिघले मन की मोम सी, करुण कथा की खोज।।
लालच और विवाद अब, बन बैठे यूँ सौत,
भाई की भाई रचे, अन्धे होकर मौत।।

जब से गए हो

डॉ संजुला सिंह जमशेदपुर

जबसे गए हो, मुझे छोड़कर तुम
प्यारे से रिश्ते, को तोड़कर तुम
दिलको मेरे,कभी आया ना करार
दिलो जां से मैंने, किया तुम्हें प्यार
कोई एक पल ना गुजरा, बिन तेरी याद
बार-बार दिल करता है तेरी फरियाद
तुमको रही ना मेरी, थोड़ी परवाह
हरपल निकलती है, मेरे दिल से आह '
जब से गए हो ,हाथ छुड़ा के
बीच मझधार में, नैया डुबा के
कभी फिर ना आया, मेरे दिल को करार
अब जा समझ आई,था झूठा तेरा प्यार ।
हाथ में हिना तुमने, जो थे लगाए
पलभर भी उसको,हम ना भुलाए
हरी चूड़ियां जो कर में,तूने पहनाए
वो सारी यादें आके, मुझ को रुलाए ।
ख्वाब तूने मुझको, जो थे दिखाए
खुद ही उसे तूने, सब तोड़ डाले
कैसे करूं मैं उसे, पूरा मेरी जान
तुमने बना डाला , मुझे निष्प्राण ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार, 9 नवंबर 2025

आवारा कुत्ते: लापरवाही पर कौन नपेगा?

स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों से कब तक हट जाएंगे

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट का एक और सख्त आदेश आया है। तीन जजों की बेंच ने शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा कि वो सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटा दें। इनमें अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, खेल परिसर और रेलवे स्टेशन शामिल हैं। कोर्ट ने कहा कि इसका सख्ती से पालन करना जरूरी है, लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। आखिर कब तक हट जाएंगे आवारा कुत्ते, गड़बड़ी पर कौन जिम्मेदार होगा और कोर्ट ने क्यों सुनाया इतना सख्त फैसला? इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एवी अंजारिया की बेंच ने आदेश में कहा कि आवारा कुत्तों और जानवरों पर आए फैसले को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए... कोर्ट ने निर्देश दिया कि राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश अपने संबंधित स्थानीय या नगरपालिका अधिकारियों के जरिए दो हफ्ते के भीतर स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस स्टैंड, डिपो और रेलवे स्टेशन को चिह्नित करेंगी। जिला मजिस्ट्रेट की निगरानी में नगरपालिका अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कैम्पस में ऐसी बाड़ेबंदी हो जाए, जिससे आवारा कुत्तों को वहां घुसने से रोका जा सके। सभी नेशनल और स्टेट हाईवे पर जगह-जगह हेल्पलाइन नंबर दिखाए जाएंगे, जिससे यात्री आवारा पशुओं की सूचना दे सकें। इन हेल्पलाइनों को स्थानीय पुलिस, एनएचएआई और जिला प्रशासन के कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। अदालत ने कहा कि निर्देशों को पूरे भारत में समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। 8 हफ्ते बाद 13 जनवरी की सुनवाई में सभी मुख्य सचिव और एनएचएआई के अध्यक्ष अनुपालन प्रमाण पत्र दाखिल करेंगे। जिसमें हाईवे से आवारा पशुओं को हटाने और शेल्टर होम, गश्ती दलों का गठन और हेल्पलाइन की स्टेटस रिपोर्ट होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि स्कूल, अस्पताल, रेलवे स्टेशन जैसी हर चिह्नित जगह के प्रबंधक रखरखाव और सफाई के लिए जिम्मेदार एक नोडल अधिकारी को नॉमिनेट करें और यह सुनिश्चित करें कि आवारा कुत्ते कैम्पस में न प्रवेश करने पाएं और न वहां घूमते दिखें। नामित अधिकारी का नाम संस्थान के गेट पर लिखा जाएगा और उस इलाके के नगर निकाय या प्राधिकरण को भी सूचित किया जाएगा। स्थानीय नगरपालिका प्राधिकरण और पंचायतें ऐसे सभी कैम्पस का हर तीन में महीने में कम से कम एक बार नियमित निरीक्षण करेगी। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां कोई आवारा कुत्ता तो मौजूद नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी कि इसका सख्ती से पालन करना जरूरी है वरना अधिकारियों को व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव इन निर्देशों का कड़ाई से पालन कराएं। वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में बार-बार होने वाली घटनाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह ठहराएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चिह्नित स्थानों से कुत्तों को उठाकर उनकी नसबंदी की जाए और फिर शेल्टर होम में भेजा जाए। आवारा कुत्तों को उसी स्थान पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था। अगर ऐसा करने की इजाजत दी गई तो इन जगहों से आवारा कुत्तों से मुक्त करवा पाने का मकसद पूरा नहीं हो पाएगा।

अदालत ने कहा कि उठाए गए मवेशियों और अन्य आवारा पशुओं को उचित शेल्टर होम या गौशालाओं में रखा जाएगा। उन्हें सभी आवश्यक भोजन, पानी और पशु चिकित्सा देखभाल प्रदान की जाएगी। इससे पहले 22 अगस्त को इसी बेंच ने कहा था कि कुत्तों को कीड़े की दवाई देने, नसबंदी करने और एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाने के बाद उसी इलाके में वापस छोड़ा जा सकता है। सिर्फ रेबीज से संक्रमित और आक्रामक स्वभाव वाले कुत्तों को वैक्सीन लगाकर अलग डॉग शेल्टर में ही रखा जाएगा।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन यानी WHO के मुताबिक दुनिया में हर साल 55 हजार से ज्यादा लोगों की मौत रेबीज से होती है। इनमें से हर तीसरा यानी करीब 18 से 20 हजार मौतें भारत में होती हैं। भारत में डॉग बाइट से मरने वाले आधे से ज्यादा 15 साल से कम उम्र के बच्चे हैं। केंद्रीय पशुपालन मंत्री एसपी सिंह बघेल ने 1 अप्रैल 2025 को लोकसभा में बताया था कि 2024 में देशभर में कुत्तों के काटने के करीब 37 लाख 15 हजार मामले दर्ज हुए। जबकि साल 2023 में ऐसे 30 लाख 52 हजार मामले सामने आए थे।

इससे पहले 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कुत्ते के काटने और रेबीज की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा, 'छोटे बच्चे किसी भी कीमत पर रेबीज का शिकार नहीं होने चाहिए। कार्रवाई ऐसी हो, जिससे लोगों को भरोसा हो कि वे बिना डर के घूम सकते हैं और उन पर आवारा कुत्ते हमला नहीं करेंगे। इसमें कोई भावनात्मक पक्ष नहीं होना चाहिए।'

यूपी के बुलंदशहर जिले में फराना गांव के रहने वाले 22 साल के बृजेश कबड्डी के स्टेट लेवल के खिलाड़ी थे। करीब दो महीने पहले एक कुत्ते के बच्चे को नाले से निकालने के दौरान उसने बृजेश की उंगली में काट लिया। कुछ दिन बाद उन्हें ट्रेनिंग के दौरान उंगली में सुन्नपन महसूस हुआ। जल्द ही बृजेश को हाइड्रोफोबिया हो गया यानी पानी से डर लगने लगा। तब डॉक्टर्स को रेबीज का शक हुआ। इलाज शुरू हुआ, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बृजेश की मौत हो गई।

रेबीज लीजावायरस नाम के वायरस से होने वाली बीमारी है। WHO के मुताबिक, इंसानों में 99% मामलों में रेबीज का संक्रमण कुत्तों से होता है। ये वायरस इंसानों में तीन तरीके से आता है- रेबीज से संक्रमित जानवर के काटने या खरोंच से। संक्रमित जानवर की लार के इंसानों के खुले घाव या मुंह, नाक, आंख की ऊपरी झिल्ली के संपर्क में आने से। कुछ मामलों में रेबीज से संक्रमित किसी अन्य इंसान के संपर्क में आने से। रेबीज के वायरस की खासियत है कि ये इंसान के शरीर में घुसने के बाद खून के बजाय सीधे नर्वस सिस्टम पर हमला करता है। नर्वस सिस्टम का केंद्र हमारा दिमाग है। रेबीज संक्रमित को पहले पानी से डर लगना शुरू होता है। पानी पिलाने पर उसका गला चोक होने लगता है। इसके बाद हवा और रोशनी से डर लगने लगता है। इसके अलावा घबराहट, भ्रम, बहुत ज्यादा लार बनना और आखिर में पैरालिसिस यानी लकवा मार जाता है। एक बार लक्षण आने के बाद रेबीज से पीड़ित इंसान को पूरी तरह ठीक करना लगभग नामुमकिन है। यानी वायरस को खत्म करने का कोई तरीका नहीं है। व्यक्ति को जो लक्षण हैं, उनका इलाज किया जाता है।

'भारत विरोधी था पाक का परमाणु कार्यक्रम

पाकिस्तान का परमाणु हथियार विकसित करने का मुख्य उद्देश्य भारत का मुकाबला करना था। लेकिन इसके निर्माता और प्रसारक अब्दुल कादिर खान के नेतृत्व में इसका उद्देश्य बदल गया और एक इस्लामी बम में बदल दिया गया। इसका मकसद ईरान सहित अन्य इस्लामी देशों तक इस तकनीक को पहुंचाना और इसका विस्तार करना था। यह बात अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के पूर्व अधिकारी रिचर्ड बार्लो ने कही। बार्लो एक न्यूज एजेंसी से बातचीत कर रहे थे कि 1980 के दशक में वह पाकिस्तान की गोपनीय परमाणु गतिविधियों के दौरान एक प्रसार-विरोधी अधिकारी के रूप में खुफिया एजेंसी का हिस्सा थे। उन्होंने बताया कि कैसे कादिर खान के नेटवर्क ने 1990 के दशक की शुरुआत में ईरान को गैस सेंट्रीफ्यूज तकनीक और शायद परमाणु हथियारों की योजनाएं भी दीं, जिससे तेहरान के परमाणु कार्यक्रम में दशकों तक तेजी आई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का कार्यक्रम केवल भारत की क्षमताओं के रणनीतिक तवाब के रूप में नहीं था, जिसने 1974 में परमाणु हथियार हासिल कर लिए थे, बल्कि इसके पीछे व्यापक वैचारिक महत्वकांक्षाएं भी थीं। बार्लो ने कहा, पाकिस्तान का परमाणु हथियार विकसित करने का प्राथमिक उद्देश्य भारत का मुकाबला करना था। लेकिन अब्दुल कादिर खान और जनरलों के दृष्टिकोण से यह भी भी बहुत स्पष्ट था कि यह केवल पाकिस्तानी बम नहीं था, बल्कि यह इस्लामी बम था, मुस्लिम बम था।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक बार अब्दुल कादिर खान ने कहा था, ईशाई बम है, यहूदी बम है और हिंदू बम है। हमें एक मुस्लिम बम की जरूरत है। मेरे लिए यह बहुत स्पष्ट था कि पाकिस्तान अन्य मुस्लिम देशों को परमाणु हथियार प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने का इरादा रखता है और यही हुआ। हालांकि, 'मुस्लिम बम की जरूरत' वाला विचार अब्दुल कादिर खान का नहीं था। बल्कि यह विचार उस समय के पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टों का था। जिन्होंने आह्वान किया था कि ऐसे बम की जरूरत है। अब्दुल कादिर खान के नेतृत्व में पाकिस्तान ने परमाणु कार्यक्रम शुरुआत की थी। अब्दुल कादिर खान का जन्म 1936 में अविभाजित भारत के भोपाल में हुआ और वह 1952 में परिवार के साथ पाकिस्तान चले गए। वह दुनिया के सबसे कुख्यात परमाणु तस्करों में से एक थे। उन्होंने उत्तर कोरिया, ईरान और लीबिया जैसे देशों को तकनीक पहुंचाई। उन्हें पाकिस्तान परमाणु कार्यक्रम का पिता कहा जाता है। उनका निधन 2021 में स्लामाबाद में हुआ। बार्लो ने सीआईए में अपने कार्यकाल के दौरान परमाणु हथियारों के प्रसार की गतिविधियों की जांच की थी। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पाकिस्तान के गुप्त परमाणु सौदों पर वॉशिंगटन की प्रतिक्रिया में लापरवाही देखने को मिली। बार्लो ने कहा, अमेरिका ने 1987 और 1988 में इसके खिलाफ कुछ भी करने से इनकार ही नहीं किया, बल्कि अगले 20 से 24 वर्षों तक कुछ भी नहीं किया। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं के संबंध में बार्लो ने दावा किया कि गैस सेंट्रीफ्यूज विकास में ईरान की प्रगति सीधे अब्दुल कादिर खान के नेटवर्क द्वारा प्रदान की गई तकनीक से जुड़ी हुई थी। उन्होंने कहा, ईरान कभी भी बिना पाकिस्तान की मदद के गैस सेंट्रीफ्यूज नहीं बना सकता था। यह बहुत कठिन कार्य है।

1.4 करोड़ जीविका दीदी के हाथों में चुनाव परिणाम!

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में 64.66% मतदान के साथ अब तक का सबसे अधिक मतदान दर्ज हुआ। लेकिन इसके बाद अब राजनीतिक सुर्खियां 'जीविका दीदियों' पर आकर टिक गई हैं। ये राज्य की सशक्तिकरण पहलों की लाभार्थी ग्रामीण महिला महिलाओं का एक विशाल समूह हैं। सभी की निगाहें रिकॉर्ड मतदान में जीविका दीदियों की संभावित भूमिका पर हैं, क्योंकि उन्हें बिहार के सबसे बड़े मतदाता समूहों में से एक माना जाता है। माना जा रहा है कि इस चुनाव में बंपर वोटिंग में जीविका दीदियों का भी रोल है।

जीविका दीदियों की संख्या 1.4 करोड़ से भी ज्यादा है जो बिहार की कुल महिला वोटरों यानी 3.5 करोड़ की लगभग 40% हैं। यह कुछ साल पहले की तुलना में एक महत्वपूर्ण सुधार है, जब महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बहुत कम थी। बक्सर जिले के डुमरांव शहर से लगभग 6 किलोमीटर दूर नंदन गांव में राज्य की जीविका योजना के तहत कौशल विस्तार कार्यकर्ता के रूप में काम करने वाली आरती देवी ने कहा, 'मायके में पिता के नाम पर और ससुराल में पति के नाम पर रहना अब खत्म हो गया है। अब समाज में दीदी के रूप में हमारी अपनी पहचान है।' नंदन पंचायत भवन में शुक्रवार को अपनी साप्ताहिक बचत बैठक के लिए एकत्रित 15 से ज्यादा जीविका दीदियों ने भी यही बात कही। अकेले नंदन पंचायत में 70 स्वयं सहायता समूह (SHG) हैं, जिनमें 990 जीविका दीदियां काम कर रही हैं। बिहार के हर गांव में ऐसे स्वयं सहायता समूह हैं, जो जीविका योजना का पहला चरण है। हर घर की एक विवाहित महिला समूह की सदस्य बनने के लिए पात्र है। प्रत्येक समूह में 7-15 जीविका दीदियां होती हैं। वे सबसे पहले हर हफ्ते पैसे बचाना शुरू करती हैं। शुरुआत में, वे मिलकर अपनी संस्था के सुचारू संचालन के लिए नियम-कानून बनाती हैं। साप्ताहिक बैठक में, वे 5 रुपये से लेकर 20 रुपये तक की छोटी बचत राशि जमा करना शुरू करती हैं। दूसरा चरण संस्था का बैंक खाता खोलना है। जीविका योजना के सामुदायिक समन्वयक राहुल रंजन ने हमारे सहयोगी अखबार इकनॉमिक टाइम्स को बताया, 'SHG के गठन के 60 दिनों के भीतर खाता खोलना होगा।₹ सदस्य ग्राम-स्तरीय संगठन में भाग लेते हैं, जिसका अपना निदेशक मंडल होता है। ऐसे प्रत्येक बोर्ड में अनुसूचित जाति (एससी), अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए दो-दो सीटें और सामान्य वर्ग के लिए छह सीटें होती हैं। यदि एससी, एमबीसी और ओबीसी उपलब्ध नहीं हैं, तो सीटें खाली रहेंगी। ग्राम संगठन मासिक बैठकें करता है। इनके ऊपर, क्लस्टर-स्तरीय संघ होते हैं।'

इसी में यादव परिवार से आने वाली भागमनी ने कहा, 'मैंने 2010 में हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी की। मुझे नीतीश कुमार सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे पोशाक, साइकिल और छात्रवृत्ति का लाभ मिला था। अब मैं जीविका से जुड़ी हूं। आजादी मिल गई। अपनी कमाई से मैं अपने दोनों बच्चों के निजी स्कूल की फीस भरती हूं।' उनके अनुसार, नीतीश कुमार सरकार विभिन्न महिला-हितैषी योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक बालिका पर उसके जन्म से लेकर उसकी शिक्षा पूरी होने तक लगभग 1 रुपये लाख खर्च करती है।

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में जीविका दीदियां रसोई चलाती हैं। कई जीविका दीदियां सफाई कर्मचारी भी हैं। इनका चयन ग्राम-स्तरीय महासंघ द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्य सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता। सरकार ने जीविका दीदियों को लगभग सभी योजनाओं से जोड़ा है, जैसे बालिका छात्रवृत्ति, कन्या उत्थान योजना, मुख्यमंत्री विवाह योजना, अंतरजातीय विवाह योजना और कस्तूरबा गांधी योजना।

ऐसे माना जा रहा है कि इस बार की बंपर वोटिंग में इन जीविका दीदियों ने भी जमकर मतदान किया है। एक तरफ सीएम नीतीश कुमार यानी NDA सरकार की तरफ से मिल रहा फायदा है तो दूसरी तरफ तेजस्वी यादव की तरफ से किया गया वादा। अब 14 नवंबर को पता चलेगा कि जीविका दीदियों का पलड़ा किस तरफ झुका।

चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान को एकसाथ बड़ा झटका

भारत ताबड़तोड़ कुछ बडा ही करने वाला है

भारत ने बड़ी तैयारी कर ली है। उसने अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र में वायुसेना अभ्यास के लिए और अधिसूचनाएं यानी नोटम जारी किए हैं। अधिसूचना में पहले जारी की गई चेतावनी भी सक्रिय रहती है। यह युद्धाभ्यास 13 से 20 नवंबर तक चलेंगे। यह अभ्यास चीन, बांग्लादेश और भूटान बॉर्डर तक होगा। इससे चीन और पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश को भी टेंशन जरूर होगी, क्योंकि भारत राफेल, सुखोई-30 जैसे अपने जंगी जेट्स का जलवा भी दिखाएगा। भारत के चिकननेक तक होगा यह अभ्यास भारत के नवीनतम नोटम ने 13-20 नवंबर, 2025 तक पूर्वोत्तर में भारतीय वायुसेना के अभ्यास का विस्तार किया है। यह नोटम भारत के चिकन नेक माने जाने वाले सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर कुछ दिनों के लिए हवाई क्षेत्र आरक्षित करता है। यह कॉरिडोर इस क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने वाला एक 22 किमी चौड़ा गलियारा है, जो पिछले कुछ महीनों से सुर्खियों में बना हुआ है।

डिफेंस एनालिस्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के अनुसर, भारत तीनों तरफ युद्धाभ्यास कर रहा है। पश्चिमी, पूर्वी और पूर्वोत्तर सीमाओं पर पहली बार युद्धाभ्यास एकसाथ करने का मतलब है कि भारत टू-फ्रंट वॉर की तैयारी कर रहा है। ये मल्टी डोमेन वॉर के लिहाज से किया जा रहा है। दरअसल, 2030 के बाद चीन और पाकिस्तान भारत पर मिलकर हमला कर सकते हैं। इसी साल, 17 मार्च को जनरल उपेंद्र द्विवेदी बता चुके हैं कि टू-फ्रंट वॉर भारत के लिए अनुमान नहीं है, यह रियलिटी है।

चीन युद्ध की तैयारी अभी से ही कर रहा है। वह तीन काम एकसाथ कर रहा है, जिनके पूरा होने का समय 2030 है। पहला है मेडोक डैम का निर्माण, जो इसी साल जुलाई में शुरू हुआ है, वो 2030 में पूरा होगा। दूसरा- इसी साल अगस्त में तिब्बत-शिनजियांग रेल लाइन शुरू हुई है, जो 2030 में पूरी होंगी। तीसरा-200 युद्धपोत, 15 परमाणु पनडुब्बियों और 2 एयरक्रॉफ्ट कैरियर के लिए एक विशाल यार्ड बना रहा है, जो 2030 में पूरा होगा। ये टाइमलाइन बताती हैं कि भारत के खिलाफ चीन बड़ी तैयारी कर रहा है। वो चुपचाप इसमें लगा हुआ है।

लेह-अरुणाचल जैसे इलाके सुपर सेंसिटिव

डिफेंस एनालिस्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के अनुसार, भारत में चीन से सटी जो भी सीमा हैं, चाहे वो लेह-लद्दाख का इलाका हो या अरुणाचल प्रदेश का इलाका, सभी सुपर सेंसिटिव हैं। भारत इसीलिए इन इलाकों को ध्यान में रखते हुए ये युद्धाभ्यास कर रहा है।

त्रिशूल एक्सरसाइज से कांपे दुश्मन

भारतीय वायुसेना ने हाल ही में 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक के लिए नोटम जारी किया था, जिसमें बताया गया है कि थल सेना, वायुसेना और नौसेना एक युद्धाभ्यास करने जा रही हैं, जो 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक चलेगा। इस युद्धाभ्यास को एक्स त्रिशूल नाम दिया गया है। इस युद्धाभ्यास के दौरान बॉर्डर के इलाके में नो फ्लाई जोन रहेगा। यह एक्सरसाइज जैसलमेर के एरिया से लेकर गुजरात के सर क्रीक इलाके तक होगी। वायुसेना की ओर से जारी नोटम में 30 अक्टूबर से 10 नवंबर के बीच पश्चिमी एयर कॉरिडोर में उड़ानों के लिए यह चेतावनी दी गई है।

क्या है नोटम, कब जारी करते हैं

अमेरिकी संस्था Federal Aviation Administration के अनुसार, नोटम यानी नोटिस टू एयरमेन है। यह एक सूचना है जिसमें उड़ान संचालन से संबंधित कर्मियों के लिए आवश्यक जानकारी होती है। यह तब जारी होता है जब हवाई यात्रियों और पायलटों को चेतावनी जारी करनी होती है। खासतौर पर जब भी हवाई क्षेत्र में कोई बदलाव होता है, चाहे एयरपोर्ट का कोई हिस्सा बंद हो, रनवे पर काम चल रहा हो, मौसम खराब हो या सैन्य अभ्यास हो रहा हो, तो उस वक्त नोटम जारी किया जाता है।

मिसाइलों का टेस्ट करने के लिए भी नोटम

भारत ने बंगाल की खाड़ी में अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण कर दिया है। सात दिन पहले ही भारत ने 24-25 सितंबर के बीच संभावित मिसाइल परीक्षण के लिए नोटिस टू एयरमेन (नोटम) अधिसूचना जारी की थी।

हालांकि, नोटम की यह जानकारी पहले नहीं दी जाती है कि उसे अन्य माध्यमों से प्रचारित किया जा सके। यह राष्ट्रीय वायुक्षेत्र प्रणाली (एनएएस) के किसी घटक की असामान्य स्थिति बताता है। इसमें तय इलाके में विमानों और जहाजों की आवाजाही पर पाबंदी लगा दी जाती है। उन्हें अलर्ट किया जाता है

धान से दुनिया तक: भारत का पोषण क्रांति अभियान

प्रो. आरके जैन

5 नवंबर 2025 की सुबह। पोर्ट मोरेस्बी का बंदरगाह कुछ अलग ही हलचल में था। भारतीय कंटेनर उतर रहे थे—भीतर 20 टन फोर्टिफाइड चावल, जो सिर्फ खाना नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद थी। हर दाने में छिपा था आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी-12—एक छोटा सा दाना, बच्चों के भविष्य की सुरक्षा। छत्तीसगढ़ की मिलों में पिछले 45 दिन मशीनों की गूँज सुनाई देती रही, दिन-रात काम में लगीं। आटा, पोषक पाउडर और पानी मिलाकर एक्सट्रूडर से तैयार हुए कर्नेल, जो 100 किलो सादे चावल में सिर्फ 1 किलो मिलाकर उसे सुपर-पोषक बना देते। स्वाद बिलकुल वही, पोषण 8-10 गुना तक बढ़ जाता है। यह सिर्फ चावल नहीं था—यह भारत की तकनीक, सोच और वैश्विक पोषण का संदेश था। पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) में हर दूसरा बच्चा विकास में पीछे है। 49.5% बच्चे स्टंटिंग और 14.1 प्रतिशत वेस्टिंग से जूझ रहे हैं। हर तेरहवाँ बच्चा कुपोषण के कारण अपनी नन्हीं जिंदगी खो देता है। भारतीय चावल पहले से स्कूल मील प्रोग्राम का हिस्सा था, लेकिन अब फोर्टिफाइड वर्जन ने इसे बदल दिया है—एक ही प्लेट में बच्चों की आयरन और अन्य पोषक तत्वों की दैनिक जरूरत पूरी हो जाती है। वहां के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा, "यह चावल हमारे बच्चों की हाइट बढ़ाने का सबसे सस्ता और प्रभावी उपाय है।" यह छोटा सा कदम हज़ारों बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य को बचाने की शक्ति रखता है। फोर्टिफाइड चावल केवल खाना नहीं, बल्कि विज्ञान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सामान्य चावल में पोषक तत्वों से भरे कृत्रिम कर्नेल मिलाए जाते हैं, जिन्हें उच्च तकनीक वाले एक्सट्रूडर मशीनों से तैयार किया जाता है। यह प्रक्रिया सिर्फ वैज्ञानिक रूप से उन्नत नहीं है; यह भारत की वैश्विक पोषण सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। पोषण अभियान केवल निर्यात तक सीमित नहीं है—भारत के 800 जिलों की पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) दुकानों में हर बोरी में 1 प्रतिशत एफआरके (फोर्टिफाइड राइस कर्नेल) अनिवार्य है। देशभर की 925 मिलें (जिनमें छत्तीसगढ़ अग्रणी है) मिलें दिन-रात थकनाहीन मेहनत कर रही हैं, फोर्टिफाइड कर्नेल तैयार कर रही हैं। एफएसएसएआई (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) का +एफ लोगो (चावल फोर्टिफाइड है) हर पैकेट पर चमकता है, डब्ल्यूएचओ-कोडेक्स मानकों पर बने इस चावल को पीएनजी, कोस्टा रिका समेत कई देश स्वीकार कर रहे हैं—स्वाद वही, लेकिन शक्ति और पोषण अब वैश्विक स्तर पर भी चमक रहा है।

पीएनजी में जब पहला ट्रक स्कूल पहुंचा, तो बच्चों की तालियों की गूँज ने पूरे यार्ड को हिला दिया। पहले दोपहर में थककर सो जाने वाले बच्चे अब फुटबॉल खेलते हैं, दौड़ते हैं, और अपने उज्जवल भविष्य की झलक दिखाते हैं। एपेडा (एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फ़ूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) की योजना है कि वहां छोटी फोर्टिफिकेशन यूनिट स्थापित की जाए, ताकि स्थानीय चावल भी पोषण से भर सके। 2030 तक भारत का लक्ष्य है कि 50 देशों के 50 करोड़ बच्चों की थाली में स्वास्थ्य और शक्ति पहुँचे।

महाकाल की भस्म आरती के नियम इनकी आज्ञा के बिना नहीं खुलते कपाट

बाबा महाकाल, जो स्वयं भगवान शिव के रौद्र स्वरूप माने जाते हैं, उनके दर्शन और पूजा का अत्यंत गूढ़ आध्यात्मिक और ज्योतिषीय महत्व है। वे कालों के भी काल हैं अर्थात समय, मृत्यु और पुनर्जन्म के नियंता। इसलिए महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन और पूजा को जन्म-मरण के भय से मुक्ति देने वाला कहा गया है। लेकिन क्या आपको पता है कि महाकाल बाबा के दर्शन करने से पहले इन देवता की आज्ञा लेनी पड़ती है। आइए जानते हैं महाकाल बाबा की भस्म आरती के इन नियमों के बारे में।

अगहन मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि दिन शनिवार के लिए उज्जैन स्थित बाबा महाकाल का अद्भुत श्रृंगार किया गया। मंदिर में शनिवार को भस्म आरती के दौरान भक्तों का तांता देखने को मिला। पूरा मंदिर परिसर बाबा की झलक देखकर हर हर महादेव के जयकारे से गूंज उठा। अगहन मास कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि पर शनिवार के दिन रोज की तरह प्रात 4 बजे बाबा की भस्म आरती की गई। इस दौरान बाबा के दरबार में देर रात से ही भक्त लाइन लगाकर भस्म आरती के लिए जुटना शुरू हो गए। आपको जानकर हैरानी होगी कि बाबा महाकाल के कपाट खुलने से पहले आज्ञा लेनी पड़ती है और भस्म आरती शुरू होती है।

महाकाल बाबा की भस्म आरती बहुत खास – महाकाल की आराधना से कालदोष, ग्रहदोष और अकाल मृत्यु के योग शांत होते हैं। शनिदोष या राहु-केतु दोष वाले जातकों को महाकाल पूजन से अद्भुत शांति मिलती है। शास्त्रों में महाशिव की उपासना को सर्वग्रह पीड़ा नाशक कहा गया है। महाकाल के क्षेत्र में काल का प्रभाव समाप्त हो जाता है। इसका अर्थ है कि मनुष्य के कर्मों का बंधन धीरे-धीरे क्षीण होता है और आत्मा में स्थिरता आती है।

दिन में 6 बार होती है महाकाल की आरती - महाकाल की पूरे दिन में 6 बार आरती होती है, जिसमें सबसे खास भस्म आरती है। भस्म आरती को देखने के लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में भक्त आते हैं। ब्रह्म मुहूर्त में होने वाली इस आरती में भगवान शिव को घटा टोप स्वरूर दिया जाता है। भस्म आरती के लिए एक सूती कपड़ा लिया जाता है और उसे बांधकर शिवलिंग पर बिखेरते हुए आरती की जाती है। महाकाल बाबा के दर्शन करने के बाद जूना महाकाल के दर्शन करना जरूरी होता है। आज शनिवार की महाकाल बाबा की भस्म आरती बहुत खास रही, क्योंकि बाबा महाकाल ने आरती के बाद किए श्रृंगार में मस्तक पर ॐ लगाकर भक्तों को दर्शन दिए। बाबा के माथे पर लगा ॐ शांति का प्रतीक है, जिससे पूरे विश्व में शांति का संदेश दिया गया।

बाबा की भस्म आरती के नियम – बाबा की भस्म आरती के कुछ नियम होते हैं। श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी के अनुसार, सबसे पहले सुबह 4 बजे भगवान वीरभद्र से आज्ञा लेकर मंदिर के कपाट खोले जाते हैं, जिसके बाद गर्भगृह में मौजूद सभी देवी-देवताओं की नियमानुसार आरती होती है और बाबा की भस्म आरती भी होती है। बाबा की भस्म आरती के लिए महानिर्वाणी अखाड़े की तरफ से भस्म भेजी जाती है। भस्म आरती में बाबा का निराकार रूप दिखता है, जिसमें वो सिर्फ भस्म से स्नान करते हैं।

इस तरह की गई भस्म आरती – भस्म आरती करने से पहले शनिवार के दिन बाबा पर दूध, दही, घी, शक्कर पंचामृत और फलों के रस से अभिषेक किया गया और श्वेत वस्त्र ओढ़ाकर भस्म आरती की गई, जिसके बाद बाबा को श्रृंगार से सजाया जाता है। श्रृंगार स्वरूप उनके माथे पर ॐ लगाकर मुकुट धारण कराया गया। जब बाबा का श्रृंगार पूरा हो जाता है, तो भक्त उनके अद्भुत रूप के दर्शन करते हैं। बाबा के इस रूप को साकार स्वरूप माना जाता है। हर दिन बाबा भस्म आरती के बाद अनोखा श्रृंगार करते हैं। शुक्रवार को बाबा ने अपने श्रृंगार में मस्तक पर चांद धारण किया था और नवीन मुकुट पहनकर भक्तों को दर्शन दिए थे।

बच्चे की नाल को यूं ही मत फेंकिए!

बच्चे की नाल का महत्व क्या है?

ज्योतिष शास्त्र और परंपराओं में बच्चे की नाल को उसके जीवन की पहली ऊर्जा से जुड़ा माना जाता है। यह वह डोर होती है जो बच्चे को मां से जोड़ती है, और उसे जीवन देती है। इसीलिए इसका संबंध बच्चे के भाग्य, सेहत और सफलता से माना जाता है। नाल को सिर्फ शरीर का हिस्सा नहीं बल्कि एक "ऊर्जावान कड़ी" कहा जाता है जो बच्चे के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। कई ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि अगर नाल को सही विधि से रखा जाए तो बच्चे का जीवन धन, सौभाग्य और स्थिरता से भर सकता है। वहीं, लापरवाही से इसे कहीं फेंक देने से दुर्भाग्य या नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं।

नाल को कहां और कैसे रखें?

बच्चे की नाल को संभालने के कई पारंपरिक तरीके हैं। सबसे आम और शुभ तरीका है इसे मिट्टी में दबा देना।

आमतौर पर इसे घर के आंगन, बगीचे या किसी पवित्र जगह जैसे मंदिर के पास की मिट्टी में दबाया जाता है।

माना जाता है कि ऐसा करने से बच्चे का संबंध धरती से जुड़ा रहता है, और उसे जीवन में मजबूती व स्थिरता मिलती है।

कई परिवार नाल को तिजोरी या पूजा स्थान में भी रखते हैं। उनका विश्वास होता है कि इससे बच्चे की आर्थिक स्थिति मजबूत रहती है, और उसके जीवन में हमेशा समृद्धि बनी रहती है। कुछ लोग नाल को सुखाकर एक छोटी डिब्बी में रखते हैं, और पवित्र कपड़े में लपेटकर सुरक्षित जगह पर रखते हैं।

ऐसा करने का कारण यह है कि यह नाल एक तरह से बच्चे के लिए "सुरक्षा कवच" का काम करती है। कहा जाता है कि जब तक यह नाल सुरक्षित रखी जाती है, तब तक बच्चे को जीवन में बड़ी परेशानियों से बचाव मिलता है।

नाल को गलत तरीके से फेंकने से क्या हो सकता है?

ज्योतिष शास्त्र में यह भी कहा गया है कि अगर नाल को गलत तरीके से या गंदे स्थान पर फेंक दिया जाए, तो यह बच्चे के लिए अशुभ हो सकता है। ऐसा करने से बच्चे की सेहत पर असर पड़ सकता है या जीवन में अनचाही रुकावटें आ सकती हैं।

कई ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि नाल को जल, मिट्टी या आग – इन तीन प्राकृतिक तत्वों से जोड़कर समाप्त करना शुभ माना जाता है। यानी या तो इसे मिट्टी में दबा दें, बहते पानी में प्रवाहित करें या फिर धार्मिक विधि से अग्नि में अर्पित करें। इससे नकारात्मकता दूर होती है, और बच्चे पर किसी भी बुरी नजर का असर नहीं पड़ता।

श्रीकृष्ण जन्म की सीख: सही योजना बनाकर काम करेंगे तो बड़े-बड़े काम भी हो जाएंगे सफल

द्वापर युग के समय मथुरा में कंस ने अपने ही पिता उग्रसेन को कारागार में डाल दिया और खुद राजा बन गया था। कंस की बहन देवकी का विवाह वसुदेव से हुआ था, उस समय आकाशवाणी हुई कि उसकी बहन देवकी की आठवीं संतान ही उसका अंत करेगी। ये आकाशवाणी सुनते ही कंस ने अपनी बहन देवकी को मार डालना चाहता था, वसुदेव ने कंस को वचन दिया था कि जो भी संतान होगी, वे उसे स्वयं सौंप देंगे, लेकिन देवकी न मारे।वसुदेव की बात मानकर कंस ने इन दोनों को कारागार में भेज दिया। वचन के अनुसार वसुदेव ने कंस को एक-एक करके छह संतानें सौंप दीं। कंस ने इन सभी संतानों का वध कर दिया। जब सातवीं संतान के जन्म का समय आया, तो स्वयं शेषनाग भगवान ने बलराम के रूप में अवतार लिया था। विष्णु जी ने योगमाया को आदेश दिया था कि देवकी के गर्भ से सातवीं संतान को निकालकर वसुदेव की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दो, ताकि कंस को लगे कि गर्भपात हो गया और सातवीं संतान का सुरक्षित जन्म हो सके।योगमाया ने भगवान का आदेश पूरा किया। बलराम सुरक्षित रूप से रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दिए गए। कंस को ये भ्रम हुआ कि देवकी का सातवां गर्भ गिर गया है। फिर समय बीता, और जब आठवीं संतान के जन्म का समय आया, तब भगवान विष्णु स्वयं श्रीकृष्ण के रूप में अवतरित होने वाले थे।

भगवान ने योगमाया से कहा कि अब मेरे अवतार का समय आ गया है। आप गोकुल में नंद बाबा की पत्नी यशोदा के गर्भ से जन्म लीजिए। जब मैं जन्म लूं, तब वसुदेव मुझे लेकर यशोदा के पास गोकुल आएंगे और मुझे वहां छोडकर तुम्हें यहां ले आएंगे। जब कंस आठवीं संतान को मारने के लिए आएगा, तब तुम उसके हाथ से मुक्त हो

जाना। कारागार में वसुदेव और देवकी की आठवीं संतान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। उस समय कारागार के सभी पहरेदार गहरी नींद में सो गए, दरवाजे अपने आप खुल गए और यमुना नदी पार करते हुए वसुदेव ने बालकृष्ण को यशोदा के यहां पहुंचा दिया और यशोदा के पास से योगमाया को ले आए। सब कुछ भगवान की योजना के अनुसार हुआ।जब कंस को आठवीं संतान के जन्म की खबर मिली, तो वह कारागार पहुंचा और बच्चे को मारने के लिए उसे उठाया, लेकिन वह बच्ची (योगमाया) उसके हाथ से छूट गई और आकाश में प्रकट होकर बोली, हे कंस। तेरा वध करने वाला जन्म ले चुका है और अब तू कुछ नहीं कर सकता।

श्रीकृष्ण की सीख

योजना से मिलती है सफलता

भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण अवतार के जन्म की योजना सटीक योजना बनाई थी। भगवान ने तय किया था कि किसका क्या कार्य होगा, कौन कहां जाएगा और कंस के लिए कैसे भ्रम पैदा होगा। भगवान ने संदेश दिया है कि बड़े लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हमें दूरदृष्टि और योजना बनाकर कार्य करना चाहिए।

सही व्यक्ति को सही काम सौंपना

भगवान ने योगमाया, वसुदेव और यशोदा, तीनों को उनकी क्षमता के अनुसार भूमिका दी थी। जब हम हर व्यक्ति की उसकी योग्यता के अनुसार जिम्मेदारी देते हैं तो सफलता जरूर मिलती है।

संकट में धैर्य न छोड़ें

देवकी और वसुदेव वर्षों तक कारागार में थे, लेकिन उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया, भगवान पर अटूट विश्वास बनाए रखा। जीवन में कठिनाइयों के समय धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए।

सही तालमेल बनाए रखें

भगवान की योजना में हर बात एक-दूसरे से जुड़ी हुई थी- समय, स्थान, व्यक्ति और उद्देश्य, इन सभी के बीच सही तालमेल बनाए रखा। भगवान ने संदेश दिया है कि सफलता सही तालमेल बनाए रखने से मिलती है।

साल 2025 खत्म होने से पहले घर ले आएं ये 5 शुभ चीजें

गोमती चक्र – धन और लक्ष्मी कृपा का प्रतीक

गोमती चक्र को भगवान विष्णु के सुदर्शन चक्र का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, जिस घर में गोमती चक्र होता है, वहां मां लक्ष्मी का स्थायी वास होता है। इसे धन स्थान या तिजोरी में लाल कपड़े में लपेटकर रखने से आर्थिक स्थिरता, सुख-संपन्नता और बुरी नजर से सुरक्षा मिलती है।

साल 2025 अपने अंतिम चरण में है और नवंबर का महीना भविष्य की दिशा तय करने का सही समय है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर वर्ष 2025 समाप्त होने से पहले कुछ शुभ वस्तुएं घर में लाई जाएं, तो आने वाला साल सुख-शांति, और समृद्धि से भरा रहता है। ये वस्तुएं घर में सकारात्मक ऊर्जा लाती हैं और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करती हैं।

वास्तु शास्त्र कहता है, "सकारात्मक ऊर्जा ही समृद्धि का द्वार खोलती है।"इसलिए साल 2025 खत्म होने से पहले ये पांच वस्तुएं अपने घर में लाएं और आने वाले वर्ष 2026 का स्वागत करें।

तीन फेंगशुई सिक्के– समृद्धि और तरक्की का प्रतीक फेंगशुई में लाल रिबन में बंधे तीन चीनी सिक्के सौभाग्य के प्रतीक हैं। इन्हें मुख्य द्वार पर टांगने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश रुक जाता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। यह उपाय व्यापार में उन्नति और करियर में सफलता लाने वाला माना जाता है।

दक्षिणावर्ती शंख – सौभाग्य और वास्तु दोष निवारण दक्षिणावर्ती शंख समुद्र मंथन से उत्पन्न 14 रत्नों में से एक है। इसे शुभ मुहूर्त में खरीदकर लाल कपड़े में लपेटकर तिजोरी या पूजा घर में रखने से लक्ष्मी कृपा और सौभाग्य प्राप्त होता है। यह घर के वास्तु दोषों और ग्रह बाधाओं को दूर करने में भी प्रभावी है।

लाफिंग बुद्धा – खुशहाली और आनंद का प्रतीक

लाफिंग बुद्धा की मूर्ति को घर या ऑफिस में रखने से खुशहाली और सकारात्मकता बढ़ती है। उन्हें उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में रखना सबसे शुभ माना गया है।

हाथ ऊपर उठाए बुद्धा – तरक्की और सफलता के प्रतीक हैं। पोटली लिए बुद्धा — आर्थिक समस्याओं से राहत दिलाते हैं।

तुलसी का पौधा – शुद्धता और समृद्धि का वास

तुलसी में मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का निवास माना गया है। घर में तुलसी का पौधा लगाने से धन, सौभाग्य और मानसिक शांति प्राप्त होती है। प्रतिदिन तुलसी की पूजा और दीपक जलाने से नकारात्मकता दूर होती है और घर में शुभता बनी रहती है।

कलियुग का वैकुंठ वास है द्वारका तिरुमाला मंदिर

दक्षिण भारत के ज्यादातर मंदिर भगवान मुरुगन और भगवान विष्णु को समर्पित हैं। साथ ही भगवान शिव और पार्वती के भी समर्पित मंदिर हैं, लेकिन सबसे ज्यादा भगवान मुरुगन और भगवान विष्णु के अलग-अलग अवतारों की पूजा की जाती है। आंध्र प्रदेश में ऐसा ही मंदिर है, जो भगवान विष्णु को समर्पित है और मंदिर की वास्तुकला और एरिया बहुत उत्कृष्ट हैं। इस मंदिर में कई रहस्य और चमत्कार देखने को मिलते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है और ईश्वर की कृपा भी बनी रहती है। आइए जानते हैं द्वारका तिरुमला मंदिर के बारे में खास बातें...

एक पहाड़ी पर स्थित है यह पवित्र मंदिर द्वारका तिरुमला मंदिर आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में एलुरु के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। मंदिर तक जाने की बहुत सारी सुविधाएं हैं। मंदिर के पास रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड दोनों मौजूद हैं। एलुरु शहर से 42 किलोमीटर पर रेलवे जंक्शन है। अगर आप भीमाडोले की तरफ से आते हैं तो 15 किलोमीटर पर ही रेलवे जंक्शन मौजूद है। मंदिर पहाड़ी पर बसा है तो भक्त सीढ़ियों के जरिए मंदिर तक पहुंचते हैं। यह मंदिर भक्तों की आध्यात्मिक शांति का केंद्र है। भक्तों का मानना है कि भगवान विष्णु के दर्शन के बाद मन शांत हो जाता है और आध्यात्मिक शांति मिलती है।

स्वयंभू भगवान की प्रतिमा

अगर मंदिर की स्थापना की बात करें तो माना जाता है कि महान ऋषि द्वारका ने चींटियों के टीले पर बैठकर सालों तक भगवान विष्णु की पूजा की थी और तब वहां स्वयंभू भगवान वेंकटेश्वर की प्रतिमा प्रकट हुई थी। प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 11वीं शताब्दी में म्यावलवरम जमींदारों ने मंदिर का निर्माण कराया था। इस मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर भक्तों को दर्शन देते हैं और उनकी हर मनोकामना पूरी करते हैं। भक्तों के बीच श्री वेंकटेश्वर को कलियुग वैकुंठ वास के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर में भक्तों के लिए अलग-अलग सेवाएं द्वारका तिरुमला मंदिर बहुत बड़े एरिए में बना है और वहां भगवान विष्णु को प्रिय सभी चीजें रखी जाती हैं। मंदिर में आपको बाग-बगीचे, गौवंश की प्रतिमा और भगवान विष्णु के बाल रूप भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा भी देखने को मिल जाएगी। मंदिर में भक्तों के लिए अलग-अलग सेवाएं भी रखी गई हैं, जिनका शुल्क भी निर्धारित है, जिसमें डेली सुबह की पूजा में सुप्रभात सेवा, अस्तोत्तारा सतानामार्चना, और नित्या अर्जिता कल्याणम शामिल है। सुप्रभात सेवा और अस्तोत्तारा सतानामार्चना सेवा करने के लिए भक्तों को 300 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि नित्या अर्जिता कल्याणम करने के लिए भक्तों को 2000 रुपए देने होंगे।

सामंथा ने राज निदिमोरु संग रिश्ता किया कन्फर्म?

एक्ट्रेस सामंथा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने इस साल लिए गए बोल्ड डिसीजन और अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की, लेकिन इस पोस्ट में सबसे ज्यादा चर्चा उनकी एक तस्वीर को लेकर हुई, जिसमें वे डायरेक्टर राज निदिमोरु के साथ नजर आईं। इस फोटो ने उनके रिश्ते की अफवाहों को एक बार फिर हवा दे दी है।

फोटो में सामंथा ब्लैक लेस ड्रेस में नजर आ रही हैं, जबकि राज ब्लैक सूट में नजर आ रहे हैं। दोनों कैमरे की तरफ देख रहे हैं। राज का एक हाथ सामंथा की कमर पर है और सामंथा दोनों हाथों से उन्हें पकड़कर पोज दे रही हैं।

यह तस्वीर सामंथा के फ्रैगरेंस लॉन्च इवेंट की है। यह इवेंट इसी हफ्ते की शुरुआत में आयोजित किया गया था। इस इवेंट की कई तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कीं। इसी पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने बीते कुछ सालों में लिए गए फैसलों और छोटी-छोटी सफलताओं को सेलिब्रेट करने की बात कही।

सामंथा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा - "दोस्तों और परिवार से घिरी हुई हूं। पिछले डेढ़ साल में मैंने अपने करियर के कुछ सबसे हिम्मत भरे कदम उठाए हैं। मैंने रिस्क लिए, अपनी इंट्यूशन पर भरोसा किया और चीजें सीखते हुए आगे बढ़ी। आज मैं इन छोटी-छोटी जीतों को सेलिब्रेट कर रही हूं। मैं बहुत आभारी हूं कि मैं इतने ईमानदार और मेहनती लोगों के साथ काम कर रही हूं। भरोसा है, यह तो बस शुरुआत है।"

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से सामंथा और राज के रिलेशन को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। दोनों के बीच नजदीकियां तब बढ़ीं जब उन्होंने साथ में वेब सीरीज द फैमिली मैन 2 में काम किया। बताया जाता है कि सीरीज के बाद से ही दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग बनी हुई है। राज ने सामंथा के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म शुभम में भी सहयोग किया था।

हालांकि दोनों ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर कोई पब्लिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों और उनके एक साथ देखे जाने से यह चर्चा लगातार बनी रहती है।

एक्ट्रेस गौरी किशन को लेकर इवेंट में पूछा 'भद्दा सवाल', तिलमिलाईं हीरोइन और मचा बवाल, सपोर्ट में उतरे सितारे

तमिल फिल्मों की एक्ट्रेस गौरी किशन के साथ हाल ही उनकी फिल्म 'अदर्स' के एक इवेंट में कुछ ऐसा हुआ, जिससे वह भड़क गईं और सवाल पूछने वाले यूट्यूबर को खूब सुनाया। दरअसल, उनकी फिल्म की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक यूट्यूबर ने गौरी किशन के को-स्टार आदित्य माधवन से एक्ट्रेस के वजन के बारे में सवाल पूछ लिया। यही गौरी किशन को बुरा लगा। उन्होंने इसे बॉडी शेमिंग से जोड़ा और सवाल को भी अपमानजनक बताया।

कई सेलेब्स भी गौरी किशन के सपोर्ट में उतर आए और सवाल पूछने वाले यूट्यूबर की आलोचना की। सोशल मीडिया पर 'अदर्स' की प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो वायरल हो रहा है। विवाद तब शुरू हुआ जब एक यूट्यूबर ने गौरी किशन के वजन का हवाला देते हुए आदित्य माधवन से पूछा कि क्या सीन के दौरान उन्हें उठाना मुश्किल था?

इस गौरी किशन ने यूट्यूबर को बीच में ही टोका और तमिल में कहा, 'मेरे वजन से आपको क्या लेना-देना? इसका फिल्म से क्या लेना-देना है? मेरा वजन मेरी पसंद है। यह मेरी टैलेंट को डिफाइन नहीं करता।' इस घटना के बाद से फिल्म इंडस्ट्री में एक बार फिर बॉडी शेमिंग और सेक्सिजम पर बहस छिड़ गई है। गौरी किशन ने हाल ही 'एनडीटीवी' को दिए इंटरव्यू में इस पर रिएक्ट किया। उन्होंने इस बात पर हैरानी जताई कि उस पल कोई भी उन्हें सपोर्ट करने के लिए आगे नहीं आया।

गौरी किशन बोलीं- किसी और एक्ट्रेस के साथ ऐसा न हो

गौरी किशन ने कहा, 'पिछले हफ्ते जब यह पहली बार हुआ, तो मैं मानो किसी तरह से बच गई और एकदम फ्रीज हो गई थी। जब तक मैं इसे समझ पाती, तब तक यह खत्म हो चुका था। लेकिन मुझे इस बात का पछतावा हुआ कि मैंने इसके बारे में कुछ नहीं कहा, अपने लिए नहीं, बल्कि इसलिए कि मैं नहीं चाहती थी कि यह किसी और एक्ट्रेस के साथ हो। यह कोई आसान इंडस्ट्री नहीं है।'

एक्ट्रेस अमीषा पटेल 2 लाख के चेक बाउंस में तलब

मुरादाबाद कोर्ट में पेश होंगी ; पैसे लेकर शादी में डांस करने नहीं पहुंची थीं

मुरादाबाद कोर्ट ने बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल को 9 जनवरी 2026 को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया। मामला 2 लाख रुपए के चेक बाउंस से जुड़ा है। एक इवेंट कंपनी के संचालक ने उनके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। आरोप है कि अमीषा पटेल ने मुरादाबाद में एक शादी में डांस करने के लिए फीस ली, लेकिन वह कार्यक्रम में नहीं पहुंची। संचालक का दावा है कि इसी केस में समझौते के लिए अमीषा ने उन्हें 10 लाख रुपए देने का वादा किया था। 8 लाख रुपए दे भी दिए। लेकिन इसके बाद जो 2 लाख रुपए का चेक दिया वो बाउंस हो गया।

ड्रीम विजन इवेंट कंपनी के मालिक पवन कुमार वर्मा कटघर थाना क्षेत्र में मोहल्ला डबल फाटक के रहने वाले हैं। उन्होंने 2017 में कोर्ट में अभिनेत्री अमीषा पटेल और अन्य के खिलाफ मुकदमा दाखिल किया था।

जिसमें उन्होंने अभिनेत्री अमीषा पटेल, अहमद शरीफ, सुरेश परमार, राजकुमार गोस्वामी पर 11 लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाया था। इसमें कहा था कि 16 नवंबर 2017 को दिल्ली रोड स्थित होली डे रीजेंसी होटल में आयुष अग्रवाल के शादी समारोह में अमीषा पटेल को 4 गानों पर डांस करना था।

11 लाख रुपए एडवांस लिए

इसके लिए अमीषा पटेल को 11 लाख रुपए एडवांस में दिए गए थे। आरोप है कि रकम लेने के बाद भी अमीषा शादी समारोह में नहीं आईं। उन्हें मुंबई से दिल्ली फ्लाइट से आना था और दिल्ली के होटल में ठहरने, नाश्ता और दोपहर के खाने की भी व्यवस्था की गई थी। यह रकम पीआर कंपनी के मालिक राजकुमार गोस्वामी के माध्यम से अमीषा के पर्सनल असिस्टेंट सुरेश परमार और अहमद शरीफ को दी गई थी। जिसके बाद भी अमीषा ने 2 लाख रुपए की मांग की।

इवेंट कंपनी के मालिक की ओर से केस दर्ज होने के बाद कोर्ट ने अमीषा पटेल को सुनवाई के लिए तलब किया था। उनके हाजिर नहीं होने पर कोर्ट ने अमीषा के खिलाफ वारंट जारी कर दिया था।

इसके बाद 23 जनवरी 2024 को अमीषा मुरादाबाद पहुंची थीं। उन्होंने यहां अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया था और उन्हें वहां से जमानत मिल गई। वहीं, 2 लाख रुपए के चेक बाउंस मामले में अमीषा पटेल को कोर्ट ने फिर से तलब किया है।

अनुष्का सात साल बाद फिल्मों में कर सकती हैं कमबैक

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा को लीड एक्टर के तौर पर आखिरी बार साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म जीरो में देखा गया था। इसके बाद उन्होंने फिल्म चकदा एक्सप्रेस की शूटिंग पूरी की थी, लेकिन यह फिल्म अब तक रिलीज नहीं हुई। हालांकि, अनुष्का जल्द ही लीड एक्टर के तौर पर सात साल बाद कमबैक कर सकती हैं।

दरअसल, चकदा एक्सप्रेस क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक है, जिसमें अनुष्का शर्मा लीड रोल में हैं। हालांकि यह बायोपिक करीब तीन साल से नेटफ्लिक्स के पास पड़ी है। फिल्म को प्लेटफॉर्म और प्रोडक्शन हाउस क्लीन स्लेट फिल्म्स के बीच अनबन के चलते रिलीज नहीं किया जा रहा है।

अब मिड-डे की रिपोर्ट में सामने आया है कि हाल ही में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद फिल्म चकदा एक्सप्रेस के प्रोड्यूसर्स अब इसकी रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। प्रोड्यूसर्स ने नेटफ्लिक्स इंडिया के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर फिल्म रिलीज करने की अपील की है।

एक सूत्र ने बताया, हमने नेटफ्लिक्स इंडिया के टॉप अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से लिखा है कि वे इस विवाद से ऊपर उठकर फिल्म रिलीज करें। झूलन दी जैसी दिग्गज पर बनी बायोपिक दर्शकों तक जरूर पहुंचनी चाहिए। सूत्र ने यह भी बताया कि फिल्म कई सालों से अटकी हुई है क्योंकि नेटफ्लिक्स के अधिकारियों को इसका रिजल्ट पसंद नहीं आया। प्रोडक्शन हाउस का बजट खत्म हो गया था और प्लेटफॉर्म हैड्स को प्रोजेक्ट का साइज ठीक नहीं लगा। फिर भी फिल्म मजबूत है। एक अन्य सूत्र ने बताया कि टीम ने फिल्म पर फिर से चर्चा शुरू की है और इस महीने के भीतर रिलीज को लेकर फैसला लिया जा सकता है।

मशहूर आर्टिस्ट जसना सलीम पर मंदिर में रील बनाने के आरोप में केस दर्ज

भगवान कृष्ण की पेंटिंग्स बनाने के लिए मशहूर कलाकार जसना सलीम पर मंदिर परिसर में रील शूट करने का आरोप है। उन पर केरल स्थित गुरुवायूर श्री कृष्ण मंदिर परिसर में वीडियो बनाने पर लगे बैन का उल्लंघन करने के मामले में केस दर्ज किया गया है।

केरल राज्य में स्थित गुरुवायूर मंदिर पुलिस ने शुक्रवार को आर्टिस्ट जसना सलीम और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि यह केस मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा उन पर बीएनएस की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और इस मामले की जांच चल रही है।

इससे पहले भई जसना सलीम पर मंदिर में वीडियो बनाने का आरोप लगा था। इस साल की शुरुआत में भी पुलिस ने उन पर गुरुवायूर मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति को माला पहनाने के बाद वीडियो बनाने के आरोप में केस दर्ज किया था।

पुलिस ने बताया कि उन्होंने हाल ही में हाई कोर्ट के एक फैसले का उल्लंघन किया था, जिसमें मंदिर परिसर के अंदर ऐसे वीडियो बनाना और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करना गलत माना गया था। जसना इससे पहले भी विवादों में आ चुकी हैं, क्योंकि उन्होंने गुरुवायूर मंदिर परिसर के पास केक काटा था और उसका वीडियो बनाने की कोशिश की

थी।

जसला सलमी ने अभी भगवान कृष्ण की कई पेंटिंग्स बनाई हैं। हाल ही में त्रिशूर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आर्टिस्ट जसना ने उन्हें एक पेंटिंग गिफ्ट की थी, जिस वजह से वो सुर्खियों में आ गई थीं।

बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पाई रश्मिका की 'द गर्लफ्रेंड

रश्मिका मंदाना और दीक्षित शेट्टी की फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसे देखकर एक्स पर यूजर्स ने पहली प्रतिक्रिया दी। दर्शकों को रश्मिका मंदाना की अदाकारी पसंद आई है। हालांकि कई दर्शकों ने फिल्म की कहानी को कमजोर बताया है। ऐसे में आइए जानते हैं फिल्म ने पहले दिन कितना कलेक्शन किया है।

फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' के पहले दिन के कलेक्शन के शुरुआती आंकड़े सामने आने लगे हैं। पहले दिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी। ओपनिंग डे पर फिल्म ने खबर लिखे जाने तक सिर्फ 63 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। देर रात इस आंकड़े में बढ़ोतरी हो सकती है। बताया जाता है कि इस फिल्म का बजट 42 करोड़ रुपये है। इस लिहाज से फिल्म की कमाई बहुत बताई जाती है।

रश्मिका मंदाना की पिछली पांच फिल्में काफी कामयाब रहीं। उनकी पहले दिन की कमाई काफी अच्छी रही। उनके मुकाबले 'द गर्लफ्रेंड' का पहले दिन का कलेक्शन काफी कम है। रश्मिका की पिछली पांच फिल्में थामा, कुबेर, सिकंदर, छावा, और पुष्पा 2 हैं। इनकी पहले दिन की कमाई 10 से लेकर 31 करोड़ के बीच है।

रश्मिका मंदाना और दीक्षित शेट्टी की अदाकारी वाली फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' आज सिनेमाघरों में 'हक' और 'जटाधरा' से टकरा गई है।

इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' ने पहले दिन 72 लाख रुपये कमाए हैं। वहीं सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'जटाधरा' ने 37 लाख रुपये कमाए हैं।

फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में रश्मिका मंदाना और दीक्षित शेट्टी के अलावा अनु इमैनुएल, रोहिणी, कौशिक मेहता और राव रमेश हैं। इसका निर्देशन और लेखन राहुल रवींद्रन ने किया है। फिल्म के निर्माता अल्लू अरविंद, धीरज मोगीलिनेनी और कोप्पिनीदी विद्या हैं।

दीपिका कक्कड़ के लिवर का 22% हिस्सा काटकर निकाला गया

'ससुराल सिमर का' शो से मशहूर हुईं एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ लिवर कैंसर से बहादुरी से जूझ रही हैं। इस सफर में उनकी मजबूती ने उनके फैंस के मन में उनके लिए और भी इज्जत पैदा कर दी है। हाल ही में, भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट पर बातचीत में, दीपिका ने अपने कैंसर के इलाज और उससे हुए भावनात्मक तनाव के बारे में बात की।

उन्होंने यह भी बताया कि उनका परिवार अब उनके नए स्कैन का इंतजार कर रहा है, जिससे पता चलेगा कि वह कैंसर मुक्त हैं या नहीं।

अपने स्वास्थ्य पर अपडेट देते हुए दीपिका कक्कड़ ने बताया कि वह नवंबर की शुरुआत में एक और एफएपीआई स्कैन के लिए तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'नवंबर के पहले हफ्ते में मैं फिर से अपना एफएपीआई स्कैन करवाऊंगी।

एफएपीआई स्कैन सीटी स्कैन के जैसा है, लेकिन इसका उपयोग विशेष रूप से शरीर में कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने के लिए किया जाता है। यह डॉक्टरों को यह समझने में मदद करता है कि सर्जरी या उपचार शुरू करने से पहले कैंसर कितनी दूर तक फैल सकता है। मेरे लिए, अल्हम्दुलिल्लाह, सबसे अच्छी बात

यह है कि मेरे मामले में, कैंसर ट्यूमर तक ही सीमित था। मेरे पिछले एफएपीआई स्कैन के दौरान, शरीर में कहीं और कैंसर कोशिकाएं नहीं पाई गईं। मेरे लिवर का लगभग 22% हिस्सा, जिसमें 11 सेंटीमीटर का ट्यूमर शामिल था, सर्जरी करके निकाल दिया गया।'

उन्होंने आगे कहा, 'तब से हम ब्लड और ट्यूमर मार्कर टेस्ट के जरिए मेरी स्थिति पर नियमित रूप से नजर रख रहे हैं और शुक्र है कि सभी परिणाम सामान्य आ रहे हैं। हालांकि, मैं फिलहाल ओरल टार्गेटेड थेरेपी ले रही हूं, जो कुछ हद तक कीमोथेरेपी की तरह काम करती है। यह उपचार दो साल तक चलेगा, इस दौरान हम सतर्क रहेंगे कि बीमारी दोबारा न हो। इसलिए हर चीज पर नजर रखने के लिए समय-समय पर स्कैन जरूरी हैं।'

दीपिका कक्कड़ ने यह भी बताया कि कैसे उनके डॉक्टर भी उन्हें देखकर हैरान रह गए थे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मेरे सर्जन हैरान थे। उन्होंने मुझे बताया कि इतने सालों के अनुभव के बावजूद, वे यह नहीं समझा पाए कि मेरे साथ ऐसा कैसे हुआ। मैंने जिन भी डॉक्टरों से सलाह ली, उन्होंने एक ही बात कही, कोई स्पष्ट कारण नहीं है। बेशक। मैंने कभी धूम्रपान नहीं किया है और मेरी लाइफस्टाइल हमेशा काफी संतुलित रही है'।

सलमान ने खोली तान्या मित्तल के गेम प्लान की पोल

टीवी शो बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान तान्या मित्तल की क्लास लगाएंगे और उनके गेम प्लान की पोल खोलेंगे। शो के नए प्रोमो में सलमान कहते दिखे - तान्या, आपका नॉमिनेशन प्लान तो फेल हो गया। बिग बॉस ने तो आपको अमाल का ऑप्शन ही नहीं दिया। आपने इतना बिल्डअप किया कि मैं सबके सामने अमाल को भैया बोलूंगी। जलाना चाह रही थीं, उकसाना चाह रही थीं। सलमान का इशारा उस एपिसोड की ओर था, जब तान्या ने खुद को अमाल की बहन जैसे बताया था और सबके सामने उन्हें भाई कहा था। वहीं, नॉमिनेशन को लेकर तान्या ने बिग बॉस से यह भी कहा था कि उन्हें अमाल और किसी एक कंटेस्टेंट में से चुनने का ऑप्शन दिया जाए, ताकि वो अमाल को नॉमिनेट करने का कारण बता सकें, लेकिन उन्हें ऐसा मौका नहीं मिला। बता दें कि इस हफ्ते पांच कंटेस्टेंट अभिषेक बजाज, अशनूर कौर, गौरव खन्ना, नीलम गिरी और फरहाना भट नॉमिनेट हुए हैं। इसी बीच प्रणीत मोरे की बिग बॉस के घर में वापसी हुई। वह हेल्थ इश्यू की वजह से घर से बाहर गए थे। उनकी एंट्री से कुछ घरवाले खुश नजर आए, लेकिन फरहाना और तान्या उनसे दूर रहीं। कैप्टन अमाल मलिक ने प्रणीत को कोई जिम्मेदारी नहीं दी। वहीं, घर का माहौल फिर गरम हो गया। फरहाना और अमाल के बीच झगड़ा हुआ। अमाल ने फरहाना को अपनी प्लेट धोने को कहा। फरहाना ने मना कर दिया, जिससे कुनिका और फरहाना के बीच बहस हो गई। तान्या ने खुद प्लेट धो दी, जिस पर कुनिका नाराज हुईं और बोलीं कि तान्या सिर्फ फुटेज के लिए ऐसा करती हैं।

रूस से तेल खरीदने की हंगरी को मिली छूट

राष्ट्रपति ट्रंप- पीएम ओरबान की मुलाकात ने बढ़ाई यूरोप में हलचल

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान को रूस से तेल खरीदने के लिए प्रतिबंधों से छूट दी है। दोनों दक्षिणपंथी नेताओं की व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान ट्रंप और ओरबान ने एक-दूसरे की खुलकर प्रशंसा की। बता दें कि ट्रंप के दोबारा सत्ता में लौटने के बाद व्हाइट हाउस में यह ओरबान की पहली मुलाकात है। बैठक में ओरबान ने कहा कि यूक्रेन के लिए रूस को हराना एक चमत्कार होगा, जिससे उनके रुख और अन्य यूरोपीय नेताओं के बीच स्पष्ट मतभेद दिखा।

यह बैठक हंगरी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि

हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने इस मुलाकात को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने ने एक्स पर बताया कि यह फैसला उनके देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने हंगरी को क्यों दी छूट?

राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले बताया था कि हंगरी को उसकी भौगोलिक स्थिति के कारण राहत दी जाएगी, क्योंकि यह भू-आवेष्ठित देश समुद्री मार्ग से आयात नहीं कर सकता और उसे पाइपलाइन के जरिए ही ऊर्जा आपूर्ति मिलती है।

रूसी ऊर्जा को लेकर ओरबान का तर्क

ओरबान ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए यूरोपीय संघ के बाकी सदस्यों के दबाव का अक्सर विरोध किया है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि रूसी ऊर्जा उनके देश के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने भी कहा कि पाइपलाइन कोई वैचारिक या राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक भौतिक आवश्यकता है, क्योंकि हंगरी के पास बंदरगाह नहीं हैं। हंगरी यूरोपीय संघ में ट्रंप और क्रेमलिन दोनों का करीबी सहयोगी माना जाता है। इसने पहले ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बुडापेस्ट में शिखर बैठक की पेशकश की थी, लेकिन यूक्रेन पर हमले को लेकर असहमति बढ़ने पर ट्रंप ने अक्तूबर में यह बैठक रद्द कर दी थी।

ट्रंप ने रूसी तेल कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

ट्रंप प्रशासन ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं और अमेरिकी कंपनियों को एक महीने के भीतर उनसे संबंध खत्म करने का निर्देश दिया है।

दोनों नेताओं ने की एक-दूसरी की प्रशंसा

इस मुलाकात को विशेषज्ञ ओरबान के लिए एक प्रतीकात्मक जीत मान रहे हैं, जो अगले साल होने वाले चुनावों से पहले आर्थिक सुस्ती और बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने यूरोपीय संघ के नेताओं से ओरबान के प्रति अधिक सम्मान दिखाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हंगरी और उसके नेता का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने प्रवासन के मुद्दे पर सही रुख अपनाया है।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

हालांकि, ट्रंप के ईयू पर लगाए गए शुल्कों से हंगरी की कार उद्योग पर गहरा असर पड़ा है, जिससे उसकी कमजोर अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। राजनीतिक विश्लेषक डैनियल हेगेडस का कहना है कि ट्रंप का यह कदम ओरबान को घरेलू मोर्चे पर मजबूती देगा और यूरोपीय संघ के भीतर विभाजन पैदा करने वाली ताकतों को बल देगा।

अनिल अंबानी की एक साल पुरानी कंपनी में इस्तीफों की झड़ी, जानिए क्या है मामला

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। दिग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनकी कंपनी रिलायंस पावर के रिन्यूएबल एनर्जी वेंचर रिलायंस एनयू एनर्जीज में हालात ठीक नहीं हैं। लॉन्च होने के करीब एक साल के अंदर ही कंपनी के सीईओ मयंक बंसल और सीओओ राकेश स्वरूप ने इस्तीफा दे दिया है। ये दोनों ही रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की बड़ी कंपनी नवीकरण से आए थे।

इन दोनों बड़े अधिकारियों के अलावा, करीब एक दर्जन और एग्जीक्यूटिव्स ने भी कंपनी छोड़ दी है। यह सब तब हो रहा है जब अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों पर लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो गई है। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 7,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति फ्रीज की थी। इसमें ऑफिस, घर और 132 एकड़ से ज्यादा जमीन शामिल है।

इंडस्ट्री के एक सूत्र ने बताया कि अनिल अंबानी ग्रुप में चल रही उथल-पुथल के कारण एनयू एनर्जी यूनिट से कई लोगों ने नौकरी छोड़ दी है।

ऐसे में नए लोगों को ढूंढने में थोड़ा समय लग सकता है। मयंक बंसल और राकेश स्वरूप ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

हालांकि रिलायंस पावर के एक प्रवक्ता ने ईमेल के जरिए बताया कि मयंक बंसल और राकेश स्वरूप ने 30 सितंबर को इस्तीफा दिया था ताकि वे अपने खुद के नए बिजनेस शुरू कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ और कर्मचारियों ने भी स्वेच्छा से उनके साथ

जाने का फैसला किया है। इन लोगों को बंसल और स्वरूप ही लाए थे और अब वे उनके नए वेंचर में शामिल होना चाहते हैं। कंपनी का कहना है कि एनयू एनर्जी के पास अभी भी एक मजबूत इंटरनल लीडरशिप टीम और कुशल कर्मचारियों का समूह है। वे कई अनुभवी लोगों को कंपनी में लाने की प्रक्रिया में हैं ताकि संगठन को और मजबूत किया जा सके। कंपनी ने यह भी साफ किया कि प्रोजेक्ट्स पर काम पहले की तरह चल रहा है और मौजूदा टीम ही इसका नेतृत्व कर रही है।

चिंता का विषय

यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। ईडी ने हाल ही में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में उनकी काफी संपत्ति जब्त की है। यह घटनाक्रम रिलायंस एनयू एनर्जी के भविष्य को लेकर सवाल खड़े कर रहा है, खासकर तब जब कंपनी अपनी क्लीन एनर्जी की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में बड़े अधिकारियों का जाना और कंपनी की संपत्ति का फ्रीज होना, दोनों ही चिंता का विषय हैं।

बिहार में लगेगी 2400 एमडब्ल्यू की नई यूनिट, अडानी पावर को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के बाद 2,400 मेगावाट की भागलपुर ताप बिजलीघर का ठेका अडानी पावर लिमिटेड को दे दिया है. इस कंपनी ने तीन अन्य दावेदारों की तुलना में सबसे कम बिजली दर की बोली लगाई थी. निविदा प्रक्रिया से जुड़े सूत्रों ने कहा कि अडानी पावर ने इस परियोजना के लिए 6.075 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई थी जो टोरेंट पावर, जेएसडब्ल्यू एनर्जी और ललितपुर पावर जनरेशन की बोलियों की तुलना में सबसे कम है.

इस दर में 4.165 रुपये प्रति यूनिट का स्थायी शुल्क और 1.91 रुपये प्रति यूनिट का ईंधन शुल्क शामिल है. बिहार सरकार ने इसे 'अत्यंत प्रतिस्पर्धी दर' बताते हुए कहा कि हाल में मध्य प्रदेश में इसी तरह की एक परियोजना के लिए लगाई गई बोली में स्थायी शुल्क 4.222 से 4.298 रुपये प्रति यूनिट रहा है. राज्य सरकार ने यह खुली निविदा राज्य की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए जारी की थी. अनुमान है कि 2034-35 तक राज्य की बिजली मांग दोगुनी होकर 17,000 मेगावाट से अधिक हो जाएगी.टोरेंट पावर ने इसके लिए 6.145 रुपये प्रति यूनिट, ललितपुर पावर ने 6.165 रुपये प्रति यूनिट और जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 6.205 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई थी. सूत्रों ने कहा कि सभी प्रस्तावों का मूल्यांकन ई-बोली प्रणाली से किया गया ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे. इस परियोजना में लगभग 30,000 करोड़ रुपये का निवेश होने की संभावना है, जिससे राज्य में औद्योगिक गतिविधि और रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि होगी. परियोजना के लिए चिह्नित जमीन राज्य सरकार के स्वामित्व में है और उसे किराये पर बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति, 2025 के तहत पट्टे पर दिया गया है. परियोजना की अवधि पूरी होने के बाद वह जमीन फिर से राज्य सरकार को मिल जाएगी. अधिकारियों ने कहा कि अडानी पावर को कोई विशेष छूट नहीं दी गई है और कंपनी को ही इस बिजली संयंत्र का विकास एवं संचालन करना होगा. भागलपुर परियोजना को सबसे पहले 2012 में बिहार राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड ने प्रस्तावित किया था, लेकिन पर्याप्त निवेशक न मिलने के कारण इसे 2024 में नए सिरे से शुरू किया गया.

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का चौथा दौर सफल

व्यापार और निवेश में नई संभावनाओं के खुलने की उम्मीद

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के चौथे दौर की वार्ता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। दोनों पक्षों के बीच पांच दिनों तक रचनात्मक और दूरदर्शी चर्चा हुई। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले ने इस दौरान हुई स्थिर प्रगति की सराहना की। साथ ही एक आधुनिक, व्यापक और भविष्य के लिए तैयार एफटीए की दिशा में काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इन अहम मुद्दों पर हुई बातचीत

चर्चा में वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, आर्थिक सहयोग और उत्पत्ति के नियमों जैसे अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। दोनों पक्षों ने आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने व एक-दूसरे के लिए लाभदायक साझेदारी विकसित करने की साझा प्रतिबद्धता जताई।

दोनों देशों ने जताई प्रतिबद्धता

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक समृद्धि और सुरक्षित सप्लाई चेन को बढ़ावा देने के लिए गहरे आर्थिक साझेदारी के प्रति अपने संकल्प को दोहराया।मंत्रियों ने कहा कि प्रस्तावित एफटीए से दोनों देशों के बीच व्यापार प्रवाह में बढ़ोतरी, निवेश संबंधों में मजबूती, सप्लाई चेन की लचीलापन में सुधार और कारोबारियों के लिए बेहतर बाजार पहुंच सुनिश्चित होगी। दोनों देशों ने इस प्रक्रिया को जल्द पूरा करने और एक संतुलित व पारस्परिक रूप से लाभदायक समझौते तक पहुंचने की प्रतिबद्धता जताई।

वित्त वर्ष 2025 में दोनों पक्षों के बीच हुआ 1.3 अरब डॉलर का कारोबार

बता दें कि वित्त वर्ष 2024-25 में न्यूजीलैंड के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 1.3 अरब डॉलर रहा। यह 49 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि को दर्शाता है। प्रस्तावित एफटीए से कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में और अधिक संभावनाएं खुलने की उम्मीद है, जिससे व्यवसायों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

ग्रामीण भारत ने शहरी इलाकों को पछाड़ा

आसान कर्ज और अच्छी बारिश से बढ़ा उपभोग

नई दिल्ली,8 नवंबर (एजेंसियां)।देश में उपभोग की रफ्तार अब शहरों से ज्यादा गांवों में देखने को मिल रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की ताजा इकोस्कोप रिपोर्ट 'रूरल रूल्स, अर्बन फॉलोज' के मुताबिक, आय में बढ़ोतरी, कर्ज की आसान उपलब्धता और बेहतर मानसून के कारण ग्रामीण भारत में खपत तेजी से बढ़ी है।

शहरों को बढ़ावा मिलने के बावजूद गांवों के हालात अधिक बेहतर

सरकार ने शहरी उपभोग को बढ़ाने के लिए आयकर में कटौती और जीएसटी सुधार जैसे कदम उठाए, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण इलाकों में खपत ज्यादा बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही से ग्रामीण खपत में लगातार इजाफा हो रहा है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में यह 7.7% की सालाना दर से बढ़ी। यह पिछली 17 तिमाहियों में सबसे तेज है।

क्यों बढ़ी ग्रामीण खपत?

आय गारंटी योजनाएं: सरकार की योजनाओं से ग्रामीण लोगों की आय में सुधार हुआ।

बेहतर मानसून: अच्छी बारिश से खेती में बढ़ोतरी हुई।

कर्ज की उपलब्धता: एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) ने ग्रामीण इलाकों में कर्ज देना आसान किया।

कम लागत और स्थिर एमएसपीः खेती की लागत घटी और न्यूनतम समर्थन मूल्य स्थिर रहा, जिससे किसानों की आमदनी बढ़ी।

शहरी खपत में सुस्ती, लेकिन उम्मीद बाकी

हालांकि शहरी इलाकों में भी कुछ सुधार देखने को मिला है, लेकिन वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में वहां की खपत धीमी रही। त्योहारों के मौसम से पहले पेट्रोल की मांग और गैर-कृषि आयात जैसे संकेतकों में सुधार देखा गया है, जिससे उम्मीद है कि तीसरी तिमाही में शहरी खपत में तेजी आएगी।

किन क्षेत्रों में कैसी रही मांग?

ऑटो और ज्वेलरीः इन क्षेत्रों में अच्छी बिक्री देखी गई

एफएमसीजी, फुटवियर, टेक्सटाइल्सः इन क्षेत्रों में मिला-जुला प्रदर्शन रहा।

रिटेल और मॉल्सः अक्तूबर में मॉल्स में भीड़ बढ़ी और ई-वे बिल, पेट्रोल खपत जैसे संकेतक मजबूत रहे।

देश में मांग पर अब आगे क्या उम्मीद है?

रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण मांग आने वाले समय में भी मजबूत बनी रह सकती है। इसकी वजह है बढ़ती मजदूरी, अच्छी रबी फसल की संभावना और कम महंगाई। वहीं, त्योहारों के चलते शहरी मांग में भी सुधार की उम्मीद है, खासकर आभूषण जैसे उत्पादों में।

आर्थिक वृद्धि दर पर क्या अनुमान?

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 में देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8% रहने की संभावना है। अगर टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताएं कम होती हैं, तो इसमें 0.2% से 0.3% तक की और बढ़ोतरी हो सकती है।

केरल में भारी जुर्माने के विरोध में तमिलनाडु की ओमनी बस सेवाएं ठप, यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं

चेन्नई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के ऑल ओमनी बस एसोसिएशन ने पड़ोसी राज्य केरल में अपनी बस सेवाएं निलंबित करने की घोषणा की है।

यह कदम केरल सरकार की ओर से एसोसिएशन पर भारी जुर्माना लगाए जाने के विरोध में उठाया गया है। एसोसिएशन ने बताया कि यह फैसला 7 नवंबर की रात से प्रभावी होगा। इस निर्णय से सैकड़ों यात्रियों, खासकर सबरीमाला यात्रा पर जाने वाले अय्यप्पा भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

केरल परिवहन विभाग पर लगाए गंभीर आरोप

एसोसिएशन ने दावा किया है कि केरल परिवहन विभाग ने कथित परमिट उल्लंघन के लिए कुल 70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और 30 से अधिक बसों को जब्त कर लिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष ए.

अनबालागन ने कहा कि चेन्नई, कोयंबटूर, मदुरै और अन्य स्थानों से आने वाली बसों पर प्रति बस 2 लाख रुपये से 2.5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया गया है। केरल परिवहन विभाग ने 7 नवंबर को अचानक जुर्माना लगा दिया, जिससे हमारे यात्रियों और हमें भी परेशानी हुई। उन्होंने कहा कि अचानक की गई इस कार्रवाई से यात्री परेशान हो गए और दावा किया कि 150 बसों की बुकिंग रद्द कर दी गई। एसोसिएशन ने तमिलनाडु सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने और इस मुद्दे को सुलझाने की अपील की है।

40 साल में 1 करोड़ का कॉर्पस, एक्सपर्ट ने बताया कैसे हो सकता है यह संभव

नई दिल्ली,8 नवंबर (एजेंसियां)। बहुत से युवा 40 की उम्र तक 1 करोड़ रुपये जमा करने का लक्ष्य रखते हैं। रिटायरमेंट प्लानर मिलिंद देवगांवकर का कहना है कि यह लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब युवा सिर्फ ज्यादा रिटर्न के पीछे भागने की बजाय लगातार निवेश पर ध्यान दें। देवगांवकर ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में लिखा कि 40 की उम्र तक 1 करोड़ रुपये का फंड बनाना ज्यादातर युवाओं के लिए आसान नहीं होगा। इसके लिए लंबे समय तक टिके रहने की जरूरत है। देवगांवकर बताते हैं, मैं हर महीने कम से कम दो बार अपने क्लाइंट्स से सुनता हूं जिनकी उम्र 30 के आसपास है कि मुझे 40 तक करोड़पति बनना है।' उन्होंने यह भी बताया कि कई लोग असली नतीजे दिखने से बहुत पहले ही निवेश करना छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा, ज्यादातर लोग 15 साल तक

निवेश नहीं कर पाते। यह कड़वी सच्चाई है। मेरे अनुभव में, 10 में से 6 निवेशक 3-5 साल के अंदर अपनी एसआईपी रोक देते हैं या बंद कर देते हैं।

देवगांवकर के अनुसार, निवेशक कई कारणों से अपना निवेश निकाल लेते हैं। जैसे शादी, घर खरीदने के लिए डाउन पेमेंट, कार बदलना या नौकरी बदलना। वह कहते हैं, कागजों पर गणित बहुत अच्छा लगता है, लेकिन असली चुनौती नौकरी छूटने, बाजार में गिरावट आने या परिवार में कोई इमरजेंसी होने पर भी निवेशित रहने की है। देवगांवकर ने 25 और 30 साल के लोगों के उदाहरण देकर बताया है कि उन्हें 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य पाने के लिए हर महीने कितनी एसआईपी करनी होगी। उन्होंने यह भी बताया कि यह लक्ष्य असल में संभव होने के बावजूद आसान क्यों नहीं है। देवगांवकर ने ये स्थितियां बताई हैं। मान लीजिए आप 25 साल की उम्र में शुरुआत करते हैं और आपकी सालाना कमाई 12 लाख रुपये है। आपको हर महीने 21,500 रुपये एसआईपी की जरूरत होगी। यह आपकी इन-हैंड सैलरी का लगभग 25% है। मान लीजिए 12% सालाना रिटर्न मिलता है। ऐसी स्थिति में आप 40 साल की उम्र तक 1 करोड़ रुपये का कॉर्पस बना सकते हैं। लेकिन इसमें एक पेंच है कि इस इनकम ब्रैकेट के ज्यादातर लोग अपनी लाइफस्टाइल को अपनी इन्वेस्टमेंट से ज्यादा तेजी से बढ़ाते हैं। दूसरी स्थिति यह है कि आप 30 साल की उम्र में शुरुआत करते हैं और आपकी सालाना कमाई 18 लाख रुपये है।

भारत बनेगा वैश्विक निवेश का ध्रुव

नीति आयोग के सीईओ बोले- जल्द मिलेगी अमेरिका से व्यापार समझौते की खुशखबरी

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने विश्वास जताया कि इस माह के अंत तक अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर सकारात्मक खबरें आएंगी। अमेरिका के साथ हालात थोड़े मुश्किल रहे हैं। इसे फिर से पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही है। व्यापार वार्ताएं चल रही हैं। सीईओ ने कहा, भारत लगातार विदेशी निवेश आकर्षित कर रहा है। अमेरिकी कंपनियां भारत में वैश्विक क्षमता केंद्र खोल रही हैं। इसका मतलब भारत का मूल आकर्षण बाकी सब चीजों पर भारी पड़ेगा।उनकी यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। अमेरिकी टैरिफ से व्यापार संबंधी चिंताओं के मद्देनजर दुनिया उतार-चढ़ाव से गुजर रही है, जहां व्यापार स्थिर है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश स्थिर या घट रहा है।सुब्रह्मण्यम ने कहा कि दुनिया उस दिशा में बढ़ रही है जहां कम विकास दर एक सामान्य बात है। और इस सब में भारत अलग उदाहरण है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे उज्ज्वल स्थान है, और यही इसे महत्वपूर्ण बनाता है। भारत उज्ज्वल है क्योंकि इसका आकार व बाजार बड़ा है। इसमें नवोन्मेषी प्रतिभाएं हैं। भारत ऐसा ध्रुव होगा जो बाकी को आकर्षित करेगा। इसलिए हमें चुनाव करने के लिए मजबूर होने के बजाय दूसरे लोग भारत की ओर रुख करने के लिए बाध्य होंगे। सीईओ ने कहा, भारत बेहतर स्थिति में है। इसलिए जरूरी नहीं है कि भारत अमेरिका और ब्रिक्स के बीच किसी एक का पक्ष ले। लोग भारत के साथ तालमेल बिठाने के लिए अपनी राह खुद तय करेंगे। हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। आपको थोड़े ज्यादा अशांत समय में रहना पड़े, चाहे वह युद्ध हो, अर्थव्यवस्था हो, टैरिफ हो, तो आंतरिक शक्तियों का निर्माण करें। भारत जितना ज्यादा अपनी आंतरिक शक्ति का निर्माण करेगा, दुनिया उतनी ही ज्यादा हमारी ओर सकारात्मक दृष्टि से देखेगी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-18
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-41
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष रविवार 09 Nov
तिथि - पंचमी 01-55 तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - आर्द्रा 20-04 तक पुनर्वसु
योग - सिद्ध 15-02 तक साध्य
करण - कौलव 15-05 तक उप तैतिल
व्रत श्री मायानन्द चैतन्य जयन्ती
त्योहार वक्री बुध रात्री से

ग्रह स्थिति		लग्नारम्भ समय	
सूर्य - तुला	में	तुला	04-44 बजे
चंद्र - मिथुन	में	वृश्चिक	06-53 बजे
मंगल- वृश्चिक	में	धनु	09-07 बजे
बुध - वृश्चिक	में	मकर	11-14 बजे
गुरु कर्क	में	कुंभ	13-04 बजे
शुक्र - तुला	में	मीन	14-42 बजे
शनि मीन	में	मेष	16-18 बजे
राहु कुंभ	में	वृष	18-03 बजे
केतु सिंह	में	मिथुन	20-03 बजे
		कर्क	22-16 बजे
		सिंह	00-28 बजे
		कन्या	02-34 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-15 से 17-40 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 06-19 - 07-44 अशुभ	शुभ। 17-39 - 19-15 शुभ
चंचल 07-44 - 09-09 शुभ	अमृत 19-15 - 20-50 शुभ
लाभ 09-09 - 10-35 शुभ	चंचल 20-50 - 22-25 शुभ
अमृत 10-35 - 11-59 शुभ	रोग 22-25 - 00-00 अशुभ
काल 11-59 - 13-25 अशुभ	काल 00-00 - 01-35 अशुभ
शुभ 13-25 - 14-50 शुभ	लाभ 01-35 - 03-10 शुभ
रोग 14-50 - 16-15 अशुभ	उत्पात 03-10 - 04-45 अशुभ
उत्पात 16-15 - 17-39 अशुभ	शुभ 04-42 - 06-19- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा । आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए । अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं.लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें । आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा ।अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो ।शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे। अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें । अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा और आपको जल्दी ख़ुशी मिलेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी ।आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बृहस्पति सिंह बोले-जिलाध्यक्ष बनाने 5-7 लाख मांग रही सह-प्रभारी जरिता

कहा- सरगुजा संभाग में कई शिकायतें, कांग्रेस ने बताया आरोप झूठे, लैतफलांग बोलीं- नो कमेंट्स

रायपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस जिलाध्यक्षों की नई सूची अभी नहीं आई है, लेकिन हर दिन नए विवाद सामने आ रहे हैं। अब कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह ने कांग्रेस प्रदेश सह प्रभारी जरिता लैतफलांग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष बनाने के नाम पर दावेदारों से सह प्रभारी 5 से 7 लाख रुपए तक की रिश्वत मांग रही है।

बृहस्पति सिंह का कहना है कि, बलरामपुर, बैकुंठपुर, अंबिकापुर, सूरजपुर और जशपुर जिलों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं। दावेदारों को एक नंबर से कॉल आ रहे हैं। जिसमें खुद को जरिता मैडम का पीए बताकर कहा जाता है कि जरिता जी बात करेंगी, फिर एक महिला की आवाज में '5 से 7 लाख दो, जिलाध्यक्ष बना देंगे' जैसी बातें कही जा रही हैं।

बृहस्पति सिंह ने कांग्रेस की पूर्व छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी शैलजा पर भी बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा टिकट बांटने के वक्त भी शैलजा ने कई प्रत्याशियों से पैसे वसूले थे। शैलजा की वजह से छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमजोर हुई और अब वही सिलसिला फिर दोहराया जा रहा है।

इन आरोपों पर जरिता लैतफलांग ने नो कमेंट कहकर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बृहस्पति सिंह के आरोप पूरी तरह निराधार और राजनीति से प्रेरित हैं। वहीं अंबिकापुर कोतवाली थाने में कांग्रेसियों ने बृहस्पति सिंह पर मानहानि केस में एफआईआर करने आवेदन सौंपा है।

बृहस्पति सिंह ने कहा कि अभी पूरे देश में राहुल गांधी और कांग्रेस हाईकमान ने बहुत अच्छा निर्णय लिया है। हर राज्य से पर्यवेक्षक भेजकर कार्यकर्ताओं के बीच में हर ब्लॉक, हर विधानसभा में जाकर उनकी राय लेकर जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करना चाहते हैं। जिससे सेवाभाव से काम करने वाले लोगों की नियुक्ति हो सके।

लेकिन अभी-अभी जो खबर आ रही है कि कल से लगातार फोन आ रहे हैं। बलरामपुर, बैकुंठपुर, अंबिकापुर, सुरजपुर और जशपुर से जो अध्यक्ष के उम्मीदवार हैं, उनकी तरफ से बताया जा रहा है कि एक नंबर से फोन आ रहा है। जरिता मैडम का पीए बोलता है, जरिता मैडम बात करेंगी और एक महिला फोन लगाती है। आवाज तो कुछ लोग पहचानते हैं।

जरिता मैडम जो छत्तीसगढ़ कांग्रेस की सह प्रभारी हैं। उनका नाम आ रहा है। कोई बोल रहा है, 5 लाख, 7 लाख दो, हम आपको अध्यक्ष बना देंगे। पहले जो हमारी राज्य की प्रभारी थीं शैलजा मैडम। ऐसे ही जब विधानसभा का चुनाव हुआ था, तब कई विधायक उम्मीदवारों से उन्होंने पैसे वसूले थे। गलत जानकारी देकर छत्तीसगढ़ को डूबाने की भूमिका निभाई थी।

यहां से जाने के बाद हरियाणा में भी उनकी भूमिका वही रही। जिसकी वजह से कांग्रेस ने उनको दरकिनार कर दिया। उसी राह पर आज जरिता मैडम हैं।

कांग्रेस ने बृहस्पति सिंह के आरोपों को बताया झूठा

छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बृहस्पति सिंह के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने कहा कि, बृहस्पति सिंह के आरोप बेबुनियाद हैं। वो कांग्रेस से निष्कासित हैं। कांग्रेस में आने का प्रयास भी कर रहे थे, लेकिन उनके आवेदन पर विचार नहीं हुआ है। मुझे ऐसा लगता है कि वो राजनीति से प्रेरित आरोप लगा रहे हैं।

इस पूरे विवाद पर जब हमने सहप्रभारी जरिता लैतफलांग से बात की और उनकी प्रतिक्रिया जाननी चाही, तो उन्होंने नो कमेंट कहकर, इस विषय पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

बृहस्पति सिंह के बयान को लेकर कांग्रेसियों ने अंबिकापुर कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराने आवेदन सौंपा है। सरगुजा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक और नगर निगम के सभापति शफी अहमद के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता साथ रहे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि बृहस्पति सिंह उटपटांग बयान देते रहते हैं। वे कांग्रेस से निष्कासित हैं। पूर्व में जब प्रदेश में भूपेश सरकार बने ढाई साल हुए तो उन्होंने टीएस सिंहदेव पर आरोप लगाया था कि सिंहदेव अपने भतीजे के माध्यम से मेरी हत्या करना चाहते हैं।

पाठक ने कहा कि साजिश के तहत कांग्रेस को कमजोर करने और बड़े नेताओं को बदनाम करने के लिए बृहस्पति ऐसा बयान देते हैं। कोतवाली थाने में मानहानि का अपराध दर्ज करने के लिए आवेदन सौंपा गया है।

औरंगाबाद में 20 मिनट तक फंसा रहा चिराग का हेलिकॉप्टर

पंखे में प्लास्टिक के फंसने से नहीं मिली टेकऑफ की परमिशन, बाहर घूमते दिखे केंद्रीय मंत्री

औरंगाबाद, 8 नवंबर (एजेंसियां)। औरंगाबाद में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे लोजपा (रामविलास) के चीफ और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का हेलिकॉप्टर टेक्निकल कारणों से करीब 20 मिनट तक उड़ान नहीं भर सका।

चिराग पासवान कभी हेलिकॉप्टर के अंदर बैठे रहे, तो कभी बाहर घूमते दिखे। जानकारी के मुताबिक, हेलिकॉप्टर के पंखे में प्लास्टिक के फंस जाने के कारण टेकऑफ को रोका गया था। बाद में प्लास्टिक के हटाने के बाद उनके हेलिकॉप्टर को उड़ान को अनुमति दी गई।

दो दिन पहले ही बसडीहा खेल मैदान में चिराग पासवान की सभा प्रस्तावित थे। सभा स्थल पर काफी संख्या में लोग पहुंचे थे लेकिन चिराग पासवान सभा में नहीं पहुंचे। जिसके कारण समर्थकों में काफी नाराजगी थी। जिसे देखते हुए एनडीए की ओर से उसी मैदान में फिर चिराग पासवान की जनसभा आयोजित की गई।

चिराग पासवान शनिवार को औरंगाबाद विधानसभा क्षेत्र के फेसर स्थित बसडीहा खेल मैदान में एनडीए प्रत्याशी त्रिविक्रम नारायण सिंह के पक्ष में वोट अपील के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जनता से अपील की कि बिहार में स्थिर और विकास को बढ़ाने वाली सरकार के लिए एनडीए प्रत्याशी को वोट दें।

चिराग पासवान ने जनता से अपील की कि वे जाति और धर्म की राजनीति से ऊपर उठकर विकास के मुद्दों पर मतदान करें। उन्होंने कहा कि आज बिहार बदल रहा है और युवा अब अवसर चाहता है, न कि बहाना। हमारा संकल्प है कि बिहार में रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं हर घर तक पहुंचें।

सभा में उन्होंने अपने पिता, दिवंगत रामविलास पासवान के सपनों को भी याद किया और कहा कि लोजपा (रामविलास) उसी विरासत को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हर वर्ग के सम्मान और समान अधिकार के लिए संघर्षरत है।

दलाल को 5 हजार देकर भारत पहुंचा बांग्लादेशी युवक

बिना पासपोर्ट–वीजा के रहा, दुर्ग से बंगाल जाते वक्त पकड़ाया, मुंबई पुलिस साथ ले गई

दुर्ग-भिलाई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को जीआरपी पुलिस ने बिना वैध दस्तावेज के गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास पासपोर्ट, वीजा या भारत में रहने का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला।

जानकारी के मुताबिक, मुंबई पुलिस से मिली गोपनीय सूचना के बाद दुर्ग जीआरपी ने कार्रवाई की। गिरफ्त में आने के बाद अजमीन अलीम शेख (19 साल) ने पुलिस को बताया कि दलाल को 5 हजार देकर वह भारत पहुंचा था।

गिरफ्तारी की सूचना के बाद छत्तीसगढ़ पहुंची मुंबई पुलिस आरोपी को साथ लेकर लौट गई है। 7 नवंबर को मुंबई पुलिस से दुर्ग जीआरपी को सूचना मिली थी कि एक बांग्लादेशी नागरिक, जिसके खिलाफ बिना पासपोर्ट और वीजा के मुंबई में रहने का मामला दर्ज है, शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस से बंगाल जा रहा है। वहां से वह बांग्लादेश भागने की फिराक में है। सूचना मिलते ही दुर्ग जीआरपी ने सतर्कता बरती और ट्रेन के दुर्ग स्टेशन पहुंचने से पहले प्लेटफॉर्म पर टीम तैनात कर दी। ट्रेन आते ही एस-1 कोच में दबिश दी गई, जहां से संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान अजमीर शेख, निवासी बांग्लादेश के रूप में हुई। जीआरपी थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी ने ट्रेन का जनरल टिकट खरीदा था, लेकिन बाद में टीटी से बात कर स्लीपर कोच (एस-1) में सीट बनवा ली थी। राजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी अजमीर शेख के पास किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेज पासपोर्ट, वीजा या पहचान पत्र नहीं मिला। उसके खिलाफ मुंबई में पहले से एफआईआर दर्ज है। दुर्ग जीआरपी के द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने की सूचना मिलने पर मुंबई पुलिस छत्तीसगढ़ पहुंचकर आरोपी को लेकर लौट गई है। मुंबई पुलिस फ्लाइट से रायपुर पहुंचकर सड़क मार्ग से दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंची। यहां पूछताछ और आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आरोपी को मुंबई साथ ले गई।

पुलिस के मुताबिक, अजमीर शेख मुंबई से भागकर कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश लौटने की कोशिश कर रहा था। उसकी गतिविधियों को देखते हुए यह भी संभावना जताई जा रही है कि उसके अन्य साथियों का नेटवर्क भी भारत में सक्रिय हो सकता है।

सीएम का मंच धंसा बाल-बाल बचे नीतीश

गयाजी, 8 नवंबर (एजेंसियां)। गयाजी के बेलागंज में जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मंच धंस गया। हालांकि, सिक्योरिटी ने समय रहते सीएम को वहां से निकाल लिया। बताया जा रहा है कि सभा के दौरान 2 बार मंच धंसा। दरअसल, जनसभा की शुरुआत में नीतीश कुमार के स्वागत में 20 किलो की माला पहनाने के लिए समर्थकों की भीड़ मंच पर चढ़ गई। लोग ज्यादा होने के कारण मंच बीच से धंस गया। इसकी आवाज भी आई।

जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने भीड़ को मंच से उतारा। जनसभा के आखिरी समय में भी मंच एक तरफ से धंसा, जिसके बाद सीएम सिक्योरिटी ने नीतीश कुमार को वहां से सुरक्षित निकाला।

इससे पहले औरंगाबाद के रफीगंज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को सभा की। उन्होंने कहा, पिछली सरकार ने कोई काम नहीं किया।

प्रेमिका ने की सगाई, ब्रिज से कूदा हाईकोर्ट का वकील

दोस्तों संग की शराब पार्टी, घर जा रहा हूं बोलकर निकला, नदी में मिली लाश

बिलासपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में हाईकोर्ट के वकील ने अरपा पुल से छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि वकील अपनी प्रेमिका से शादी करना चाहता था, लेकिन उसकी सगाई कहीं और हो गई थी, जिससे टेंशन में था। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम राहुल अग्रवाल (30) है, जो भाटापारा का रहने वाला था। वकील गुरुवार रात से लापता था। वकील की लाश शुक्रवार की रात अरपा नदी में मिली है, जबकि उसकी बाइक रामसेतु ब्रिज पर खड़ी मिली है।

दरअसल, भाटापारा निवासी राहुल अग्रवाल (30) पिता सुरेश अग्रवाल मंगला के ग्रीन गार्डन कॉलोनी में पिछले 7-8 साल से रह रहा था। गुरुवार को प्रेक्टिस करने हाईकोर्ट भी गया था। काम से लौटने के बाद शाम को नेहरू चौक पर अपने दोस्त मुकेश राठिया से मिला।

इसके बाद दोनों सिरगिट्टी महिंद्रा शो रूम चले गए। जहां सर्विसिंग के लिए दी गई कार लेने के बाद दोनों ट्रांसपोर्ट नगर पहुंचे। दोनों ने यहां मिलकर शराब पार्टी की। इसके बाद दोनों मुकेश के मोपका स्थित घर पहुंचे। यहां भी शराब पीने लगे। इस दौरान एक और दोस्त अभिषेक आचार्य भी आया, जो थोड़ी देर बाद चला गया।

गुरुवार रात करीब डेढ़ बजे मुकेश को राहुल घर जाने की बात कहने लगा। उसने कहा कि शुक्रवार को हाईकोर्ट में उसका केस लगा है, इसलिए जाना पड़ेगा। राहुल बाइक लेकर मंगला अपने घर के लिए निकला था, लेकिन वो घर नहीं पहुंचा। रात से परिजन उसे फोन लगा रहे थे, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ।

राहुल के परिजनों ने सुबह भी उसे कॉल किया, लेकिन उसका फोन बंद मिला। इसके बाद उन्होंने फ्लैट में खाना बनाने वाली बाई को कॉल किया। उसने बताया कि राहुल घर नहीं आया है। रात का खाना पड़ा हुआ है। इससे परेशान होकर परिजन सिविल लाइन थाना पहुंचे और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

सिटी कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत के बाद तलाश शुरू की। इस दौरान पुलिस ने रामसेतु ब्रिज पर रात करीब 3 बजे लावारिस हालत में एक बाइक मिली। पुलिस ने राहुल के परिजनों को सूचना दी।राहुल के परिजनों बाइक की पहचान की।

इसके बाद से उसके नदी में कूदकर खुदकुशी करने की आशंका जताई जा रही थी। शुक्रवार की रात करीब 10.30 बजे अरपा नदी के ऊपर ब्रिज पर खड़े कुछ युवक की नजर पानी में लाश पर पड़ी। इसके बाद उसने सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना दी। नदी में लाश मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

साथ ही राहुल के दोस्त भी पहुंचे। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने रात पौने 1 बजे शव को बाहर निकाला। राहुल के बैचमेट और हाईकोर्ट में साथ में प्रैक्टिस कर रहे कई युवा वकील भी मौके पर पहुंचे थे।

तेजस्वी यादव देवघर पहुंचे मीटिंग के बाद पूर्णिया रवाना

बोले– चुनाव के पहले चरण में ही एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने का काम किया

देवघर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मंगलवार रात देवघर पहुंचे और मोहनपुर प्रखंड के चोपड़ा मोड़ स्थित एक स्थानीय होटल में रुके।

बुधवार सुबह उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, जिसके बाद वे देवघर एयरपोर्ट से पूर्णिया के लिए रवाना हो गए। प्रस्थान से पहले, तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में बिहार चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया।

उन्होंने कहा कि इस बार बिहार की जनता ने महागठबंधन की सरकार बनाने का स्पष्ट निर्णय ले लिया है। तेजस्वी ने दावा किया, महागठबंधन की सरकार बन रही है। पहले चरण में ही एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने का काम किया गया है।

स्थानीय पार्टी नेताओं के अनुसार, तेजस्वी यादव का देवघर दौरा चुनावी तैयारियों और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से था। देर रात होटल में उन्होंने सीमित सदस्यों के साथ चुनावी रणनीति और आगामी रैलियों पर चर्चा की। सुबह हुई छोटी बैठक में भी कार्यकर्ताओं ने जोशीला समर्थन व्यक्त किया और भविष्य की गतिविधियों की रूपरेखा पर सहमति बनी। देवघर से रवाना होने से पहले, तेजस्वी यादव ने क्षेत्रीय लोकतांत्रिक ताकतों की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों मतदाता महागठबंधन के पक्ष में संकेत दे रहे हैं।

प्रेम-प्रसंग में विवाहिता ने फांसी लगाई

आरोपी ने ही दी परिजनों को जानकारी, अस्पताल भी लेकर गया, मोबाइल लेकर भागा

कोडरमा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कोडरमा थाना क्षेत्र के लरियाडीह गांव में बीती रात एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 24 वर्षीय पूजा देवी, पति अनिल शर्मा के रूप में हुई है।

घटना के समय घर में पूजा और उसकी जेठानी गायत्री देवी अपने-अपने बच्चों के साथ मौजूद थीं। सास-ससुर पारसनाथ (गिरिडीह) स्थित अपनी बेटी के घर गए हुए थे।

गायत्री देवी अपने पति सुनील शर्मा से वीडियो कॉल पर बात कर रही थीं, तभी किसी ने दरवाजा खटखटाया। पूछने पर पता चला कि घर पर गांव का ही रहने वाला युवक धौनी आया हुआ है। उसने बताया कि पूजा ने फांसी लगा ली है।

दोनों जब पूजा के कमरे के पास पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी प्रयास के बाद दरवाजा खोला गया, जहां पूजा फंदे से झूलती मिली। धौनी ने उसे नीचे उतारा और आनन-फानन में सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद गायत्री देवी ने बताया कि जब सभी अस्पताल में थे, तभी धौनी पूजा का मोबाइल लेकर फरार हो गया। इस पर मृतका के पति अनिल शर्मा ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि पत्नी का धौनी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों के बीच फोन पर बातचीत होती रहती थी। उन्होंने बताया कि उनकी शादी 2021 में सिमरिया गांव में हुई थी। शुरुआत में सब कुछ ठीक चल रहा था।

काम के सिलसिले में अनिल मुंबई चले गए थे। करीब एक साल पहले जब वे गांव लौटे, तब उन्हें पत्नी और धौनी के संबंधों की जानकारी मिली। इस पर उन्होंने पूजा से बात की तो पूजा ने उन्हें धमकाते हुए यह बात किसी को न बताने के लिए कहा।

इसके बाद अनिल ने अपने साले को पूरी बात बताई और समाधान की उम्मीद जताई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। वे मार्च में फिर मुंबई लौट गए और गुरुवार रात यह घटना हो गई।

घटना को लेकर कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि मृतका के परिजनों की ओर से अभी तक किसी भी प्रकार की लिखित शिकायत नहीं दी गई है। आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड में मौसम रहेगा शुष्क, छाएगा कोहरा

रांची, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के पूर्वानुमान के अनुसार, 11 नवंबर तक सुबह में कोहरा या धुंध छाने और उसके बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है।

इस दौरान मौसम शुष्क बना रहेगा। पूरे राज्य के मौसम पर नजर डालें तो मध्य, दक्षिणी, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी झारखंड में अगले पांच दिनों तक मौसम में कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिलेगा।

मौसम विभाग ने बताया है कि राज्य में अगले 2 से 3 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसके बाद के दो दिनों में इसमें कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। रांची और आसपास के क्षेत्रों के लिए जारी विशेष पूर्वानुमान के मुताबिक, 11 नवंबर तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में आंशिक उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। आज अधिकतम तापमान 26°C और न्यूनतम तापमान 13°C रह सकता है। इसके बाद 9 नवंबर को अधिकतम तापमान 26°C और न्यूनतम तापमान 11°C तक गिर सकता है। 10 और 11 नवंबर को भी अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25°C और 11°C के आसपास बने रहने की संभावना है। यानी, राजधानी के लोगों को सुबह में हल्की ठंड और दिन में सुहावने मौसम का अनुभव होगा। झारखंड में मौसम पिछले 24 घंटे से शुष्क बना हुआ है। उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं की वजह से सुबह और रात में ठंडक बढ़ने लगी है, जबकि दिन में हल्की गर्मी महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार राज्य में किसी बड़े वेदर सिस्टम का प्रभाव नहीं है, इसलिए अगले 24 घंटे तक मौसम सामान्य रहेगा।

झारखंड पुलिस जवान की सड़क दुर्घटना में मौत

पलामू, 8 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस के जवान ओरिया हेंब्रम को शनिवार को पलामू पुलिस लाइन में अंतिम सलामी दी गई। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए पैतृक गांव पश्चिमी सिंहभूम के राजगंज भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर शाम जवान ओरिया हेंब्रम पलामू पुलिस लाइन के गेट पर जख्मी हालत में पाए गए थे। उन्हें तत्काल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

एमएमसीएच में शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद पार्थिव शरीर को पुलिस लाइन लाया गया, जहां अवर निरीक्षक नागेंद्र चौधरी के नेतृत्व में उन्हें सलामी दी गई।

ओरिया हेंब्रम वर्ष 1999 में झारखंड पुलिस में शामिल हुए थे। वे 2009 से पलामू जिले में पदस्थापित थे और मनातू, छतरपुर, दंगवार सहित कई स्थानों पर अपनी सेवाएं दे चुके थे। पिछले चार महीने से वे पुलिस लाइन में ड्यूटी कर रहे थे।

ओरिया हेंब्रम के परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। पार्थिव शरीर को पैतृक गांव भेजने से पहले, पुलिस मेंस एसोसिएशन ने दाह संस्कार के लिए परिजनों को 25,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। उनके भतीजे और चाचा शव लेने के लिए आए थे।

महिला प्रधान के घर के सामने 30 राउंड फायरिंग

मेरठ में कार से 5 लोग आए, गाली देते हुए गोली चलाने लगे

मेरठ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ में महिला प्रधान के घर पर बदमाशों ने 30 राउंड फायरिंग की। रात करीब 12 बजे कार से 5 बदमाश आए। हवा में ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। फिर गाली देते हुए कार से फरार हो गए।

गोली की आवाज सुनकर गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि तब तक बदमाश भाग चुके थे। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। घटना गुरुवार रात की हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के पाली गांव की है। वीडियो रविवार को सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत है।

हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के पाली गांव में महिला प्रधान सरिता के घर पर गुरुवार देर रात 5 कार सवार बदमाशों ने फायरिंग की। सीसीटीवी फुटेज में बदमाश कार से उतरकर वारदात को अंजाम देते दिख रहे हैं। हालांकि घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

चुनावी रंजिश में हुई फायरिंग

ग्रामीणों का कहना है कि फायरिंग के पीछे चुनावी रंजिश हो सकती है। चुनाव को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले भी विवाद हुआ था। जिसके बाद समझौता भी हुआ। अब फिर से रंजिश तेज होने के संकेत सामने आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल करके सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने गांव के ही कुछ युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

ग्रामीणों का कहना है कि फायरिंग के पीछे चुनावी रंजिश हो सकती है। दोनों पक्षों के बीच पहले भी विवाद हो चुका है, जिसके बाद समझौता हुआ था। अब फिर से रंजिश तेज होने के संकेत सामने आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, छानबीन की और सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में लिया।

पुलिस ने गांव के ही कुछ नामजद युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

ग्राम प्रधान के पति लोकेन्द्र का कहना है कि गांव के ही कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते जान से मारने की नीयत से फायरिंग की है। घटना के समय परिवार के लोग घर में ही मौजूद थे, जिसके कारण सभी दहशत में आ गए। पुलिस को घटनास्थल से कारतूस के खोखे मिले हैं। गांव के कुछ लोगों के खिलाफ लिखित शिकायत दी गई है।

पनीर टिक्का ने तोड़ा पति-पत्नी का रिश्ता

खाना बनाने का विवाद तलाक तक पहुंचा, अब तीसरी सुनवाई के बाद फैसला

मेरठ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ के परिवार परामर्श केंद्र में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां पनीर टिक्का और आलू बैंगन की सब्जी के विवाद ने पति-पत्नी को तलाक तक पहुंचा दिया। शादी के बाद दोनों के बीच खाने को लेकर रोज झगड़े होने लगे। पति को पनीर टिक्का पसंद था, लेकिन पत्नी को यह बनाना नहीं आता था। वहीं पत्नी का कहना था कि पति उसके बनाए खाने की कद्र नहीं करता। मामूली रसोई विवाद से शुरू हुआ झगड़ा इतना बढ़ा कि दोनों ने अलग होने का फैसला ले लिया। परिवार परामर्श केंद्र में दो बार काउंसलिंग के बाद भी मामला सुलझ नहीं सका।

परतापुर निवासी स्वीटी की शादी चार साल पहले दिल्ली के शाहदरा निवासी कमल से हुई थी। कमल एक जूता फैक्ट्री में काम करता है। शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के बीच झगड़े शुरू हो गए। कमल का कहना था कि पत्नी स्वादिष्ट खाना नहीं बनाती। जबकि स्वीटी का आरोप था कि पति उसके बनाए खाने की कद्र नहीं करता।

डायबिटीज-मोटापे से जूझ रहे लोगों को अमेरिकी वीजा मिलना मुश्किल

सरकार पर बोझ कम करना मकसद, हेल्थ उम्र, फाइनेंशियल स्टेटस जांचेंगे अधिकारी

वॉशिंगटन, 8 नवंबर (एजेंसियां)। डायबिटीज, मोटापा और कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए अब अमेरिका में प्रवेश पाना मुश्किल हो सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को दुनियाभर के अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है कि वे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों को अमेरिका आने या रहने की अनुमति न दें।

यह नियम 'पब्लिक चार्ज' (सार्वजनिक बोझ) नीति पर आधारित है, जिसका मकसद ऐसे अप्रवासियों को रोकना है जो अमेरिकी सरकारी संसाधनों पर निर्भर हो सकते हैं।

इसमें वीजा अधिकारियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदकों के हेल्थ, उम्र और फाइनेंशियल स्टेटस की जांच करें। अगर कोई व्यक्ति भविष्य में महंगी चिकित्सा देखभाल या सरकारी सहायता पर निर्भर होने की संभावना रखता है,

तो उसका वीजा रिजेक्ट कर दिया जाएगा।

अधिकारियों को दिए गए निर्देश में कहा गया है कि आवेदक के स्वास्थ्य को ध्यान में रखना जरूरी है। चिकित्सा स्थितियां जैसे हृदय रोग, सांस की दिक्कत, कैंसर, डायबिटीज, मेटाबॉलिक डिजीज, न्यूरोलॉजिकल डिजीज और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं लाखों डॉलर की देखभाल की जरूरत पैदा कर सकती हैं।

इसके अलावा, अधिकारी मोटापे जैसी स्थितियों को भी ध्यान में रखेंगे, क्योंकि यह अस्थमा, स्लीप एप्निया और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है।

नए निर्देशों के तहत, अधिकारियों को यह तय करना होगा कि क्या प्रवासी 'पब्लिक चार्ज' बन सकता है, यानी सरकारी संसाधनों पर बोझ, और क्या उसे महंगी लंबी अवधि की देखभाल की जरूरत पड़ेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, 'वीजा अधिकारियों को यह भी जांचने को कहा गया है कि क्या आवेदक अपने पूरे जीवन में बिना सरकारी सहायता के चिकित्सा खर्च खुद उठा सकता है या नहीं। इसके साथ ही, परिवार के सदस्यों जैसे बच्चों या बुजुर्ग माता-पिता के स्वास्थ्य को भी ध्यान में रखना होगा। लीगल इमिग्रेशन नेटवर्क के वरिष्ठ वकील चार्ल्स व्हीलर ने इसे चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि वीजा अधिकारी हेल्थ कंडिशन को जांचने के लिए ट्रेंड नहीं होते।

व्हीलर ने कहा, 'कोई बीमारी कितनी खतरनाक है, या फिर उसका कितना असर सरकारी संसाधन पर पड़ेगा अधिकारियों को इसका आकलन करने का अनुभव नहीं है।'

जम्मू-कश्मीर में डॉक्टर के लॉकर से एके-47 मिली

2024 तक अनंतनाग में तैनात थे पुलिस ने हिरासत में लिया, जांच शुरू

श्रीनगर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में डॉक्टर अदील अहमद के लॉकर से एके-47 राइफल बरामद की गई है। अदील अहमद अनंतनाग के रहने वाले हैं। वे 24 अक्टूबर 2024 तक जीएमसी अनंतनाग में कार्यरत थे। फिलहाल पुलिस ने यूएपीए के तहत केस दर्ज कर लिया है। डॉक्टर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि डॉक्टर के पास से इस तरह के हथियार की बरामदगी आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों में संलिप्तता मानी जा सकती है।

इंडियन आर्म्स एक्ट 1959 के मुताबिक बिना लाइसेंस के आधुनिक/प्रोहीबिटेड हथियार रखने पर सख्त सजा का प्रावधान है। यदि जांच में हथियार किसी आतंकवादी/अवैध गतिविधि या संगठन से जुड़ा पाया गया तो यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967) के तहत केस दर्ज होता है।

पाकिस्तान ने साल 1998 के बाद कोई परमाणु बम टेस्ट नहीं किया

भारत के आरोपों से बौखलाई शहबाज सरकार, उगला जहर

इस्लामाबाद, 8 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा है कि उसने मई 1998 के बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है। उसने गुप्त परमाणु गतिविधियों के भारत के आरोपों को निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने डॉन के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा है कि पाकिस्तान ने आखिरी परमाणु परीक्षण मई 1998 में किए थे। परमाणु परीक्षण पर हमारी स्थिति सुस्थापित और सुसंगत है।

पाकिस्तान ने कहा है कि भारत के परमाणु परीक्षणों के जवाब में किये गये अपने पिछले परीक्षणों के बाद से पाकिस्तान ने खुद ही परमाणु परीक्षणों पर रोक बरकरार रखी है। डॉन की रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि पाकिस्तान ने व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जिससे उसे यह छूट मिली हुई है

कि अगर उसका सुरक्षा वातावरण, खासकर भारत के संदर्भ में, बिगड़ता है, तो वह परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है।

पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र महासभा के उन प्रस्तावों का समर्थन करता रहा है जिनमें परमाणु परीक्षणों पर व्यापक प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया गया है।

इसके विपरीत, इन प्रस्तावों पर भारत का अनुपस्थित रहना भविष्य में परमाणु परीक्षणों के प्रति उसके अस्पष्ट और संदिग्ध इरादों को दर्शाता है।

आपको बता दें कि सबसे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि चीन, रूस, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान जैसे देश अंडरग्राउंड परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। डॉन ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी से बचने के लिए इस्लामाबाद की तरफ से पहले कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई थी।

तुर्किये ने इजराइली पीएम के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

गाजा में नरसंहार का आरोप लगाया

अंकारा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। तुर्किये ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी सरकार के कई बड़े अधिकारियों पर गाजा में नरसंहार का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। तुर्किये में आने पर इन लोगों को गिरफ्तार किया जा सकता है। तुर्किये अभियोक्ता कार्यालय के बयान के अनुसार, 37 संदिग्धों में इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर और सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर शामिल हैं। फिलहाल पूरी सूची जारी नहीं की गई है। तुर्किये का आरोप है कि इजराइल ने गाजा में 'नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध' व्यवस्थित तरीके से किए हैं। बयान में तुर्किये ने गाजा में बनाए गए 'तुर्की-फिलिस्तीनी मैत्री अस्पताल' का भी जिक्र है, जिसे इजराइल ने मार्च में बमबारी कर तबाह कर दिया था। दूसरी ओर इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने इसे 'तुर्की के तानाशाह एर्दोआन का प्रचार स्टंट' बताते हुए खारिज कर दिया।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में तीसरे दौर की शांतिवार्ता फेल

तालिबान प्रवक्ता बोले- पाक का गैर-जिम्मेदाराना रवैया, हमला किया तो मुंहतोड़ जवाब देंगे

इस्लामाबाद/ काबुल, 8 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शांति वार्ता का तीसरा दौर शनिवार को किसी समझौते के बिना खत्म हो गया। दोनों देशों ने बातचीत फेल होने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया।

अफगानिस्तान सरकार ने कतर और तुर्किये की मध्यस्थता में इस्तांबुल में आयोजित दो दिवसीय वार्ता के दौरान पाकिस्तान पर गैर-जिम्मेदाराना रुख अपनाने का आरोप लगाया।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा- हमें लगा पाकिस्तान व्यावहारिक और लागू करने लायक शर्तें रखेगा, जिससे समस्या का हल निकाला जा सके। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तानी लोग हमारे भाई और दोस्त हैं, लेकिन किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान सरकार ने इस बयान पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

हालांकि, पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा था कि, 'बातचीत में विवाद बढ़ गया है और कोई प्रगति नहीं हुई।'

9 अक्टूबर को शुरू हुए संघर्ष के बाद दोनों पक्षों ने 19 अक्टूबर को कतर में सीजफायर पर हस्ताक्षर किए थे। तुर्किये में 25 से 30 अक्टूबर तक आतंकवाद से निपटने को लेकर हुई दूसरी बातचीत का दौर बिना किसी समझौते के खत्म हो गया था। हालांकि सीजफायर जारी है।

अफगान प्रवक्ता बोले- सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की इजाजत नहीं मुजाहिद ने कहा कि तालिबान किसी को भी अफगानिस्तान की जमीन दूसरे देश के खिलाफ इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं देगा, न ही किसी देश को अपनी जमीन से अफगानिस्तान की संप्रभुता, स्वतंत्रता या सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की अनुमति देगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा- इस्लामाबाद तालिबान सरकार के उन कदमों का समर्थन नहीं करेगा जो अफगान लोगों या पड़ोसी देशों के हित में नहीं हैं।

पाकिस्तान मानता है कि काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे समूहों को पनाह दे रहा है, जिसने पाकिस्तान में हमले किए हैं। जवाब में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के अंदर कई हवाई हमले किए।

पिछले महीने काबुल में धमाकों के लिए तालिबान ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया।

वहीं, तालिबान टीटीपी को पनाह देने से इनकार करता है और आपसी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता जताता है।

पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, अफगान ने टीटीपी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि बातचीत अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई है।

ओहायो गवर्नर पद की रेस में भारतवंशी

विवेक रामास्वामी को राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया 'युवा और मजबूत'

वॉशिंगटन, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के कारोबारी और पूर्व रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी को ओहायो राज्य के गवर्नर चुनाव के लिए अपना पूरा समर्थन दिया है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर कहा कि विवेक एक "युवा, मजबूत और समझदार नेता" हैं, जो अमेरिका को आगे ले जाने की क्षमता रखते हैं। ट्रंप ने लिखा विवेक रामास्वामी ओहायो राज्य के गवर्नर के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, यह वही जगह है जिसे मैंने 2016, 2020 और 2024 में तीन बार बड़ी जीत दिलाई। मैं विवेक को अच्छी तरह जानता हूं, उनके साथ मुकाबला भी किया है और वे वास्तव में कुछ खास हैं। वे न सिर्फ बुद्धिमान और ऊर्जावान हैं बल्कि एक अच्छे इंसान भी हैं, जिन्हें अपने देश से सच्चा प्यार है। उन्होंने आगे कहा कि विवेक गवर्नर बनने के बाद आर्थिक विकास, करों में कटौती, 'मेड इन अमेरिका' अभियान को बढ़ावा और सीमा सुरक्षा पर विशेष ध्यान देंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि विवेक कानून-व्यवस्था, सेना और चुनावी पारदर्शिता की रक्षा के लिए अथक काम करेंगे।

ट्रंप ने लिखा विवेक रामास्वामी ओहायो के लिए एक बेहतरीन गवर्नर साबित होंगे। उन्हें मेरा पूरा और निष्ठापूर्ण समर्थन है। वे कभी आपको निराश नहीं करेंगे।

गौरतलब है कि विवेक रामास्वामी, जिन्होंने 2024 में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की थी, अब ओहायो के गवर्नर चुनाव में उतर रहे हैं।

अमेरिका में 40 एयरपोर्ट्स पर 5000 उड़ानें रद्द

शटडाउन की वजह से स्टाफ नहीं मिल रहा, कर्मचारी बिना सैलरी काम कर रहे

वॉशिंगटन, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में शटडाउन हुए 38 दिन बीत चुके हैं। इसका सबसे ज्यादा असर हवाई यात्रा पर पड़ रहा है। यहां शुक्रवार को 5,000 से अधिक उड़ानें रद्द या विलंबित हुईं। दरअसल, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने गुरुवार को 40 बड़े हवाई अड्डों पर उड़ानों में कटौती का ऐलान किया था। इसमें न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन डीसी के बड़े एयरपोर्ट्स शामिल हैं। कुल 40 में से ज्यादातर देश के सबसे व्यस्त हब हैं।

इससे थैंक्स गिविंग वीक की छुट्टियों से पहले यात्रा करने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई बड़े एयरलाइंस पहले ही उड़ानें कैंसिल कर चुके हैं। इसमें रीजनल और मुख्य उड़ानें शामिल हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय उड़ानें इससे बचेंगीं।

एफएए के मुताबिक यह कदम एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की कमी को कम करने के लिए उठाया गया है। ये कंट्रोलर्स एक महीने से ज्यादा समय से बिना वेतन के काम कर रहे हैं।

यह कटौती धीरे-धीरे बढ़ेगी। शुक्रवार से 4% उड़ानें कम होंगी, 14 नवंबर तक यह 10% तक पहुंच जाएगी। यह सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा। इससे घरेलू उड़ानें प्रभावित होंगी।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इससे रोजाना 1,800 उड़ानें रद्द हो सकती हैं। वहीं, करीब 2.68 लाख लोग प्रभावित होंगे। डेल्टा एयर लाइंस ने शुक्रवार के लिए 170 उड़ानें रद्द कीं। यूनाइटेड एयरलाइंस ने 200 उड़ानें कैंसिल कीं। यह उनके शुक्रवार के शेड्यूल का 4% है। वही, अमेरिकन एयरलाइंस ने 220 उड़ानें कम कीं। साउथवेस्ट एयरलाइंस ने 100 उड़ानें रद्द कीं। एयरलाइंस फॉर अमेरिका ने कहा, 'हम सरकार के साथ मिलकर यात्रियों की परेशानी कम करने की कोशिश कर रहे हैं। एफएए ने कहा कि एयरलाइंस खुद तय करेंगी कि कौन सी उड़ानें रद्द करनी है। फ्रंटियर समेत कई बड़ी एयरलाइंस ने अगले 10 दिनों के भीतर ट्रैवल करने वाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। फ्रंटियर एयरलाइंस के सीईओ बैरी बिफल ने इंस्टाग्राम पर कहा, 'अगर आप शुक्रवार या अगले 10 दिनों में उड़ान भरने वाले हैं। तो बैकअप टिकट बुक करें। दूसरी एयरलाइन पर इकोनॉमी टिकट लें।

आर्मेनिया पर अजरबैजान की जीत कश्मीरियों के लिए उम्मीद

अजरबैजानी राष्ट्रपति के साथ शहबाज ने उगला जहर, साथ थे मुनीर

बाकू, 8 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। शहबाज शरीफ इस वक्त अजरबैजान के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने भारत और कश्मीर के खिलाफ जहर उगला है। अब अजरबैजान पहुंचकर शहबाज शरीफ ने आर्मेनिया के खिलाफ लड़ाई में मिली जीत को कश्मीर और फिलीस्तीन से जोड़ा है। ये वही पाकिस्तान है, जो गाजा में इजरायल और अमेरिका के कहने पर पाकिस्तानी सैनिकों को हमास से लड़ने भेज रहा है। वहीं, अजरबैजान ने इस मौके पर पाकिस्तान की क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सराहना की है। दरअसल, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने फील्ड मार्शल जिहादी असीम मुनीर के साथ अजरबैजान के विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए दो

दिनों के बाकू दौरे पर पहुंचे हैं, जहां उन्होंने भारत के खिलाफ जहरीले बोल बोले हैं। इस दौरान अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात के दौरान दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की। वही पाकिस्तान, जो कई दशकों से भारत में आतंकवादियों को भेजता रहा है।

बाकू स्थित राष्ट्रपति भवन में अजरबैजान और पाकिस्तान के नेताओं के बैठक का आयोजन किया गया था। इस दौरान वहां पाकिस्तानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल जिहादी असीम मुनीर भी मौजूद थे। राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने आर्मेनिया के काराबाग क्षेत्र पर कब्जे में अजरबैजान की मदद करने के लिए पाकिस्तान का धन्यवाद किया। शहबाज शरीफ अजरबैजान के कथित विजय दिवस की पांचवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लेंगे। हथियार से सैन्य क्षमता तक 'चाइनीज माल', भारत के आगे कितना है पाकिस्तान का डिफेंस बजट?

बैठक के दौरान शहबाज शरीफ ने कहा कि आर्मेनिया के खिलाफ अजरबैजान की जीत आत्मनिर्णय के लिए संघर्ष कर रहे उत्पीड़ित लोगों के लिए आशा की किरण है, जिसमें भारत द्वारा अवैध रूप से अधिकृत जम्मू और कश्मीर और फिलीस्तीन के लोग भी शामिल हैं।

कॉलेज में खुद को आग लगाकर दौड़ा छात्र

फीस न देने पर प्रिंसिपल ने कहा था- धर्मशाला नहीं खोल रखी, मुजफ्फरनगर की घटना

मुजफ्फरनगर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के मुजफ्फरनगर में डीएवी कॉलेज के कैंपस में छात्र ने शनिवार दोपहर खुद को आग लगा ली। प्रिंसिपल ने फीस जमा न होने पर उसे परीक्षा देने से रोक दिया था। उसे परीक्षा फॉर्म भी नहीं जमा करने दिया था। उसके साथी छात्र ने प्रिंसिपल पर मारपीट के आरोप लगाए हैं।

घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में छात्र उज्ज्वल राणा कह रहा है कि प्रिंसिपल ने छात्रों के सामने उसकी बेइज्जती की। कहा- धर्मशाला नहीं खोल रखी है। इससे नाराज छात्र ने बैग से पेट्रोल की बोतल निकाली और खुद पर छिड़ककर आग लगा ली। वह जलते हुए क्लासरूम की तरफ भागा। पीछे-पीछे साथी छात्र दौड़ते हुए पहुंचे। स्कूल बैग और पानी डालकर आग बुझाई। इसमें एक और छात्र भी झुलस गया।

छात्र को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। इसके बाद दिल्ली रेफर कर दिया गया। वह 70% से ज्यादा झुलस गया है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शी छात्र शोभन ने बताया- गुरुवार को उज्ज्वल को बहुत पीटा गया था। पहले प्रिंसिपल ने दो पुलिसकर्मियों के साथ उसकी पिटाई की। इसके बाद पीटीआई ने भी उसे कमरे में बंद करके मारा। पुलिस ने कहा था कि जो भी छात्र उज्जवल का समर्थन करेगा, उसपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शनिवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे उसने कैंपस में टीचर के सामने ही खुद पर पेट्रोल डाला और माचिस हाथ में ली, लेकिन किसी ने उसे रोकने की कोशिश नहीं की। सब खड़े देखते रहे। टीचर के सामने ही उसने खुद को आग लगा ली और तड़पते हुए क्लासरूम की ओर भागा। उसे जलता देख टीचर दूर भाग गए। हम छात्रों ने किसी तरह कमरे में घुसकर उसके ऊपर बैग और कपड़े डालकर आग बुझाने की कोशिश की, फिर पानी डाला।

इस दौरान कोई भी टीचर मदद के लिए आगे नहीं आया। कॉलेज में कार खड़ी थी, लेकिन उसे अस्पताल नहीं ले जाया गया। करीब आधे घंटे तक वो तड़पता रहा। इसके बाद पुलिस पहुंची और एम्बुलेंस से उसे अस्पताल भिजवाया गया। छात्र का जलते हुए एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि वह आग की लपटों में घिरा हुआ क्लासरूम की ओर भाग रहा है। उसके पीछे कई छात्र चिल्लाते हुए दौड़ रहे हैं। कुछ छात्रों ने उसके ऊपर स्कूली बैग से आग बुझाने की कोशिश की, फिर पाइप से पानी डाला।

अकोला दंगा- सीजेआई के पास जाएगा मामला

हिंदू-मुस्लिम अफसरों की एसआईटी बनाने पर सुप्रीम कोर्ट के जज बंटे, राज्य सरकार ने लगाई थी याचिका

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अकोला दंगा मामले में महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर "स्प्लिट वर्डिक्ट" (मतभेद वाला फैसला) सुनाया।

सरकार ने याचिका में विशेष जांच दल (एसआईटी) में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के पुलिस अधिकारियों को शामिल करने के निर्देश की समीक्षा मांगी थी।

सरकार ने याचिका में कहा था कि पुलिस को धार्मिक आधार पर बांटना राज्य की धर्मनिरपेक्ष नीतियों के खिलाफ है। पुलिसवाले का कोई धर्म नहीं होता। मामले की सुनवाई जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की डबल बेंच ने की। याचिका पर दोनों जजों ने अलग-अलग राय रखी।

अब यह मामला चीफ जस्टिस बीआर गवई के पास भेजा जाएगा, जो यह तय करेंगे कि इसे बड़ी पीठ के पास भेजा जाए या किसी

तीसरे जज से अंतिम राय ली जाए। दरअसल महाराष्ट्र के अकोला में मई 2023 में हुए दंगों में 1 व्यक्ति की मौत हुई थी और दो पुलिसकर्मियों समेत आठ लोग घायल हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 सितंबर को कहा था कि पुलिस वर्दी पहनने के बाद अफसरों को जाति और धर्म से ऊपर उठकर सिर्फ कानून के अनुसार काम करना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया था कि दंगों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाया जाए, जिसमें हिंदू और मुस्लिम समुदाय के सीनियर ऑफिसर शामिल हों।

जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच 17 साल के मोहम्मद शरीफ की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। शरीफ ने याचिका में कहा- दंगों के दौरान मुझ पर हमला हुआ, लेकिन महाराष्ट्र पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की और न ही जांच की। महाराष्ट्र के अकोला में सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर 13 मई 2023 को दो समुदाय के बीच हुई हिंसक हुई थी।

अकोला एसपी संदीप घुघे ने बताया था- ओल्ड सिटी इलाके में मामूली बात पर दो समुदाय के बीच पत्थरबाजी हुई थी। उपद्रवियों ने कई वाहन जला दिए। कुछ लोगों ने थाने का घेराव करने की भी कोशिश की थी। इस दौरान विलास महादेवरो गायकवाड़ नाम के व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो पुलिसकर्मियों समेत आठ लोग घायल हुए थे।

पश्चिम अफ्रीकी देश माली में पांच भारतीयों का अपहरण

अल-कायदा और आईएसआईएस से जुड़े आतंकी गुटों का बढ़ता प्रभाव

बमाको, 8 नवंबर (एजेंसियां)। माली में बढ़ती हिंसा और आतंकी गतिविधियों के बीच गुरुवार को पांच भारतीय नागरिकों का अपहरण कर लिया गया। यह जानकारी उनकी कंपनी और सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को दी। सूत्रों के अनुसार, बंदूकधारियों ने इन भारतीयों को माली के पश्चिमी इलाके कोबरी के पास से अगवा किया। ये सभी एक ऐसी कंपनी में काम करते थे जो वहां बिजलीकरण से जुड़ी परियोजनाओं पर काम कर रही है।

बाकी भारतीय पहुंचाए गए बमाको कंपनी के एक प्रतिनिधि ने बताया, 'हम पुष्टि करते हैं कि हमारे पांच भारतीय कर्मचारियों का अपहरण किया गया है।' उन्होंने यह भी बताया कि बाकी भारतीय कर्मचारियों को राजधानी बमाको सुरक्षित पहुंचा दिया गया है।

शहरी और ग्रामीण निकायों में होने जा रहा है बड़ा बदलाव, अब अफसर करेंगे राज!

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में शहरी और ग्रामीण सरकारों की राजनीति में अब एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। राज्य के नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों की बागडोर जनप्रतिनिधियों से लेकर अफसरों के हाथों में जा रही है। राज्य की 11310 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, और पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल भी जल्द खत्म होने वाला है। वहीं, शहरी निकायों में अगले साल जनवरी तक 196 में से 113 नगर निकायों (नवगठित निकायों को छोड़कर) का कार्यकाल पूरा हो जाएगा।

यह पहला मौका होगा जब प्रदेश में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में शहरी और ग्रामीण निकायों पर प्रशासक शासन लागू होगा। राज्य सरकार इन निकायों में चुनाव कराने की बजाय फिलहाल अफसरों को प्रशासक नियुक्त करने में व्यस्त है। अब

तक नवगठित 113 और कार्यकाल पूरा करने वाले 53 नगरीय निकायों की कमान अफसरों को सौंपी जा चुकी है। इसमें प्रमुख शहर जैसे अलवर, भरतपुर, पाली, बीकानेर और उदयपुर भी शामिल हैं।

इसके अलावा जयपुर, जोधपुर और कोटा के छह नगर निगमों का कार्यकाल 9 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इन तीनों शहरों में एक-एक निगम रहेगा और संभागीय आयुक्त प्रशासक के रूप में कार्यभार संभालेंगे। शेष 141 निकायों का कार्यकाल भी अगले दो महीने में समाप्त हो जाएगा।

इस तरह फरवरी 2024 के पहले पखवाड़े तक प्रदेश के सभी शहरी निकायों में कोई जनप्रतिनिधि नहीं रहेगा। इसके साथ ही पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल भी दिसंबर में समाप्त होने जा रहा है, जबकि न्यायालय राज्य सरकार को चुनाव कराने के लिए कई बार आदेश दे चुका है।

राज्य की 11695 ग्रामीण इकाइयों में, जहां जनता हर पांच साल में अपने जनप्रतिनिधियों को चुनती थी, अब अफसरों द्वारा प्रशासक नियुक्त किए जाएंगे। 11310 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल खत्म हो चुका है, लेकिन चुनाव न होने की वजह से सरपंचों को प्रशासक नियुक्त किया गया है। इसी तरह, 352 पंचायत समितियों में से 222 समितियों का कार्यकाल नवंबर-दिसंबर में समाप्त हो जाएगा। सरकार ने फिलहाल इन इकाइयों के चुनाव कराने की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं की है।

पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद चुनाव नहीं कराए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिकाओं की सुनवाई पूरी हो चुकी है, लेकिन अभी तक फैसला नहीं आया। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने राज्य निर्वाचन आयोग को पांच साल का कार्यकाल पूरा कर चुकी पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कराने का आदेश दिया था, जिस पर खंडपीठ ने रोक लगा दी। इसके बाद एकलपीठ ने नगरीय निकायों के चुनाव कराने का आदेश दिया, जो अब तक लागू नहीं हो पाया है।

डोटासरा का नरेश मीणा पर इशारों में वार

बोले- यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा; बीजेपी को भी घेरा

बारां, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। इससे पहले बूंदी पहुंचे डोटासरा का सर्किट हाउस में विधायक हरिमोहन शर्मा सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान डोटासरा ने कांग्रेस की जीत का दावा ठोंका और कहा कि जनता भाजपा की नीतियों से ऊब चुकी है। अंता उपचुनाव में इसका करारा जवाब मिलेगा। डोटासरा ने भाजपा शासित राजस्थान में कानून-व्यवस्था की बदतर स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेशभर में अपराध और हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे। लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। सरकार पूरी तरह असफल साबित हुई है।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान में जो घटनाएं हो रही हैं, उससे साफ जाहिर है कि सरकार

का नियंत्रण खत्म हो चुका है। गुजरात मॉडल की तर्ज पर पूरी कैबिनेट बदल देनी चाहिए। नई टीम और नए चेहरों की जरूरत है, ताकि जनता को राहत मिल सके।

अंता उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार नरेश मीणा के काफिले को रोके जाने की घटना पर डोटासरा ने इशारों-ही-इशारों में निशाना साधा। पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने कहा कि नरेश मीणा पर कोई हमला नहीं हुआ, लेकिन उनके काफिले को आधे घंटे तक रोका गया। अंता में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा साफ दिख रहा है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं।

डोटासरा ने कहा कि ऐसे तत्वों के खिलाफ प्रशासन को सख्ती दिखानी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित गुंडा तत्व चुनावी माहौल को दूषित कर रहे हैं। पीसीसी अध्यक्ष ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि पार्टी पूरी ताकत से मैदान में है। राज्यभर में संगठन को सक्रिय कर जनता के बीच मजबूती से खड़ा किया जा रहा है। जनता अब भाजपा की नाकामियों का हिसाब मांगेगी। अंता उपचुनाव सिर्फ एक सीट का सवाल नहीं, बल्कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ रेफरेंडम है।

अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 के तहत निर्वाचन विभाग ने स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं ताकि 11 नवम्बर को मतदान और 14 नवम्बर को मतगणना सुचारू रूप से हो सके।

डोटासरा ने केंद्र की मोदी सरकार पर भी हमला बोला। कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और किसान विरोधी नीतियों से जनता त्रस्त है। राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार पूरी तरह फेल साबित हुई है। आने वाले दिनों में उपचुनावों में जनता इसका करारा जवाब देगी। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामेश्वर लढ़ा, पूर्व जिला प्रमुख चित्रा गुर्जर, बूंदी ब्लॉक अध्यक्ष भंवर सिंह, युवक कांग्रेस नेता अर्जुन गुर्जर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुझे तो लगता है, शायद सीएम की भी कोई सुनता है या नहीं : अशोक गहलोत

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अंता विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत जमकर गर्माई हुई है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस सरकार में क्या हो रहा है, किसी को कुछ पता नहीं है। सरकार नाम की चीज भी है या नहीं? उन्होंने कहा, 'मुझे तो यहां तक संदेह होता है कि कोई सीएम की बात भी सुनता है या नहीं।'

गहलोत ने मुख्यमंत्री के दशहरा मेले में दिए गए भाषण को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'क्या किसी राज्य का सीएम ऐसा बोल सकता है कि अहंकार का साथ दो, बुराई का साथ दो।' दरअसल, गहलोत अपने निवास पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे।

गहलोत के निवास पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने भाजपा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर जमकर सियासी बाण छोड़े। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। हालात ऐसे हैं कि

कोई सुनने वाला नहीं है। 'मुझे तो कभी-कभी संदेह होता है कि सीएम की भी कोई सुनता है या नहीं। मंत्री तक परेशान हैं कि उनकी सेक्रेटरी बात नहीं सुनते। भाजपा विधायक कहते हैं कि हमारी तो कोई चलती ही नहीं। ऐसे में प्रदेश में क्या हो रहा है, यह समझा जा सकता है। ऐसा लगता है, सरकार नाम की कोई चीज ही नहीं है।' मीडिया से बातचीत के दौरान गहलोत ने सीएम भजनलाल शर्मा को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने कोटा के एक भाषण का हवाला दिया, जिसमें सीएम बोल बैठे थे, 'अहंकार का साथ दो, बुराई का साथ दो।' गहलोत ने तंज कसते हुए कहा, 'अब क्या किसी राज्य का मुख्यमंत्री ऐसा बोल सकता है?' उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, 'आखिर उनके सलाहकार कौन हैं, यह तो बताइए। मैं उनके सलाहकार को ढूंढ़ रहा हूं।' उन्होंने कहा कि सीएम को बहुत सोच-समझकर बोलना चाहिए। 'अगर वह कहते हैं बुराई का साथ दो, अहंकार का साथ दो, तो यह बात या तो झूठी होगी और अगर सही है तो बड़ी गंभीर बात है।'

प्रेस कॉन्फ्रेंस में गहलोत बीते दिनों जयपुर के हरमाड़ा इलाके में हुए डंपर हादसे को लेकर भी सरकार पर बरसे। उन्होंने कहा कि डंपर हादसे के पीड़ितों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा, 'इस सरकार में जब तक पीड़ित धरना नहीं दे, उसे मुआवजा नहीं मिलेगा, यह सरकार की संवेदनहीनता है।' गहलोत ने कहा कि उन्होंने जयपुर डंपर हादसे के पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पालगांव स्थित आश्रम पहुंचा

जोधपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर यौन उत्पीड़न मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को राजस्थान हाई कोर्ट और गुजरात हाईकोर्ट से 6 माह की अंतरिम जमानत मंजूर होने के बाद आरोग्यं अस्पताल से छुट्टी मिल गई। अस्पताल से निकलने के बाद आसाराम सीधे जोधपुर के पाल गांव स्थित अपने आश्रम पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके दर्शन और स्वागत के लिए मौजूद रहे। आश्रम के बाहर भक्तों ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। अदालतों ने आसाराम को स्वास्थ्य कारणों से इलाज हेतु जमानत दी है तथा पुलिस कस्टडी को भी हटा दिया गया है। बताया जा रहा है कि वे जल्द ही आगे के उपचार के लिए अहमदाबाद रवाना हो सकते हैं।

सरहद पार से 'ड्रोन' अटैक! भारत-पाक सीमा पर 2.5 करोड़ की 'हेरोइन' बरामद

श्रीकरणपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक बार फिर नशे की तस्करी का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने सीमा पार से चल रहे खतरनाक नेटवर्क को उजागर कर दिया है। श्रीकरणपुर सेक्टर के अंतर्गत बीओपी आनंदसर के पास स्थित 23-O गांव के एक खेत से सीमा सुरक्षा बल ने करीब आधा किलो हेरोइन का एक संदिग्ध पैकेट बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस हेरोइन की अनुमानित कीमत लगभग 2.50 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

बीएसएफ की जी ब्रांच (गोपनीय शाखा) को मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पाकिस्तानी तस्कर भारतीय सीमा में नशा भेजने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। तस्कर जीपीएस लोकेशन सेट करके रात के अंधेरे में भारतीय क्षेत्र में हेरोइन के पैकेट गिराते हैं, जिन्हें यहां

सक्रिय स्थानीय नेटवर्क के लोग उठाने की फिराक में रहते हैं। गौरतलब है कि कुछ ही दिन पहले इसी 23-O गांव में हेरोइन का ऐसा ही एक और पैकेट बरामद हुआ था। इन लगातार हो रही घटनाओं से यह साफ संकेत मिलता है कि यह रूट अब पाकिस्तानी तस्करों के लिए एक सक्रिय गलियारा बन चुका है। बीएसएफ को किसान ने खेत में पीले रंग का संदिग्ध पैकेट दिखने की सूचना दी थी, जिसके बाद टीम तुरंत हरकत में आई। बरामदगी के तुरंत बाद, बीएसएफ और स्थानीय पुलिस ने मिलकर संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। सीमा सुरक्षा बल और पुलिस ने आस-पास के ग्रामीणों से यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि वे सीमा क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या ड्रोन मूवमेंट की जानकारी तुरंत एजेंसियों को दें। भारत-पाक सीमा पर लगातार बढ़ रही इस तरह की गतिविधियाँ सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती हैं, जिसके मद्देनजर सीमाई इलाकों की निगरानी और मजबूत कर दी गई है।

करोड़ों की ड्रग लैब का भंडाफोड़, एमडी बनाने का सामान और उपकरण जब्त

सिरोही, 8 नवंबर (एजेंसियां)। .सिरोही जिले के रेवदर थाना क्षेत्र के दांतराई गांव के पास एक कृषि कुएं पर पुलिस, एनडीपीएस, एनसीबी और एफएसएल की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये कीमत की मादक पदार्थ (एमडी) बनाने में उपयोग होने वाली सामग्री और लैब उपकरण जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान वहां तैयारियां चल रही थीं, जिससे प्रतीत होता है कि नशे का बड़ा कारोबार शुरू करने की योजना थी। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को नामजद कर अग्रिम जांच शुरू कर दी है। रेवदर थानाधिकारी सीताराम के नेतृत्व में एनसीबी जोधपुर के इंटेलिजेंस ऑफिसर शिवनारायण, गांधीनगर सेंटर फॉर एक्सीलेंस के डिप्टी डायरेक्टर अजय सोनी और एनडीपीएस टीम ने संयुक्त रूप से छापा मारा। यह कार्रवाई जोधाराम पुत्र केवलाजी पुरोहित निवासी आमपुरा, रानीवाड़ा (जालोर) के खेत पर स्थित कृषि कुएं के पास बने मकान में की गई। टीम को वहां एमडी ड्रग निर्माण के लिए रखी गई रासायनिक सामग्री और लैब उपकरणों का बड़ा जखीरा मिला। पुलिस के अनुसार, यह सामग्री नशे के कारोबार की शुरुआत से पहले एकत्र की गई थी।

मंदिर में श्रीकृष्ण की मूर्ति तोड़ने से भड़के लोग

सड़क पर लगाया जाम, पुलिस ने संभाली स्थिति

अलवर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर रोड स्थित राधा कृष्ण मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति तोड़े जाने से इलाके में तनाव फैल गया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने आरोपी युवक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर जाम लगा दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

अरावली विहार थाना क्षेत्र के जयपुर रोड स्थित राधा कृष्ण मंदिर में एक युवक अचानक मंदिर में घुसा और कृष्णजी की मूर्ति पर चप्पल से वार करते हुए उसे तोड़ दिया। बताया गया कि मूर्ति के टूटे हुए हिस्से को वह अपने साथ घर लेकर भाग गया।

मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं ने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोग बड़ी संख्या में एकत्र हो गए और जयपुर रोड पर जाम लगा दिया। सूचना पर अरावली विहार थाना प्रभारी रामेश्वरलाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और किसी तरह भीड़ को शांत किया।

स्थानीय निवासी लालाराम ने बताया कि आरोपी युवक का व्यवहार पहले से संदिग्ध था और उसने जान-बूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। आक्रोशित लोगों ने पुलिस प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने मौके से मूर्ति के अवशेष जब्त कर लिए हैं और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रामेश्वरलाल ने बताया कि जब टीम मौके पर पहुंची तो युवक एक कमरे में बंद था। बलप्रयोग कर दरवाजा खुलवाया गया तो उसके हाथ में मूर्ति का हिस्सा मिला, जिसे जब्त कर लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में युवक दिमागी रूप से अस्थिर प्रतीत हो रहा है। फिलहाल मामले में रिपोर्ट दर्ज की जा रही है और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद इलाके में पुलिस तैनात कर दी गई है और माहौल को शांत रखने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है।

घुमंतू समुदाय का महापड़ाव दूसरे दिन भी जारी

क्या हैं प्रमुख मांगें? इस वजह से हिंसक हुआ प्रदर्शन

पाली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पशुपालक संघ और राजस्थान डीएनटी (घुमंतू, अर्ध-घुमंतू एवं विमुक्त) संघर्ष समिति की 10 सूत्री मांगों को लेकर पाली जिले के बालराई गांव के पास अहमदाबाद-जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुरू हुआ महापड़ाव शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने हाईवे को दोनों तरफ से जाम कर रखा है, जिससे कीरवा से पलराई तक करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने भारी बल तैनात कर दिया है और जिला कलेक्टर एलएन मंत्री व एसपी आदर्श सिद्धू खुद मौके पर डटे हुए हैं।

पाली-सुमेरपुर मार्ग पूरी तरह बंद

स्थिति उस समय बिगड़ गई जब समझाइश के बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं हटे। भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और हाईवे को खाली कराया। इसके बाद ट्रैफिक को हेमावास-नाडोल मार्ग से डायवर्ट करना पड़ा। पणिहारी और हेमावास चौराहों पर देर रात तक भारी जाम रहा। ट्रक-टैंकर चालक घंटों फंसे रहे और कईयों को सड़क किनारे ही रात गुजारनी पड़ी। शनिवार सुबह भी पाली-सुमेरपुर मार्ग बंद रहा और वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से गुजारा जा रहा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह देवासी और लालजी देवासी के नेतृत्व में हजारों की संख्या में लोग सड़क पर डटे हैं। सोशल मीडिया पर लगातार अपील की जा रही है कि ज्यादा से ज्यादा लोग धरना स्थल पहुंचें। बाड़मेर के शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और रालोपा सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने भी महापड़ाव का खुला समर्थन किया है।

क्या हैं 10 प्रमुख मांगें?

घुमंतू-विमुक्त समुदायों के लिए केंद्र में अलग मंत्रालय का गठन। आवास के लिए जमीन के पट्टे। बच्चों की शिक्षा के लिए अलग बजट प्रावधान। पंचायत एवं स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण। डीएनटी सूची में दर्ज गड़बड़ियों का सुधार। सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण। पशुपालक समाज को सामाजिक-आर्थिक मान्यता। घुमंतू समुदायों के पारंपरिक पशुचारण मार्गों को मुक्त कराना। बकरी पालन को कृषि का दर्जा देना। समुदाय के लोगों पर दर्ज पुराने मुकदमों को वापस लेना

इस वजह से हिंसक हुआ प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि एक नवंबर से पाली में शांतिपूर्ण धरना चल रहा था, लेकिन गुरुवार रात पुलिस ने उनके टेंट उखाड़ने शुरू कर दिए, खाना पकाने के बर्तन जब्त कर लिए और आसपास के होटलों को खाना देने से मना कर दिया। इससे भड़की भीड़ ने हाईवे पर महापड़ाव डाल दिया।

पुलिस का पक्ष

पाली एसपी आदर्श सिद्धू ने कहा, "हमने कई दौर की बातचीत की, शांतिपूर्ण समझाइश की, लेकिन कुछ शरारती तत्वों ने पत्थरबाजी कर दी। मजबूरन लाठीचार्ज करना पड़ा। अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। हाईवे किनारे भारी पुलिस जाप्ता तैनात है और लगातार गश्त हो रही है।

प्रदर्शनकारियों ने दी ये चेतावनी

वहीं प्रदर्शनकारी नेता लालजी देवासी बोले कि प्रशासन दबाव बनाकर धरना खत्म करवाना चाहता है। हम तब तक नहीं हटेंगे, जब तक सभी 10 मांगें लिखित में स्वीकार नहीं कर ली जातीं। महापड़ाव के कारण गुजरात, जोधपुर, जयपुर जाने वाले सैकड़ों वाहन प्रभावित हो रहे हैं।

जयपुर के दुर्गापुरा में घुसा तेंदुआ

पूर्व सांसद की कॉलोनी में दहशत

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के रिहायशी इलाकों में एक बार फिर तेंदुए की दस्तक से हड़कंप मच गया है। कल देर रात दुर्गापुरा स्थित लाल बहादुर नगर कॉलोनी में एक तेंदुआ घूमता हुआ देखा गया, जिससे इलाके के लोगों में दहशत फैल गई। यह कॉलोनी पूर्व सांसद रामचरण बोहरा के आवास के पास स्थित है।

तेंदुए की यह चहलकदमी घरों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फुटेज में तेंदुआ आराम से कॉलोनी की सड़कों पर विचरण करता हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वन्यजीव अब भोजन और पानी की तलाश में शहरी सीमा में लगातार प्रवेश कर रहे हैं।

स्थानीय निवासियों ने तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी, जिसके बाद विभाग की टीम मौके पर पहुँची। देर रात ही वन विभाग की टीम ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। टीम रात भर तेंदुए की तलाश में जुटी रही ताकि उसे सुरक्षित रूप से पकड़कर वापस जंगल में छोड़ा जा सके।

राजकॉम्प के करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़ों पर एसीबी द्वारा कार्यवाही नहीं करने पर हाईकोर्ट का नोटिस

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था की याचिका पर राजकॉम्प के अर्न्तगत लीगल मैट्रोलॉजी एवं ई.पी.डी.एस प्रोजेक्ट में हुए करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़ों के मामलों में कार्यवाही नहीं करने और अधिकारियों को बचाने पर राजस्थान उच्च न्यायालय के द्वारा नोटिस जारी किए गए।

याचिकाकर्ता पब्लिक अगेस्ट करप्शन संस्था के अधिवक्ता पूनम चंद भण्डारी ने बताया कि राजकॉम्प के अधिकारी आर.सी.शर्मा, तपन कुमार, कोशल सुरेष गुप्ता आदि ने मिलीभगत कर लीगल मैट्रोलॉजी एवं ईपीडीएस नामक प्रोजेक्ट्स में भारी फर्जीवाड़ा कर अपनी चहेती फर्मों को करोड़ों रुपयों का फायदा पहुंचाया। लीगल मैट्रोलॉजी प्रोजेक्ट्स में दो लोगो को वर्ष 2020 तक करीब 3 लाख रुपए प्रतिमाह की राशि पर नियुक्तियां दी गई थी जिन्हें आर.सी.शर्मा के द्वारा बार-बार व्हाइटनर लगाकर मार्च 2022 तक बढ़ाया जाता रहा। इसी प्रकार ईपीडीएस प्रोजेक्ट में पोइंट ऑफ सेल मशीन की खरीद एवं रख रखाव के लिए उदयपुर जिले के कार्यादेश लिंकवेल नाम की एक कम्पनी को दिया गया। इस कम्पनी के द्वारा जिला रसद अधिकारी उदयपुर के फर्जी हस्ताक्षर से कार्य सम्पूर्ण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर वर्षों तक करोड़ों रूपये का भुगतान उठाया जाता रहा।

ठिठुरन की शुरुआत, सीकर में कंपकंपी! राजस्थान के कई शहरों में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उत्तरी सर्द हवा के असर से सर्दी की रंगत बढ़ने लगी है। बीती रात प्रदेश के 13 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा है। मौसम विभाग ने राजस्थान के कई शहरों में अगले वीकेंड तक कड़ाके की सर्दी का दौर शुरू होने का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान में अब भी अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज होने से मौसम शुष्क बना हुआ है। जबकि पूर्वी राजस्थान के अधिकांश शहरों में अब दिन और रात का तापमान सामान्य या उससे कम रहने पर सर्दी का जोर बढ़ने लगा है। मौसम विज्ञानियों ने आगामी 13 नवंबर तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। बीती रात सर्द हवा के चलते शेखावाटी अंचल में कड़ाके की सर्दी का जोर रहा। सीकर जिले में आज न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस रहा जो मैदानी इलाकों में सबसे कम रहा है।

420 किलो नकली घी से भरा टेंपो पकड़ा, शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान में खाद्य विभाग की बड़ी सफलता

अलवर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। खाद्य विभाग की टीम ने मेव बोर्डिंग इलाके में एक टेंपो को जब्त कर उसमें भरा करीब 420 किलो नकली घी बरामद किया। फिलहाल जब्त घी को कार्रवाई पूरी होने तक एक स्थानीय व्यापारी की सुपुर्दगी में सुरक्षित रखा गया है, जिसके लिए विभाग ने सुपुर्दगी नामा भी तैयार किया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी केशव गोयल ने बताया कि यह कार्रवाई शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान के तहत की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेंद्र शर्मा को सूचना मिली थी कि मेव बोर्डिंग क्षेत्र में एक टेंपो में बड़ी मात्रा में नकली घी पहुंचने वाला है। इस पर खाद्य विभाग की टीम पहले से मौके पर तैनात थी। जैसे ही संदिग्ध टेंपो वहां पहुंचा, टीम ने उसे पकड़ लिया।

टेंपो की तलाशी लेने पर उसमें 11 कैन नकली घी भरे मिले, जिनका कुल वजन लगभग 420 किलो था। घी के सभी कैनों से सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार टेंपो चालक मौके से भाग निकला, जिसके बाद वाहन मालिक को मौके पर बुलाया गया।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) के तत्वावधान में कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दो विषयों पर सत्र संचालित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक डॉ.बी. बालाजी ने कार्यशाला के आयोजन की आवश्यकता और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

प्रथम सत्र में भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय (अमरावती, हैदराबाद) के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) रजनीश कुमार यादव ने राजभाषा कार्यान्वयन में कर्मचारियों के दायित्व विषय पर व्याख्यान दिया।

द्वितीय सत्र का विषय था- कार्यालयीन कामकाज में प्रयुक्त प्रशासनिक शब्दावली। इस विषय पर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की हिंदी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक (से.नि.) मु. कमालुद्दीन ने प्रशासनिक शब्दावली के निर्माण, प्रयोग और उनके विविध संदर्भों पर चर्चा की तथा प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। श्रीमती डी.वी. रत्नाकुमारी, विकास कुमार आजाद, हिंदी अनुवादक तथा डाक अनुभाग के जयपाल का सक्रिय योगदान रहा।

कविता ने फीस प्रतिपूर्ति पर 'उग्र शैली' वाली टिप्पणी के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की

वारंगल, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने शनिवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि निजी कॉलेजों को बकाया फीस प्रतिपूर्ति के मुद्दे पर जवाब देते हुए उन्होंने 'गली के गुंडों' जैसी बातें कीं। वारंगल का दौरा करने और कई कार्यक्रमों में भाग लेने वाली कविता ने कहा कि निजी कॉलेज प्रबंधन केवल इसलिए हड़ताल पर चले गए क्योंकि मुख्यमंत्री अपना वादा पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस सरकार ठेकेदारों के बिल तो चुका रही है, लेकिन शैक्षणिक संस्थानों का बकाया भुगतान क्यों नहीं कर रही है, और उन्होंने मुख्यमंत्री से छात्रों के भविष्य पर विचार करने का आग्रह किया। बाद में, सम्मयनगर कॉलोनी में बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे के दौरान, कविता ने प्रभावित परिवारों से बातचीत की और सरकार पर न्यूनतम राहत भी देने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'एक भी रुपया' जारी नहीं किया गया और जिला कलेक्टर से तत्काल सहायता की मांग की। उन्होंने बताया कि वारंगल की बाढ़ सरकारी लापरवाही का नतीजा थी, न कि कोई प्राकृतिक आपदा। कविता ने एमजीएम अस्पताल का भी निरीक्षण किया और वारंगल की स्वास्थ्य सेवाओं की उपेक्षा के लिए पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार, दोनों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे का अभाव है और ज़िले में दो महिला मंत्री होने के बावजूद प्रसूति सेवाएँ खराब बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि उनका दौरा राजनीति पर नहीं, बल्कि जन मुद्दों पर केंद्रित था।

कमांडर सुनील, सचिव एरिना समेत 7 नक्सलियों का सरेंडर

सभी 37 लाख के इनामी, एसएलआर-इंसास साथ लाए, कहा- डीआरजी में नहीं घर जाना चाहते हैं

गरियाबंद, 8 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद-धमतरी-नुआपाड़ा डिवीजन में उदंती एरिया कमेटी के 7 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन पर कुल 37 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में उदंती एरिया कमांडर सुनील और सचिव एरिना शामिल हैं, जिन पर 8-8 लाख रुपये का इनाम था।

सुनील हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले का रहने वाला है। उसने 2 दशकों से संगठन में सक्रिय रहकर कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वह साल 2004 में माओवादी संगठन से जुड़ा था। शुरू में उसने हरियाणा के यमुनानगर में माओवादियों के संचालित शिवालिक जनसंघर्ष मंच से काम शुरू किया था। फिर हिमाचल, ओडिशा होते हुए गरियाबंद पहुंचा था।

इनके साथ कमेटी सदस्य लुद्रो, विद्या, नंदिनी और मलेश ने भी सरेंडर किया है। इन पर 5-5 लाख रुपये का इनाम था। इसके अलावा 1 लाख रुपये की इनामी कांती ने भी आत्मसमर्पण किया है। नक्सली अपने साथ एक एसएलआर, 3 इंसास और एक सिंगल शॉट बंदूक भी लेकर आए। सभी ने गरियाबंद पुलिस के सामने हथियार डाले हैं। कमेटी सदस्य विद्या ने बताया कि रूपेश दादा की अपील के बाद हमने सरेंडर किया है। हम डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) में नहीं जाना चाहते। हथियार छोड़कर हम घर जाना चाहते हैं।

जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों ने आत्मसमर्पण के लिए मीडिया को माध्यम बनाया। मीडिया मौके पर पहुंची और उनसे लगभग आधा घंटा चर्चा की। इस दौरान आत्मसमर्पण की इच्छा रखने वाले नक्सली लुद्रो की बात एसपी निखिल राखेचा से कराई गई। एसपी ने उन्हें सुरक्षित आत्मसमर्पण का भरोसा दिलाया, जिसके बाद उन्हें जंगल से मेन रोड तक लाया गया।

शुरूआत में सुनील और एरिना किसी तरह पुलिस तक पहुंच गए थे, लेकिन लुद्रो, विद्या सहित 5 अन्य नक्सली सीधे संपर्क में नहीं थे। पुलिस की अपील के बाद उन्होंने एसपी निखिल राखेचा की ओर से जारी नंबर पर भी संपर्क किया, लेकिन वे मीडिया की मध्यस्थता में ही आत्मसमर्पण करना चाहते थे।

कमेटी सदस्य रुद्र ने बताया कि खंडसारा में मुठभेड़ होने के बाद टीम बंट गई। साथियों से मिलने में 3 महीने लग गए। इसके बाद कई बड़े मुठभेड़ हुए, जिसमें शीर्ष नेता मारे गए। कमेटी सदस्य विद्या ने कहा कि बस्तर में सरेंडर किए सेंट्रल कमेटी मेंबर रूपेश दादा के अपील के बाद नक्सल संगठन छोड़ने का फैसला किया।

संविदा कर्मचारियों को 50 लाख का दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान करें : बलराम

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी के सीएमडी एन. बलराम ने बैंकों से संविदा कर्मचारियों को 50 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान करने का आग्रह किया। सीएमडी ने शनिवार को सिंगरेणी भवन में भारतीय स्टेट बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक की।

उन्होंने कहा कि सिंगरेणी के कर्मचारियों और संविदा कर्मचारियों के लिए देश में पहली बार शुरू की गई निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना पूरे देश के लिए एक आदर्श बन गई है। सीएमडी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अब अपने-अपने संगठनों में इस योजना को लागू करने के लिए कदम उठा रही हैं। बैठक के दौरान, उन्होंने कहा, यह खुशी की बात है कि इस निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना के माध्यम से, सिंगरेनी के कर्मचारियों को 1.25 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर मिलता है, जबकि आउटसोर्स कर्मचारियों को 40 लाख तक का बीमा मिलता है। अब तक, विभिन्न दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले 34 कर्मचारियों के लगभग 30 करोड़ रुपये के बीमा दावों का निपटारा किया जा चुका है, जिससे उनके परिवारों को वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

उन्होंने अनुरोध किया कि सभी संविदा कर्मचारियों को न्यूनतम 50 लाख का दुर्घटना बीमा कवरेज दिया जाए और यह भी प्रस्ताव रखा कि प्राकृतिक मृत्यु की स्थिति में कर्मचारियों को कम से कम 20 लाख का टर्म इंश्योरेंस प्रदान किया जाए।

बलराम ने याद दिलाया कि सिंगरेणी में शुरू की गई दुर्घटना बीमा योजना को अब अन्य राज्यों ने भी एक मॉडल के रूप में अपनाया है और कोल इंडिया में भी लागू किया है। उन्होंने ऐसे प्रगतिशील कल्याणकारी उपायों को लागू करने में निरंतर सहयोग के लिए बैंकरों का धन्यवाद किया। सीएमडी ने आगे कहा कि सिंगरेणी की विस्तार योजनाओं के तहत, कंपनी ताप विद्युत संयंत्र, सौर ऊर्जा संयंत्र और पंप भंडारण परियोजनाओं जैसी परियोजनाएं शुरू कर रही है, जिनके लिए बैंकों से ऋण सहायता ली जाएगी।

उन्होंने कहा, यह दोनों संस्थानों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा, और बैंकों से बीमा कवरेज पैकेजों को सकारात्मक रूप से बढ़ाने पर विचार करने का आग्रह किया। सीएमडी की अपील पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, बैंकरों ने सिंगरेनी के साथ दीर्घकालिक व्यावसायिक संबंध जारी रखने की इच्छा व्यक्त की और बेहतर बीमा और वित्तीय पैकेज प्रदान करने का आश्वासन दिया।

आईसीएआर-सीआरआईडीए ने राष्ट्र के साथ मिलकर इस स्मरणोत्सव का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र के साथ मिलकर वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस अवसर पर, भाकृअनुप के कर्मचारियों ने वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की और एकता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव के आदर्शों को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

डॉ. वीके सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि यह समारोह न केवल बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की अमर रचना को श्रद्धांजलि देता है, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति की भावना जगाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करता है।

इस कार्यक्रम में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया गया, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह शाश्वत गीत राष्ट्र के आत्मविश्वास से भरे, आत्मनिर्भर और पुनरुत्थानशील विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को प्रेरित करता रहेगा।

हैदराबाद के जुबली हिल्स उप-चुनाव के दौरान 3.3 करोड़ नकद व 701 लीटर शराब जब्त

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में उप-चुनाव के मद्देनजर कार्रवाई में 3.3 करोड़ रुपये नकद और 701 लीटर शराब जब्त की गई है। इसके अतिरिक्त करीब 2,454 किलो गांजा और 0.11 ग्राम एमडीएमए भी बरामद हुआ है। मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट उल्लंघन के तहत 24 मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 15 भाषण/हिंसा-सम्बंधी और 7 बिना अनुमति रैलियों से जुड़े हैं। यह उपचुनाव इस साल अप्रैल में तीन बार के बीआरएस विधायक मगंटी गोपीनाथ के निधन होने की वजह से कराया जा रहा है।

बीआरएस ने चुनावी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया

चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने शनिवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस पर जुबली हिल्स उपचुनाव में बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली का आरोप लगाया और भारत के चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। इस संबंध में, श्रवण ने बीआरएस महासचिव आरएस प्रवीण कुमार और पूर्व विधायक जीवन रेड्डी के साथ मिलकर चुनाव आयोग को एक विस्तृत शिकायत सौंपी, जिसमें पुलिस तंत्र के दुरुपयोग, बीआरएस कार्यकर्ताओं को धमकाने और सुनियोजित धांधली के प्रयासों का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता बीआरएस प्रचारकों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लेने और उन पर हमले करने की योजना बना रहे थे, साथ ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के जन्मदिन समारोह में सार्वजनिक भोज और साड़ियां बांटकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन भी कर रहे थे। इसके अलावा, बीआरएस नेता ने फर्जी मतदाताओं, फर्जी मतदाता पहचान पत्रों, कई संभागों में समारोह हॉल बुक करने और मतदान के दिन बूथ कैप्चरिंग की योजना से जुड़े एक 'सुनियोजित धांधली अभियान' का आरोप लगाया। उन्होंने एआईएमआईएम नेताओं पर महिला मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए कांग्रेस के मंत्रियों के साथ मिलीभगत करके अवैध शिविर चलाने का भी आरोप लगाया। बीआरएस नेताओं ने 9 नवंबर के बाद कांग्रेस और एआईएमआईएम नेताओं के निर्वाचन क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने, फर्जी पहचान पत्रों को जब्त करने, संवेदनशील क्षेत्रों में सीआरपीएफ की तैनाती, सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी और लाइव वेबकास्टिंग लगाने और मतदाता सत्यापन के लिए महिला पुलिसकर्मियों की अनिवार्यता की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस की चुप्पी और चुनाव अधिकारियों की निष्क्रियता 'सीधे तौर पर कांग्रेस को फायदा पहुंचा रही है' और उन्होंने चुनाव आयोग से संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

रेवंत रेड्डी की मानसिक स्थिति गड़बड़ा गई है

जगदीश रेड्डी का कांग्रेस पर हमला

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने कहा कि जुबली हिल्स उपचुनाव में मतदाता कांग्रेस की रणनीति के बजाय हैदराबाद के विकास एजेंडे को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी चाहे कुछ भी कर लें, कांग्रेस पार्टी चुनाव नहीं जीत पाएगी। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जगदीश रेड्डी ने कहा कि रेवंत रेड्डी का व्यवहार एक मुख्यमंत्री के अनुकूल नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी बिना संदर्भ के बयान दे रहे हैं और उनका आचरण पर्यवेक्षकों को शर्मिंदा कर रहा है। रेड्डी ने कहा कि उनकी बकवास के कारण ही कांग्रेस ने उन्हें बिहार चुनाव प्रचार से दूर रखा और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी को जिम्मेदारी दी।

उन्होंने रेवंत रेड्डी पर व्यक्तिगत हमले करने, वाईएस राजशेखर रेड्डी और सोनिया गांधी के खिलाफ अपशब्द कहने और उनके कार्यकाल में नशीली दवाओं से जुड़े अपराध बढ़ने का आरोप लगाया। रेड्डी ने कहा कि बीआरएस शासन में अपराध पर सख्त नियंत्रण था। जगदीश रेड्डी ने कहा, रेवंत रेड्डी ऐसे बोलते हैं जैसे वह नशे में हों। उन्होंने मुख्यमंत्री के टी हरीश राव, आईपीएस अधिकारियों और होमगार्डों के प्रति अपमानजनक रवैये की भी निंदा की।

उन्होंने कहा, हरीश राव ने कभी पार्टी में किसी को नीचा नहीं दिखाया। रेवंत की भाषा तेलंगाना की गरिमा को ठेस पहुंचा रही है, उन्हें इसे बदलना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बुरे भाई और मोदी के चेले बताते हुए राज्य के विकास की जिम्मेदारी साझा करने को कहा। रेड्डी ने प्रगति भवन की बुलेटप्रूफ खिड़कियों, सचिवालय में बदलावों और विपक्ष पर नजर रखने के लिए कमांड कंट्रोल सेंटर के इस्तेमाल की जांच की मांग की।

10-पूर्व मंत्री केटीआर ने हैदराबाद में हाईकैन 2025 का शुभारंभ किया

शो में 500 कुत्ते और 100 बिल्लियां शामिल हुईं

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद का सबसे बड़ा पालतू पशु शो, हाईकैन 2025, शनिवार को नरसिंगी स्थित एक कन्वेंशन में शुरू हुआ। इस शो में लगभग 500 कुत्ते और 100 बिल्लियां शामिल हुईं।

इस शो में पालतू जानवरों, प्रतियोगिताओं और जनहितकारी पहलों का दो दिवसीय प्रदर्शन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता केटी रामाराव ने किया, जो अपने पालतू पशुओं के साथ आए थे। इस अवसर पर, केटीआर ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें बचपन से ही कुत्तों से प्यार है और पालतू जानवरों की देखभाल उनके लिए तनाव से मुक्ति का एक बड़ा साधन रही है। अपने व्यस्त राजनीतिक कार्यक्रम के बावजूद, उन्होंने शो में एक घंटे से ज्यादा समय बिताया, पालतू जानवरों के मालिकों से बातचीत की, विभिन्न नस्लों के बारे में पूछताछ की और सेल्फी खिंचवाई।

हैदराबाद कैनाइन क्लब के समिति सदस्य रोहित ने कहा कि केटीआर लंबे समय से पालतू पशु उद्योग के समर्थक रहे हैं और उन्होंने हैदराबाद में भारत का पहला डॉग पार्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाईकैन 2025 में कुत्ते, बिल्लियां, 80 से 100 प्रकार की मछलियों वाला एक विस्तृत जलीय क्षेत्र, ग्रूमिंग प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा निर्णायक कई चैंपियनशिप शो शामिल होंगे। इस वर्ष के संस्करण में दो प्रमुख जनहित पहल भी शामिल हैं।

तेलंगाना सरकार और जीएचएमसी के साथ साझेदारी में, इस कार्यक्रम ने 'सेफ विद डॉग्स' नामक एक शहरव्यापी अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य कुत्तों के प्रति भय को कम करना, जिम्मेदार पालतू जानवरों के स्वामित्व को बढ़ावा देना और पालतू-मैत्रीपूर्ण प्रतिष्ठानों को प्रोत्साहित करना है। भाग लेने वाले कैफ़े और दुकानें कार्यक्रम स्थल पर कार्यशालाओं में भाग लेंगे और जीएचएमसी द्वारा अनुमोदित प्रमाणन और 'सेफ विद डॉग्स' स्टिकर प्राप्त करेंगे। एक अन्य प्रमुख आकर्षण राष्ट्रीय कैनाइन बहादुरी पुरस्कारों की शुरूआत थी, जो आरआरयू कमांडो के9 अकादमी और हैदराबाद कैनाइन क्लब द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किए जाते हैं।

नगर पधारने पर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृती मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी का सम्मान करते हुए राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना) पूर्व अध्यक्ष रामसिंह चौहान व अन्य।

पूर्व विधायक मर्री जनार्दन रेड्डी के आवास पर पुलिस की तलाशी से मचा हंगामा

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मोतीनगर में शुक्रवार को उस समय तनाव फैल गया जब नागरकर्नूल के पूर्व बीआरएस विधायक मर्री जनार्दन रेड्डी के आवास पर पुलिस और चुनाव उड़नदस्ता की टीम ने तलाशी अभियान चलाया। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव से पहले हुई इस कार्रवाई से राजनीतिक हलचल तेज हो गई। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे चुनाव उड़नदस्ता रेड्डी के आवास पहुंचा, जब वह अपने समर्थकों के साथ गेट पर बातचीत कर रहे थे। अचानक लगभग 100 पुलिसकर्मी वहां पहुंच गए और पूर्व विधायक तथा उनके समर्थकों को घर के अंदर जाने से रोक दिया।

पूर्व विधायक ने तलाशी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मोतीनगर क्षेत्र कुकटपल्ली विधानसभा के अंतर्गत आता है, न कि जुबली हिल्स के, इसलिए यहां तलाशी का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने पुलिस से तलाशी का नोटिस दिखाने की मांग की। इस दौरान पुलिस और रेड्डी के बीच तीखी बहस भी हुई। दो सदस्यीय चुनाव उड़नदस्ते ने घर की तलाशी ली, लेकिन किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता नहीं चला। बीआरएस नेताओं ने बताया कि जिस मकान में तलाशी ली गई, वह वास्तव में एक गेस्ट हाउस के रूप में इस्तेमाल हो रहा था जहां उनके रिश्तेदार और मित्र ठहरते हैं।

बीआरएस उम्मीदवार की छवि धूमिल करने का आरोप

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव में अब केवल तीन दिन शेष रहते ही कांग्रेस पार्टी और उसकी सोशल मीडिया टीमें बीआरएस उम्मीदवार मगंटी सुनीता की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोपों में घिर गई हैं। बीआरएस नेताओं ने कहा कि कांग्रेस मतदाताओं को भ्रमित करने के लिए निराधार आरोपों का सहारा ले रही है। गुरुवार को दिवंगत बीआरएस विधायक मगंटी गोपीनाथ की मां, मगंटी महानंदा कुमारी ने आरोप लगाया था कि सुनीता और बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने उन्हें या उनके भाई वज्रनाथ को अस्पताल में गोपीनाथ से मिलने की अनुमति नहीं दी। हालांकि, वज्रनाथ पहले कई बार रामाराव के साथ बीआरएस बैठकों और प्रेस वार्ताओं में नजर आ चुके हैं।

इस बीच, गोपीनाथ की पहली शादी से पुत्र होने का दावा करने वाले मगंटी तारक ने भी सुनीता के वैवाहिक संबंधों पर सवाल उठाए। कांग्रेस समर्थक सोशल मीडिया खातों ने महानंदा कुमारी के वीडियो साझा किए, जिनमें उन्होंने सुनीता के खिलाफ बयान दिए, जिससे बीआरएस उम्मीदवार की छवि धूमिल हो सके। लेकिन सोशल मीडिया पर सामने आई पुरानी तस्वीरों और वीडियो में महानंदा कुमारी को गोपीनाथ और सुनीता की शादी तथा उनके पारिवारिक आयोजनों में भाग लेते देखा गया। इससे उनके दावों पर संदेह गहराता जा रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं. 45/2025 दि.07-11-2025
भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर दर्शाई गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि वेबसाइट:www.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स को आनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा, एसडी को वेबसाइट पर देखा जा सकता है। मैन्युएल रूप से प्रस्तुत आफर्स अस्वीकार्य हैं। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी या इन्डिगेनस आफर्स, पूधरा को केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
30253593	लोवर स्प्रींग सीट
30253637	बफ्फर प्लंगर
66258594	प्लासर मेक या ब्रांड के ट्रैक मशीन स्पेर्स
25253210	रूम टेंपरेचर वुल्कनाइजिंग (आरटीवी) सीलीकान सीलंट
29251148	डब्ल्यूएपी7/डब्ल्यूएजी9लोको. का एंडफ्रेम नानड्राइविंग एंड एस्स्ले.(मशीन)
56251198	लीड एसिड स्टेशनरी सेकंडरी सेल, 120 एएच, लो
29251552	बेक रिगिंग हेतु मैंगनीज स्टील पिन्स का सेट
25255015	3-फेज इलेक्ट्रिक लोकोज हेतु आईजीबीटी आधारित 3x130केवीए आक्सीलरी कनर्वटर
30253594	उच्च क्षमता युक्त थेर्मोप्लास्टिक
33251603	मस्ट चेंज किट
स्टोर्स-एसटीडब्ल्यू-25	रेलवे गूड्स सर्विस प्रति मेट्रिक टन प्रति किमी के परिवहन हेतु रेट कांट्राक्ट या ठेका
66258191	प्लास्सर ब्रांड के ट्रैक मशीन स्पेर्स
30253695	बीएमएबी कोचेस हेतु सेल्फ लुब्रिकेटिंग पोलिस्टर रेसिन आधारित कम्पोजिट ब्रेक गेयर का पीओएच किट
38251146	कैसनब बोगी हेतु बोगी सेंटर पिवोट टाप
37255002	बीसीएनएचएल वैगान हेतु स्लाइडिंग डोर आरेंजमेंट कम्प्लीट
एससीआर-सीपीएम-टीआरटी25	आयआर, मेक हार्सको रेल, युएसए हेतु टीआरटी स्पेर्स की आपूर्ति हेतु आरसी
66258562	ट्रैक मशीन हेतु वाल्व्ज आदि की प्रोक्योरमेंट
66256193	ट्रैक मशीनों के उपयोगार्थ सीआरसीसी एचटीइसी मेक का प्रापण
38255016	फालोअर सहित ड्राफ्ट गेयर
56251239	एस्सेंबल/सेमी एसेंबल्ड पाइंट मशीन
38255017	शैंक वेयर प्लेट सहित कुपलर बाडी
66256888	ट्रैक मशीनों के उपयोगार्थ स्पेर्स का प्रापण
66258539	ट्रैक मशीनों के उपयोगार्थ स्पेर्स का प्रापण
66256087	ट्रैक मशीनों हेतु लोरम ब्रांड का प्रापण
66257117	ट्रैक मशीनों के उपयोगार्थ स्पेर्स का प्रापण
33251330	एलएचबी टाइप कोचेस हेतु नानएसबेस्टास आधारित आर्गनिक ब्रेक पैड्स(वन आरएचएंडवन एलएच)

टिप्पणीः -निविदा खोलने की निर्धारित दिनांकः क्रम सं.01 दि.20-11-2025, क्रम सं.02 दि.21-11-2025, क्रम सं.03 एवं 06 दि.24-11-2025, क्रम सं.0% एवं 08 दि.25-11-2025, क्रम सं.09 दि.26-11-2025,क्रम सं.10 दि.27-11-2025, क्रम सं.11 दि.28-11-2025, क्रम सं.12 से 16 दि.01-12-2025, क्रम सं.17 एवं 18 दि.02-12-2025, क्रम सं.19 एवं 20 दि.03-12-2025, क्रम सं.21 से 23 दि.08-12-2025, क्रम सं.24 दि.09-12-2025, क्रम सं.25 एवं 26 दि.10-12-2025

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख मूल्य से अधिक की अन्य निविदाएं भी हैं।

अधिक जानकारी हेतु कृपया उपरोक्त वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.18-सीडब्ल्यू एमएलजीडीएस-इटी-2025-26, दि.06-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, सीडब्ल्यूएम/एलजीडीएस द्वारा निविदा सं.18-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26, बंद तिथि 28-11-2025 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बिड्डर्स या बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को इस बात की अनुमति दी जाती है कि, इस निविदा की निविदा दस्तावेज का मूल्य तथा पूधरा का भुगतान केवल आनलाइन पेमेंट पध्दतियों (आईआरइपीएस पोर्टल पर उपलब्ध) द्वारा जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि द्वारा ही करें। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रीसीप्ट्स, एफडीआर आदि के रूप में मैन्युएल पेमेंट्स अमान्य हैं।

निविदा संख्याः18-सीडब्ल्यूएम एलजीडीएस-इटी-2025-26, दि.06-11-2025 कार्य विवरणः कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद पर बोगी कम्पोनेन्ट्स की स्ट्रीपींग, क्लीनींग व पेंटिंग करना।

अनुमानित मूल्य रू. 7,81,08,381.02 (रु.सात करोड इक्यासी लाख आठ हजार तीनसौ इक्यासी व दो पैसे मात्र), पूधरा रु.5,40,600.00 (रु.पांच लाख चालीस हजार व छह सौ मात्र), कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने की तिथिः28-11-2025 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा शर्ते/अधिक विवरण (निविदा दस्तावेज में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in/.देखें

चीफ वर्कशाप मैनेजर, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2025-26-एलएचएस-28 दि.05-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए एसआर.डीएसटीइ/एनडीडी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व तिथिः एन-एसजी-36-2025-26-एलएचएस-28 दि.05-11-2025 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन पर डीएलबी-पीओजेड के बीच एलसी 41, एलसी 42 के स्थान पर लिमिटेड हाइट सबवे का प्रावधान से संबंधित एस एण्ड टी कार्य, एएमडब्ल्यू-एलएचडी के बीच

किमी 775/8-9(क्लोज्ड एलसी 91 पर ट्रेसपास लोकेशन) पर लिमिटेड हाइट सबवे का उक्त कार्य तथा डब्ल्यूडीएन-पीआरएलआय के बीच एलसी 21 एलसी 22 के स्थान पर आरयुबी का शेष कार्य, पीकेएनएस-जीएनएच के बीच एलसी 7, जीएनएच-डब्ल्यूडीएन स्टेशनों के एलसी 18, एलसी 19 के स्थान पर उक्त कार्य। अनुमानित परियोजना मूल्य रु. 89,93,801.00, बोली सुरक्षा रु.1,79,900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली बंद करने की तिथि (बोली तय तिथि)-28-11-2025 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथिः28-11-2025 के 15.00 बजे के पश्चात्, आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य

समस्त बिड्डिंग, इंडियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टलः www.ireps.gov.in पर होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं । अधिक जानकारी हेतु www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता, नांदेड

एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/टेंडर नोटिस/जीएस/2025-26 दि.06-11-2025

निम्न कार्यों हेतु खुली निविदा प्रदर्शित की गयी है तथा निविदा के विवरण को पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

निविदा सं.-टी-202526-जीएस-05 प्राधिकरणः डीवाय.सीइ/जीएस/एनडीडी कार्य विवरणः नांदेड युनिट के दक्षिण मध्य रेलवे गति शक्ति पर प्राजेक्ट सुपरविजन सेवाएं प्रदान करने हेतु प्राजेक्ट सुपरविजन सर्विसेज एजेंसी (पीएसएसए) की व्यवस्था। विज्ञापित मूल्य रु.1,07,46,656.60, पूधरा रु.2,03,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः (12) बारह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

उपरोक्त निविदा 27-11-2025 के 15.00 बजे बंद होगी। अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें

उप मुख्य अभियंता/जीएस, नांदेड

A1773

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ओलंपिक में नहीं खेलेगी पाकिस्तानी टीम!

दुबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। एक सदी के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है. साल 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में इस बार क्रिकेट का रोमांच भी देखने को मिलेगा. इसमें महिला और पुरुष की 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी. इस मेगा इंवेट में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खेलने का सपना टूट सकता है. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ये तय कर लिया है कि लॉस एंजेलिस 2028 गेम्स के लिए छह हिस्सा लेने वाली टीमों को कैसे चुना जाएगा?

महिला-पुरुष की 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा

दुबई में अपनी हालिया बोर्ड मीटिंग में ग्लोबल क्रिकेट बॉडी ने कन्फर्म किया कि मेंस और महिलाओं दोनों कैटेगरी से 6-6 टीमें 1900 में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार इस गेम्स में खेलेगी. आईसीसी टी20आई रैंकिंग के हिसाब से केवल टॉप 6 टीमों का शुरुआती आइडिया अब खत्म कर दिया गया है. अब ऐसा इंतजाम होगा, जिसमें हर रीजन/कॉन्टिनेंट से टॉप टीम को जगह मिलेगी और छठी टीम ग्लोबल क्वालिफायर के जरिए आएगी.

आईसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि टीमों की भागीदारी को लेकर बातचीत हुई है और ये तय किया गया है कि हर रीजन/कॉन्टिनेंट की टॉप रैंक वाली टीम इसमें हिस्सा लेगी, जबकि छठी टीम ग्लोबल क्वालिफायर से आएगी. आईसीसी जल्द ही इसकी डिटेल्स शेयर करेगा, लेकिन रोडमैप लगभग फाइनल हो गया है. इस अरेंजमेंट का मतलब है कि हर रीजन/कॉन्टिनेंट की हर टॉप टीम पहली पांच टीमों में शामिल होगी.

पाकिस्तान का कट सकता है पत्ता

इसका सीधा सा मतलब है कि मौजूदा रैंकिंग के आधार पर भारत एशिया से, ऑस्ट्रेलिया ओशिनिया से, इंग्लैंड यूरोप से, साउथ अफ्रीका अफ्रीका से क्वालिफाई करेंगे और ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या यूएसए ये देखते हुए कि वे होस्ट हैं-अमेरिका से क्वालिफाई करते हैं या वेस्टइंडीज वो जगह लेगा. ग्लोबल क्वालिफायर की डिटेल्स जल्द ही ग्लोबल क्रिकेट बॉडी द्वारा शेयर किए जाने की संभावना है. एलए28 में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच न होने की भी पूरी संभावना है, क्योंकि ग्लोबल क्वालिफायर की डिटेल्स अभी भी पता नहीं हैं.

मीटिंग के बाद जारी डिटेल स्टेटमेंट में आईसीसी ने महिला क्रिकेट की सफलता का जिक्र किया और एलए 28 गेम्स के बारे में भी अपडेट दिया. मीडिया रिलीज में कहा गया है कि आईसीसी ने इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी और लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक गेम्स के साथ आईसीसी की चल रही बातचीत का रिव्यू किया, क्योंकि क्रिकेट ग्लोबल मल्टीस्पोर्ट लैंडस्केप में अपनी जगह बना रहा है. एलए28 में पुरुषों और महिलाओं दोनों के टी20 इवेंट में 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी. इस दौरान कुल 28 मैच खेले जाएंगे. इसकी शुरुआत 12 जुलाई 2028 से होगी.

पंत साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट

एहतियातन मैदान से वापस बुलाया गया, टेस्ट सीरीज में भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं

राजकोट, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत साउथ अफ्रीका ए और इंडिया ए के बीच खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में चोटिल हो गए। इस वजह से उन्हें मैच के तीसरे दिन पहले सेशन में रिटायर हर्ट होकर वापस जाना पड़ा।

पंत साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में होने वाले पहले टेस्ट में भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं और यह चोट भारतीय टीम मैनेजमेंट के लिए एक चिंता की विषय हो सकती है। हालांकि उन्हें मैदान से एहतियातन ही वापस बुलाया गया।

पंत को 34वें ओवर में रिटायर हर्ट होना पड़ा

कप्तान पंत को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे मैच के तीसरे दिन के पहले सेशन में तेज गेंदबाज शेपो मोरेकी की गेंदों

पर तीन बार चोट लगी। यह चोट उनके शरीर और हेलमेट पर लगी, जिसके बाद उन्हें 34वें ओवर में रिटायर हर्ट होना पड़ा।

पंत दिन के तीसरे ओवर में नंबर पांच पर बल्लेबाजी के लिए आए थे। पंत ने शुरुआत में तेजी से रन बनाए और उनके पहले तीन शॉट्स 4, 4 और 6 रन थे। लेकिन शॉर्ट गेंदों पर उनके शरीर पर लगे चोटों से उन्हें दर्द महसूस होने लगा। पंत बैटिंग जारी रखना चाहते थे, लेकिन इंडिया ए के कोच और फिजियो ने उन्हें मैदान से बाहर ले गए।

इंग्लैंड में चोटिल हो गए थे पंत

इससे पहले, पंत चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की होम टेस्ट सीरीज नहीं खेल सके थे। वे इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। पंत के पैर में फ्रैक्चर था। पंत ने 2 नवंबर को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ 4 दिवसीय मैच में भारत-ए की कप्तानी करते हुए मैदान पर वापसी की। वे पहली पारी में तो 17 रन ही बना सके, लेकिन दूसरी पारी में 90 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

पंत के नाम 8 टेस्ट शतक

ऋषभ पंत भारत के लिए 47 टेस्ट में 44.50 की औसत से 3427 रन बना चुके हैं। उनके नाम 8 शतक और 18 फिफ्टी भी शामिल हैं। वे टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले विकेटकीपर हैं। उन्होंने 31 वनडे और 76 वनडे भी खेले हैं।

ऑस्ट्रेलिया में भी छाए अभिषेक शर्मा

पहली टी20 सीरीज में ही जीता बड़ा अवॉर्ड

ब्रिस्बेन, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है. ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में खेला गया सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया. इसी के साथ भारत ने ऑस्ट्रेलिया में अपने टी20 सीरीज जीत का रिकॉर्ड बरकरार रखा. वहीं, इस सीरीज में टीम इंडिया के स्टार ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कमाल कर दिया. अभिषेक की यह ऑस्ट्रेलिया में पहली टी20I सीरीज थी और उन्होंने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का अवॉर्ड अपने नाम किया. 25 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने. अभिषेक ने इस टी20 सीरीज में बल्ले से कमाल का प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए. उन्होंने 5 मैचों में 40.57 की औसत और 161.38 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 163 रन ठोके. इस दौरान उनके बल्ले से एक अर्धशतक निकला और उनका बेस्ट स्कोर 68 रन रहा. अभिषेक ने इस सीरीज में कुल 18 चौके और 6 छक्के भी जड़े. बता दें कि, इससे पहले अभिषेक ने एशिया कप 2025 में भी शानदार प्रदर्शन कर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया था. प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने के बाद अभिषेक ने कहा कि "मुझे इस सीरीज का काफी बेसब्री से इंतजार था. जब मुझे पता चला कि मैं सीरीज खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहा हूं तो मैं उसके लिए काफी उत्साहित था.

आईसीसी ने एशिया कप ट्रॉफी विवाद सुलझाने कमेटी गठित की

कहा- भारत-पाक मिलकर मसला सुलझाएं; टीम इंडिया ने पीसीबी चीफ से ट्रॉफी नहीं ली थी

दुबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीसी ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे एशिया कप ट्रॉफी विवाद को सुलझाने के लिए कमेटी गठित की है। दुबई में चल रही एनुअल जनरल मीटिंग में कहा- 'दोनों देश आपस में फैसला करें।'

आईसीसी बोर्ड के सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान और भारत क्रिकेट जगत के लिए अहम हैं। उन्हें अपनी समस्याओं को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाना चाहिए। बोर्ड मध्यस्थता के लिए तैयार है।

भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने पीसीबी चीफ नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी एसीसी के भी चीफ हैं और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आए थे। पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी ऑफिस में छोड़ दी थी।

इस मीटिंग में विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली टीमों की संख्या 8 से बढ़ाकर 10 कर दी गई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि यह फैसला भारत में आयोजित विमेंस वनडे वर्ल्ड कप की सफलता को देखकर लिया गया है।

भारत ने 2 नवंबर को नवी मुंबई में आयोजित फाइनल में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराते हुए विमेंस वर्ल्ड कप में अपना पहला टाइटल जीता था। इस मैच देखने के लिए स्टेडियम में हजारों फैंस उमड़ पड़े। इसने आईसीसी को इस फैसले के लिए उत्साहित किया।

अगले साल से आईसीसी के सदस्य देशों को 10% ज्यादा पैसा मिलेगा। क्योंकि, बोर्ड ने 2026 के लिए अपने सदस्य देशों फंड डिस्ट्रीब्यूशन में लगभग 10% की वृद्धि को मंजूरी दी है।

आईसीसी ने 'प्रोजेक्ट यूएसए' पर पहला अपडेट लिया है, जो कि अमेरिकी क्रिकेट को सस्पेंड करने के बाद शुरू किया गया था। ताकि अमेरिका की नेशनल टीमों के प्लेयर्स के कॉमर्शियल और डिवलेपमेंट पर नेगेटिव प्रभाव न पड़े। यह प्रोजेक्ट लॉस एंजिल्स 2028 ओलिंपिक गेम्स में क्रिकेट को शामिल करने और आईसीसी टूर्नामेंट में निरंतर हिस्सेदारी के जरिए अमेरिकी टीमों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए बनाया गया है।

क्रिकेट को 2028 में ओलिंपिक कार्यक्रम में फिर से शामिल किया जाएगा। यह पहले से ही एशियन गेम्स का हिस्सा है। इसे काहिरा में 2027 के अफ्रीकी खेलों और पेरू की राजधानी लीमा में 2027 के पैन-अमेरिकन खेलों के लिए निर्धारित खेलों की सूची में भी शामिल किया जाएगा।

एरिगेसी की शानदार जीत

गुकेश और विदित ने खेले ड्रॉ मुकाबले

पणजी, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव को हराकर शतरंज विश्व कप के तीसरे दौर में बढ़त बना ली। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हालांकि जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन के खिलाफ अपने पहले गेम में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

एरिगेसी के अलावा, अनुभवी ग्रैंडमास्टर पी. हरिकृष्णा ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के युवा खिलाड़ी डैनियल दर्धा को मात दी और बढ़त हासिल की। राउंड ऑफ 64 के मुकाबलों में प्रज्ञानंद ने काले मोहरों से खेलते हुए अर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान के साथ ड्रॉ खेला, जबकि विदित गुजराती का मुकाबला भी अमेरिका के सैम शंकलैंड से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। एरिगेसी ने इस नॉकआउट टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा है।

महिला वर्ल्ड कप व्यूअरशिप में पुरुष टी-20 के बराबर पहुंचा

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 18.5 करोड़ लोगों ने फाइनल देखा

40 हजार दर्शक स्टेडियम पहुंचे

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में खेले गए महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल ने व्यूअरशिप के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता।

आईसीसी के मुताबिक इस मैच को जियोहॉटस्टार पर 18.5 करोड़ लोगों ने देखा। यह आंकड़ा 2024 के पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के बराबर है। इसके अलावा 9.2 करोड़ लोगों ने यह मैच टीवी पर सैटेलाइट टेलिकास्ट से देखा। यह भी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप 2024 और पुरुष वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल की सैटेलाइट टेलिकास्ट व्यूअरशिप के बराबर है।

वहीं, इस टूर्नामेंट की कुल डिजिटल पहुंच भारत में 44.6 करोड़ रही। यह महिला वर्ल्ड कप

के इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा है। यह आंकड़ा पिछले तीन संस्करणों की कुल डिजिटल पहुंच से भी ज्यादा है।

इससे पहले 5 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए ग्रुप स्टेज मैच को 2.84 करोड़ लोगों ने देखा था। यह किसी महिला अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए अब तक की सबसे ज्यादा व्यूअरशिप थी, लेकिन फाइनल ने इस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। फाइनल मुकाबले के दौरान डीवाई पाटिल स्टेडियम पूरी तरह भरा हुआ था। 39,555 दर्शकों ने स्टेडियम में बैठकर भारत को इतिहास रचते हुए देखा।

आईसीसी ने बताया कि विमेंस वर्ल्ड कप में करीब 3 लाख दर्शक स्टेडियम में पहुंचे, जो किसी भी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए नया रिकॉर्ड है। वहीं, पूरे भारत में टीवी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और स्टेडियम में पहुंचे लोगों को मिलाकर भारत में 50 करोड़ लोगों ने टूर्नामेंट देखा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने महिला क्रिकेट के विकास की दिशा में एक बड़ा फैसला किया है। हाल ही में खत्म हुए महिला वनडे विश्व कप 2025 की सफलता के बाद ICC ने ऐलान किया है कि अगला महिला वनडे विश्व कप 2029 में 10 टीमों के साथ खेला जाएगा। साल 2000 से अब तक महिला वनडे विश्व कप में सिर्फ 8 टीमें हिस्सा लेती थीं। लेकिन अब 2029 में 10 टीमें खेलेंगी और टूर्नामेंट में कुल 48 मैच होंगे। हाल के वर्ल्ड कप में 31 मैच हुए थे।

साबालेंका और राइबाकिना फाइनल में भिड़ेंगी

साबालेंका ने अनिसिमोवा को हराया, राइबाकिना ने पेगुला को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया

रियाद, 8 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी आर्यना साबालेंका और वर्ल्ड नंबर 6 रैंकिंग वाली एलेना राइबाकिना डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में पहुंच गई हैं।

शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में साबालेंका ने अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया। वहीं, राइबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 5 जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से मात दी।

साबालेंका ने तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताब के लिए क्वालीफाई किया। सेमीफाइनल के पहले सेट में उन्होंने अनिसिमोवा को 6-3 से आसानी से हराया। हालांकि, दूसरे सेट में अनिसिमोवा ने शानदार वापसी की और 3-6 से यह सेट अपने नाम किया। निर्णायक तीसरे सेट में साबालेंका ने 4-3 की बढ़त लेकर जीत सुनिश्चित की।

मैच के बाद साबालेंका ने

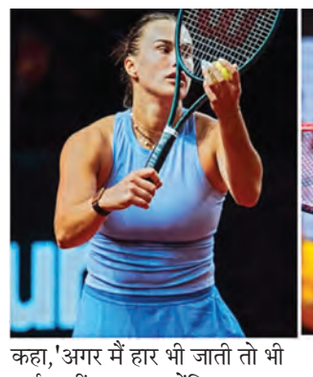

कहा,'अगर मैं हार भी जाती तो भी फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि यह एक शानदार मैच था। दोनों खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाने के लायक प्रदर्शन किया। जीतकर मैं बहुत खुश हूं।'

राइबाकिना पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स में पहुंची। उन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया।

राइबाकिना ने जीत के बाद कहा,'मैच की शुरुआत कठिन थी, लेकिन दूसरे सेट में मैं वापसी करने में सफल रही। निर्णायक सेट में मेरी सर्विस ने मुझे सही समय पर मदद की।'

महिला टेनिस के वार्षिक कैलेंडर में डब्ल्यूटीए फाइनल को चार ग्रैंड स्लैम के बाद सबसे अहम टूर्नामेंट माना जाता है। इसमें पूरे सीजन के प्रदर्शन के आधार पर टॉप आठ सिंगल्स और टॉप आठ डबल्स टीमें हिस्सा लेती हैं।

अगर किसी साल किसी खिलाड़ी या टीम ने ग्रैंड स्लैम जीता है, लेकिन उनकी रैंकिंग 9वें से 20वें स्थान के बीच है, तो उन्हें भी आठवें स्थान के रूप में टूर्नामेंट में जगह दी जा सकती है।

यह टूर्नामेंट 1972 में वर्जीनिया स्लिम्स सर्किट चैंपियनशिप के रूप में शुरू हुआ था, जो बाद में डब्ल्यूटीए टूर फाइनल्स के नाम से जाना जाने लगा।

2003 से टूर्नामेंट का फॉर्मेट बदाव हुआ और खिलाड़ियों को चार-चार के दो समूहों में बांटा जाता है और हर खिलाड़ी तीन राउंड-रॉबिन मैच खेलती है। प्रत्येक समूह से टॉप दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचती हैं और फिर फाइनल मुकाबले से चैंपियन तय होता है। डब्ल्यूटीए फाइनल में ग्रैंड स्लैम के बाद सबसे ज्यादा पुरस्कार राशि और रैंकिंग अंक मिलते हैं।

इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा रही हैं, जिन्होंने 8 सिंगल्स और 13 डबल्स खिताब अपने नाम किए हैं।

प्रतिका रावल को भी मिलेगा वर्ल्ड चैंपियन बनने का मेडल: इंजरी के कारण टूर्नामेंट से

बाहर हो गई थीं; बोलीं- मुझे शेफाली पर भरोसा था

नई दिल्ली, , 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बैटर प्रतिका रावल को भी विमेंस वर्ल्ड चैंपियन बनने का मेडल मिलेगा। पीटीआई से बात करते हुए उन्होंने बताया, जय (शाह, आईसीसी चेयरमैन) सर ने मेरा मेडल भिजवा दिया है। मिलने में कुछ समय लगेगा, लेकिन मेडल जल्द ही मिल जाएगा।

प्रतिका रावल लीग स्टेज में बांग्लादेश के खिलाफ इंजर्ड हो जाने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं। इस कारण उन्हें चैंपियन टीम का हिस्सा नहीं माना गया। उनकी जगह शेफाली वर्मा आईं, जिन्होंने फाइनल में फिफ्टी लगाकर भारत को जीत दिलाई। प्रतिका ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा था कि शेफाली फाइनल में कमाल करेंगी।

प्रतिका को मेडल क्यों नहीं मिला था?

2 नवंबर को भारत ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार ट्रॉफी जीती थी। प्रतिका इंजरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुईं, उनकी जगह शेफाली को स्क्वॉड में शामिल किया गया।

आईसीसी टूर्नामेंट में आखिरी मैच तक टीम का हिस्सा रहने वालीं प्लेयर्स को ही मेडल दिया जाता है। टूर्नामेंट से बाहर हो जाने के कारण प्रतिका को रिप्लेस करने वालीं शेफाली को मेडल मिला और प्रतिका को ऑफिशियल वर्ल्ड चैंपियन नहीं माना गया। प्रतिका टूर्नामेंट की चौथी टॉप स्कोरर थीं, उन्होंने एक शतक लगाकर 308 रन बनाए थे।

ऐसा ही कुछ 2003 के मेंस वर्ल्ड कप में भी हुआ था, तब चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के जेसन गिलेस्पी को इंजरी से बाहर हो जाने के चलते मेडल नहीं मिला था। उन्होंने 4 मैच में 8 विकेट लिए थे। वे भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच भी बने थे।

लोगों ने कुछ भी बातें कहीं- प्रतिका

मेडल नहीं मिलने पर प्रतिका ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा, 'अब मेरे पास मेरा अपना मेडल होगा। सपोर्ट स्टाफ के सदस्य ने कुछ देर के लिए मुझे अपना मेडल दिया था, क्योंकि मेरा समय पर नहीं आ सका। मुझे बताया गया है कि जय सर ने मेरा मेडल भेज दिया है। मैं इस बात से खुश हूं, लेकिन लोगों ने ऑनलाइन इस पर कुछ तो भी बातें कहीं। मेडल मिलने में समय लगेगा, लेकिन आ जाएगा।'

व्हीलचेयर पर जीत सेलिब्रेट करने पहुंची थीं

फाइनल की रात प्रतिका व्हीलचेयर पर बैठकर टीम इंडिया को सपोर्ट करने पहुंची थीं। उन्होंने व्हीलचेयर पर बैठे-बैठे ही मैदान में टीम की साथी प्लेयर्स के साथ जीत सेलिब्रेट की थी। इतना ही नहीं, साथी प्लेयर्स के सहारे से उन्होंने डांस भी किया था। वे 6 नवंबर को पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने के लिए व्हीलचेयर पर ही पहुची थीं।

शेफाली पर पूरा भरोसा था- प्रतिका

प्रतिका ने अपनी रिप्लेसमेंट शेफाली पर कहा, 'शेफाली को मोटिवेशन को जरूरत नहीं रहती, वे खुद पर विश्वास रखती है। फाइनल से पहले उसने कहा था, मुझे आपको बाहर देखकर अच्छा नहीं लग रहा। तब मैंने कहा था कि ये सब चीजें होती रहती हैं। मुझे भरोसा था कि वह फाइनल में स्पेशल परफॉर्मेंस देगी।'

शेफाली वर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 10 रन भी नहीं बना सकी थीं। हालांकि, उन्होंने फाइनल में महज 78 गेंद पर 87 रन बना दिए थे। इतना ही नहीं, गेंदबाजी में सुने लुस और मारिजान कैप के 2 अहम विकेट भी लिए थे। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रतिका ने शतक लगाया था

प्रतिका टूर्नामेंट के लीग स्टेज में इंडिया विमेंस टीम का अहम हिस्सा रही थीं। वे 308 रन बनाकर टूर्नामेंट की चौथी और भारत की दूसरी टॉप स्कोरर रहीं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ लीग स्टेज के करो या मरो मैच में 122 रन बनाकर टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था। उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ डबल सेंचुरी पार्टनरशिप भी की थी। बांग्लादेश के खिलाफ लीग स्टेज के आखिरी मैच में डीप मिड-विकेट पोजिशन पर फील्डिंग करने के दौरान प्रतिका के एंकल में चोट लग गई। जिस कारण वे टूर्नामेंट से बाहर गईं। यह मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा भी रहा था।

कुछ टाइम में रिकवर हो जाऊंगी- प्रतिका

रिकवरी पर बात करते हुए प्रतिका ने बताया कि मेरा अगला टारगेट पूरी तरह रिकवरी करने पर है, ताकि मैं घरेलू और इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर सकूं। मैं जल्दबाजी भी नहीं करना चाहती।

2024 में डेब्यू के बाद से बाद प्रतिका ने महज 24 वनडे में भारत के लिए 1110 रन बना दिए। इनमें 2 शतक और 7 फिफ्टी शामिल रहीं। इस दौरान उनका औसत 50.45 का रहा। उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ 7 सेंचुरी पार्टनरशिप कीं, जिनमें से 5 इसी साल आईं।

सीएम और केन्द्रीय मंत्री के बीच जुबानी जंग तेज

रेवंत रेड्डी पर पटलवार करते हुए किशन रेड्डी ने आरोपों की बौछार की

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनावी माहौल के बीच तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और केन्द्रीय मंत्री किशन रेड्डी के बीच जुबनी जंग तेज हे गई है। केन्द्रीय मंत्री ने सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपो को साबित करने की चुनौती दे डाली। इसके साथ ही रेवंत रेड्डी पर आरोपो की बरसात कर दी। हैदराबाद, नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री कांग्रेस की हार के डर से गलत बोल रहे हैं। मुख्यमंत्री जब जनता के बीच जाएं, तो उन्हें अपने किए का ब्यौरा देना चाहिए और फिर विरोधियों की आलोचना करके वोट मांगने चाहिए।

उन्होंने चुनाव से पहले किए गए वादों पर एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा लागू किए गए वादों के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। मात्र दो महीनों में उन्होंने एक भी वादा पूरा नहीं किया और सिर्फ़ विरोधियों की आलोचना कर रहे हैं। जनता के बीच विपक्ष का ध्यान भटकाने की रणनीति के तहत, वे हम पर, हमारे प्रधानमंत्री और हमारी पार्टी पर झूठी आलोचना कर रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि रेवंत कांग्रेस पार्टी के नेता भाजपा और बीआरएस के विलय की राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने पिछले संसदीय चुनावों में भी ऐसा ही किया था। रेवंत रेड्डी ने पिछले दिनों एमएलसी चुनाव प्रचार के दौरान मेरी व्यक्तिगत आलोचनाच की, झूठे आरोप लगाए और मेरे व्यक्तित्व पर कटाक्ष किया, लेकिन लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया।

पिछले चुनावों में जिस पार्टी ने फर्जी वीडियो बनाकर प्रचार किया, वह कांग्रेस-बीआरएस है। जुबली हिल्स में भी यही हाल है। क्या राहुल गांधी, जिन्होंने कहा था कि वह एक लाख करोड़ का भ्रष्ट धन इकट्ठा करेंगे, एक लाख रुपये भी निकाल पाए? उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस के बीच दिल्ली स्तर पर समझौता हुआ था। क्या यह सच नहीं है? क्या यह सच नहीं है कि केटीआर ने पिछले दिनों कहा था कि राहुल गांधी रेवंत रेड्डी को हटाना चाहते थे? जब वह दिल्ली चुनाव हार गए... तो क्या यह सच नहीं है कि केटीआर राहुल गांधी और केजरीवाल को शामिल करके सोशल मीडिया पर भाजपा के खिलाफ लड़ना चाहते थे? और वे भाजपा और बीआरएस को कैसे जोड़ रहे हैं? सीएम रेवंत रेड्डी के आरोपों पर पलटबार करते हुए केन्द्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि अगर आपमें खून है, अगर आपमें हिम्मत है, तो मैं आपको चुनौती देता हूं कि आप दिखाएं कि भाजपा-बीआरएस किस मुद्दे पर एकजुट हैं।

अगर आपके मुंह में कुछ आ भी जाए, तो वो सिर्फ बोलने से नहीं होता है। उन्होंने कहा कि फ़ोन टैपिंग मामले का क्या हुआ? बिजली ख़रीद मामले का क्या हुआ? अनाज खरीद मामले का क्या हुआ? जमीन ख़रीद मामले का क्या हुआ? क्या आपने बीआरएस के एक भी नेता, रेवंत रेड्डी, के खिलाफ कार्रवाई की है? क्या आप भूल गए हैं कि चुनाव प्रचार के दौरान बीआरएस पर कितने आरोप लगे थे, रेवंत रेड्डी? क्या तेलंगाना की जनता सचमुच आप पर भरोसा करती है? क्या आपको अपनी पार्टी पर भरोसा है? क्या आपके मंत्री आप पर भरोसा करते हैं? क्या आप सुनते हैं कि आपके मंत्री क्या कह रहे हैं? क्या आपको पता है कि वे अपने कार्यकर्ताओं से क्या कह रहे हैं? छह गारंटियों के मुद्दे पर कांग्रेस पूरी तरह से विफल रही है। कांग्रेस ही वो पार्टी है जिसने छह गारंटियों और 420 उप-गारंटियों के साथ धोखा किया। आप और बीआरएस पार्टी में कोई फ़र्क़ नहीं है। क्या यह सच है कि ठेकेदारों और रियल एस्टेट उद्योगों से हजारों रुपये वसूले गए? क्या यह सच है कि वह पैसा बिहार चुनाव के लिए भेजा गया था? छात्रों की फ़ीस भरने का दिल नहीं करता। आरोग्य श्री का बकाया है। स्ट्रीट लाइट खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। जब केंद्र ने ट्रिपल आर (आरआरआर) को मंज़ूरी दी थी, तब आप कहां थे? केंद्र तेलंगाना के विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रहा है। पिछले मीट द प्रेस में, केंद्र द्वारा हैदराबाद को दी गई परियोजनाओं और धनराशि के बारे में बताया गया था। क्या आप इस पर चर्चा के लिए तैयार हैं? अगर रेवंत रेड्डी और केसीआर के पास समय हो, तो मैं बताने को तैयार हूं कि केंद्र ने तेलंगाना के लिए क्या किया है। क्या आपमें आकर सुनने की हिम्मत है? उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी, केटीआर और किशन रेड्डी को 'बुरे भाई' बता रहे हैं। मुख्यमंत्री रेवंत "उल्टा चोर कोतवाल को डांटे" जैसा व्यवहार कर रहे हैं (मानो चोरी करने वाले पुलिसवाले को धमका रहे हों)। कौन किसका भाई है? कौन किसकी रक्षा कर रहा है? क्या कांग्रेस केसीआर की रक्षा नहीं कर रही है? रेवंत, आप राहुल गांधी के डर से कार्रवाई से क्यों पीछे हट रहे हैं? अगर तेलंगाना में कोई 'बुरे भाई' हैं, तो वे रेवंत रेड्डी और केसीआर हैं! रेवंत रेड्डी की सरकार एक नकली, धोखेबाज़, झूठी और नाकाम सरकार है। बीआरएस सरकार भी एक नकली, धोखेबाज, झूठी और नाकामयाब परिवार की प्राइवेट लिमिटेड सरकार है। रेवंत और केसीआर जैसे बदमाश भाई, जिन्होंने कई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार किया। रेवंत और केसीआर जैसे बदमाश भाई, जो मजलिस पार्टी को पालते-पोसते हैं और उनके विचारों को अपनी आंखों से देखते हैं।

धान घोटाले में शामिल होने पर सर्किल इंस्पेक्टर निलंबित

जयपुर मंडल में 1.39 करोड़ रुपये मूल्य के धान की हेराफेरी का मामला

मंचेरियल, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर मंडल के एक धान खरीद केंद्र पर 1.39 करोड़ रुपये मूल्य के धान की हेराफेरी के मामले में एक सर्किल इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया है।

निलंबन आदेश शनिवार को जारी किए गए। जानकारी के अनुसार, श्रीरामपुर थाने के इंस्पेक्टर वेणुचंदर पर आरोप है कि उन्होंने नरसिंहपुर और मद्दुलापल्ली गांवों के लिए खरीदे गए धान के गबन में शामिल लोगों को बचाने की कोशिश की। बताया गया है कि उन्होंने विभागीय रिकॉर्ड में गलत डेटा अपलोड करके इस घोटाले को छिपाने की कोशिश की थी।

नागरिक आपूर्ति विभाग की शिकायत पर पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से एक आरोपी थाटीपल्ली साईकुमार को 1 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था, जबकि बाकी आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में स्थापित एक चावल मिल के मालिकों ने महाराष्ट्र के व्यापारियों की मदद से धान के स्टॉक को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया था, जिससे विभाग को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सशस्त्र रिजर्व विंग के कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण : सज्जनार

पुलिस आयुक्त ने औपचारिक परेड में भाग लिया

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सशस्त्र रिजर्व विंग के कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने पुलिस विभाग में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति को अनुशासन बनाए रखने और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन करने की सलाह दी। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने शनिवार को पेटलाबुर्ज स्थित सिटी आर्म्ड रिजर्व (सीएआर) मुख्यालय में आयोजित औपचारिक परेड में भाग लिया। उन्हें कर्मियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, पुलिस आयुक्त ने सिटी आर्म्ड रिजर्व विंग की सराहना की और इसके दशकों पुराने इतिहास और अच्छी प्रतिष्ठा का उल्लेख किया। उन्होंने कर्मियों की प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने बताया कि पुलिस की नौकरी अन्य नौकरियों की तुलना में बहुत अलग है। उन्होंने कर्मियों को परिवार के सदस्यों को प्राथमिकता देने और स्वास्थ्य सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने उन्हें बुरी आदतों से दूर रहने और प्रतिदिन व्यायाम को अनिवार्य बनाने की भी सलाह दी। उन्होंने सभी को समय बर्बाद न करने, बल्कि कौशल हासिल करने और पेशेवर आवश्यकताओं के कारण पुलिस विभाग में उभर रहे नए रुझानों को अपनाने का निर्देश दिया। सीएआर विंग के कुल 1044 कर्मियों ने परेड का प्रदर्शन किया। सिटी सिक्योरिटी गार्ड, स्विफ्ट महिला एक्शन टीम, क्विक रिएक्शन टीम, सिटी रैपिड एक्शन फोर्स और अन्य सहित विभिन्न इकाइयों के कर्मचारियों ने भाग लिया।

परेड के बाद, सीपी ने एआर कर्मियों के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने उनके प्रदर्शन और जमीनी स्तर पर उनके सामने आने वाली समस्याओं के बारे में पूछताछ की। जब कुछ मुद्दे उनके ध्यान में लाए गए, तो उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि उन्हें जल्द से जल्द हल करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। बाद में, उन्होंने सीएआर मुख्यालय परिसर का दौरा किया। उन्होंने क्रेच, हथियार और गोला-बारूद स्टोर रूम, हथियार कार्यशाला और बैरक सहित सभी अनुभागों का गहन निरीक्षण किया। कार्यक्रम में कार हेडक्वाटर डीसीपी रक्षिता कृष्णमूर्ति, अतिरिक्त डीसीपी एन. भास्कर, बी. किश्तैया, टी. करुणाकर, डी. संजीव रेड्डी आदि ने भाग लिया।

कंटेनर लॉरी होटल से टकराई, बड़ा हादसा टला

सूर्यापेट, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट में शनिवार को कोडाद से मिर्यालगुडा जा रही एक कंटेनर लॉरी हुज़ूरनगर के इंदिरा चौक पर सड़क से उतरकर सड़क किनारे एक होटल से टकरा गई। लॉरी को देख होटल में मौजूद लोग सुरक्षित बाहर भाग गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना के समय होटल के आसपास इलाका लगभग खाली था, इसलिए किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को डायवर्ट किया और वाहन को घटनास्थल से हटा दिया। निवासियों ने चौराहे पर बार-बार होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क चौड़ीकरण और ट्रैफिक सिग्नल लगाने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने इस घटना के लिए ट्रैफिक सर्कल की अनुपस्थिति और बढ़ते ट्रैफिक जाम को जिम्मेदार ठहराया है।

पेरकापल्ली में जहरीला चारा खाने से 46 भेड़ों की मौत

पेद्दापल्ली, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धर्माराम मंडल के पेरकापल्ली गांव में जहरीला खाना खाने से 46 भेड़ों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, पिछले दो दिनों में 36 भेड़ें मरीं, जबकि शनिवार को 10 और भेड़ों की जान चली गई। घटना के बाद गांव में पशुपालकों में शोक और चिंता का माहौल है। बीआरएस नेताओं ने शनिवार को मौके पर पहुंचकर मृत भेड़ों के मालिकों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने भी प्रभावित चरवाहों से फोन पर बात की और कहा कि वे इस मामले को जिला कलेक्टर के समक्ष उठाकर मुआवजा दिलाने का प्रयास करेंगे। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है ताकि जहरीले चारे के स्रोत का पता लगाया जा सके।

डुंडीगल में 21 वर्षीय युवती की घर में हत्या

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के डुंडीगल इलाके में शनिवार सुबह एक 21 वर्षीय युवती की उसके घर में हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान स्वाति के रूप में हुई है, जो ग्रीन हिल्स कॉलोनी में रहती थी। पुलिस के अनुसार, स्वाति का शव घर के अंदर खून से लथपथ हालत में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

होटल में भोजन में कीड़ा मिलने का विवाद

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल के बस स्टैंड के पास एक लोकप्रिय होटल में शुक्रवार शाम परोसे गए भोजन में कथित तौर पर एक कीड़ा मिलने की घटना सामने आई। इस घटना का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

ग्राहक ने चावल में कीड़ा मिलने पर होटल प्रबंधन से शिकायत की, लेकिन शिकायत के बावजूद कर्मचारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। होटल प्रबंधन ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्लेट में शायद कोई ज़िंदा कीड़ा गिर गया होगा और कुछ लोग जानबूझकर प्रतिष्ठान की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। ग्राहकों ने होटल में परोसे जा रहे अस्वास्थ्यकर भोजन पर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों से स्वच्छता सुनिश्चित करने और भोजन को दूषित होने से बचाने के लिए कदम उठाने की मांग की। उन्होंने होटल में पहले भी वेज बिरयानी में कॉकरोच और मरे हुए चूहे के साथ उपमा परोसने जैसी घटनाओं का जिक्र किया।

कार सड़क डिवाइडर से टकराई और आग लगने से पूरी तरह जल गई

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा के गुंड्रामपल्ली में शनिवार को हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही एक कार सड़क डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई और उसमें आग लग गई। कार पूरी तरह जल गई, लेकिन उसमें सवार सभी आठ लोग सुरक्षित बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इनोवा कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और चालक ब्रेक नहीं लगा सका। गाड़ी डिवाइडर से टकराई, कई बार पलटी और सड़क किनारे रुक गई। चालक ने सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। दुर्घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। चित्याला पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

चैतन्यपुरी में निजी बस पर पथराव, विंडस्क्रीन क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के चैतन्यपुरी इलाके में शुक्रवार रात एक कथित मामूली दुर्घटना के बाद कुछ लोगों ने एक निजी बस पर पथराव किया और उसकी विंडस्क्रीन को तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश जा रही बस को चार बदमाशों ने रोका और आरोप लगाया कि बस ने उनकी कार को टक्कर मार दी। गुस्साए युवकों (जिनके नशे में होने की संभावना जताई जा रही है) ने बस पर पथराव किया और विंडस्क्रीन क्षतिग्रस्त कर दी। बस चालक की शिकायत पर चैतन्यपुरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

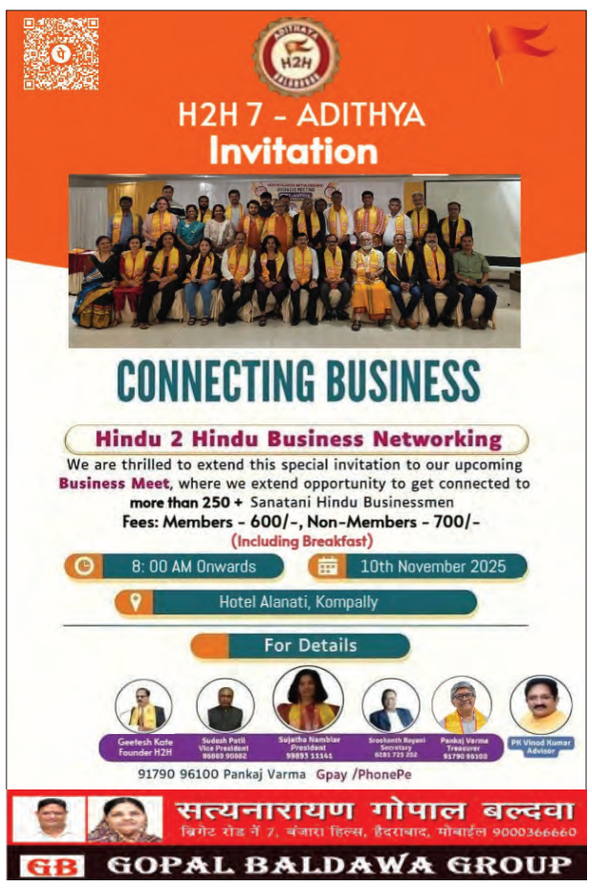

घाना ने सिंगरेनी कोलियरीज को खनन क्षेत्र में निवेश का आमंत्रण दिया

हीरा, सोना, लिथियम जैसे खनिजों के दोहन में सहयोग की पेशकश

पेद्दापल्ली, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हीरे, सोना, बॉक्साइट, मैंगनीज और लिथियम के समृद्ध भंडार के लिए प्रसिद्ध अफ्रीकी देश घाना ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को अपने खनन क्षेत्र में निवेश करने का निमंत्रण दिया है। शनिवार को घाना के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद स्थित सिंगरेनी भवन में एससीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने खनन क्षेत्र में संभावित व्यावसायिक सहयोग पर चर्चा की।

घानाई प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उनके देश में खनिज संसाधनों की प्रचुरता है और उत्पादन बढ़ाने के लिए निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि घाना हीरे, सोना, बॉक्साइट, मैंगनीज और लिथियम जैसे खनिजों का प्रमुख उत्पादक है और सिंगरेनी जैसी अनुभवी कंपनी के साथ साझेदारी से खनन गतिविधियों में तेजी आ सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि घाना में कोयला खनन की भी संभावनाएं मौजूद हैं और इस क्षेत्र में भी सहयोग की उम्मीद है।

प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए एन. बलराम ने कहा कि सिंगरेनी कंपनी घाना में खनन की संभावनाओं का मूल्यांकन करेगी और महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देगी। उन्होंने बताया कि एससीसीएल पहले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने परिचालन का विस्तार करने की दिशा में कदम उठा रही है। घानाई प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उनकी एक तकनीकी टीम अगले महीने नई दिल्ली में भारतीय अधिकारियों से मुलाकात करेगी और सिंगरेनी के साथ एक अनुवर्ती बैठक की योजना बनाई जाएगी। उन्होंने कंपनी को चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए एक टीम घाना भेजने का निमंत्रण भी दिया। यह पहल सिंगरेनी को अफ्रीकी महाद्वीप में अपने विस्तार की दिशा में एक नए अवसर का द्वार खोलती है।

बीआरएस नेता की शादी के जुलूस में नाचते समय मौत

दिल का दौरा पड़ने से अस्पताल ले जाते समय हुई मृत्यु

करीमनगर, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, वरिष्ठ बीआरएस नेता चोलेटी किशन रेड्डी की शुक्रवार रात हुजुराबाद मंडल के पोथिरेड्डीपेट गांव में एक शादी के जुलूस के दौरान नाचते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

ग्रामीणों के अनुसार, किशन रेड्डी अपने रिश्तेदार रागोतम रेड्डी की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए हनमकोंडा गए थे। शादी के बाद बारात पोथिरेड्डीपेट में निकाली गई, जहां वे नाचते हुए अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत हुजुराबाद अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि किशन रेड्डी पहले भी हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे और उनका इलाज चल रहा था। उनका मानना है कि तेज डीजे संगीत और उत्साह के बीच अचानक उन्हें हार्ट अटैक आया होगा। किशन रेड्डी बीआरएस के पुराने और सक्रिय सदस्य थे तथा पहले एलएमडी परियोजना के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके थे। उनकी मौत की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर है।

केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की 20वीं त्रैवार्षिक राष्ट्रीय बैठक शुरू

विशाखापट्टनम, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की 20वीं त्रैवार्षिक राष्ट्रीय महासभाएं धूमधाम से शुरू हुईं। 50,000 सदस्यों वाले इस एसोसिएशन का नेतृत्व तेलुगु भाषी के. रवि कुमार जनरल सेक्रेटरी के तौर पर कर रहे हैं। विशाखापट्टनम के रैडिसन ब्लू होटल में हो रही इस बैठक के उद्घाटन समारोह में केनरा बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ के. सत्यनारायण राजू मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

के. सत्यनारायण राजू ने कहा कि सरकारी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक केनरा बैंक अपने ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं देते हुए देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने केनरा बैंक के विकास में केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की भूमिका की बहुत तारीफ की। उन्होंने कहा कि तेलुगु युवा के. रवि कुमार के नेतृत्व में देश भर के सभी बैंक अधिकारी एकजुट होकर जो बैंकिंग सेवाएं दे रहे हैं, वे देश की प्रगति में बहुत योगदान दे रही हैं।

इस कार्यक्रम में के. सत्यनारायण राजू के जीवन में उनकी सफलता की कहानी पर आधारित एक किताब का विमोचन उनकी माता राम सीता के हाथों किया गया। जनरल सेक्रेटरी के. रवि कुमार ने कहा कि देश भर में हमारे बैंक अधिकारियों की एकता ही हमारी ताकत है और इसी ताकत ने हमें देश का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड यूनियन बनाया है। उन्होंने कहा कि हम बैंक अधिकारियों की समस्याओं को हल करने के लक्ष्य के साथ, एकता के रास्ते पर चलते हुए और देश के आर्थिक विकास को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा तय किए गए पांच ट्रिलियन इकोनॉमी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हम केनरा बैंक द्वारा बताए गए गाइडलाइंस को अपनाने की पूरी कोशिश करेंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.